www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...
राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025 | वर्ष-18 | अंक -13 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

नेशनल हेराल्ड मामले में सिर्फ राजनीतिक बदले ... 02
■ जीडीए सचिव ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक
■ 5 लाख टन कार्बन इमिशन होगा कम, सोलर एनर्जी... 04
■ म्यांमार : साइबर घोटाले के जाल में फंसे चार भारतीय...
■ भारत समावेशी न्याय संगत और सतत कृषि के... 07
63 वर्ष की हुई पूनम ढिल्लों 10

सार संक्षेप

दिन में तेज धूप, शाम को अचानक बदला मौसम

नई दिल्ली। दिन में चुभती-जलती गर्मी से परेशान दिल्लीवालों ने शुक्रवार शाम को राहत की सांस ली। तेज बारिश की बौछारों से पूरे दिल्ली का मौसम कूल-कूल हो गया। वहीं नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मोदी ने मस्क से दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अमेरिकी उद्योगपति एवं अमेरिकी प्रशासन में प्रशासनिक सुधार एलन मस्क से टेलीफोन पर बात की और प्रौद्योगिकी एवं नवान्वेषण के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के बारे में चर्चा की। श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों के बारे में बात की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन में हमारी बैठक के दौरान हमने जिन विषयों को कवर किया था।

एक मई से नहीं लागू होगा सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें एक मई से राष्ट्रीय स्तर पर सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम लागू करने की बात कही गई थी। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कुछ मीडिया हाउस की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक मई से राष्ट्रीय स्तर पर सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम लागू हो जाएगा और यह मौजूदा फास्टैग आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम को रिप्लेस करेगा।

भारत ने बांग्लादेश को अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की नसीहत दी

नई दिल्ली। भारत ने पश्चिम बंगाल की गतिविधियों पर बांग्लादेश के अधिकारियों द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी निंदा की है और उन्हें अपने देश के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने पर ध्यान देने की नसीहत दी है । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बंगलादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को खारिज करते हैं। बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बेहतर करे।

राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून बनाए सरकार

शिक्षा प्रणाली में जाति आधारित भेदभाव को खत्म करना मकसद

- डॉ अंबेडकर के साथ भेदभाव का भी किया जिक्र
- बैलगाड़ी यात्रा के दौरान हुई घटना का उल्लेख किया

आज हमारे लिए यह शर्म की बात है कि देश की शिक्षा प्रणाली में दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के लाखों छात्रों को जाति आधारित भेदभाव से जूझना पड़ता है: **राहुल गांधी, कांग्रेस नेता**

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हुए राहुल गांधी ने इस कांग्रेस शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लिखे पत्र में कहा, सरकार को 'रोहित वेमुला एक्ट' नाम से कानून बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कानून का मकसद शिक्षा प्रणाली में जाति आधारित भेदभाव को खत्म करना है। अपने पत्र में राहुल ने भारत रत्न डॉ बीआर अंबेडकर का भी जिक्र किया है। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि किस तरह बाबा साहेब अंबेडकर को भी अपने जीवनकाल में भेदभाव का सामना करना पड़ा था। बकौल राहुल गांधी, एक समय लंबी बैलगाड़ी यात्रा के दौरान हुई घटना का बाबा साहेब ने उल्लेख किया है। राहुल ने अपने पत्र में बाबा साहेब के संस्मरण का जिक्र करते हुए लिखा डॉ अंबेडकर को एक समय बिना भोजन के सोना पड़ा, क्योंकि लोगों ने अछूत मानकर उन्हें पानी देने से इनकार कर दिया। आंबेडकर बताते हैं कि उनके पास पर्याप्त खाना था, भूख भी लगी थी, इसके बावजूद उन्हें भूखे सोना पड़ा। स्कूल में उन्हें अपनी रैंक के मुताबिक सहपाठियों के बीच बैठने की अनुमति नहीं थी। उन्हें कोने में अकेले बिठाया जाता था।

2016 में हुई थी रोहित वेमुला की मौत

बकौल राहुल गांधी, बाबा साहब अंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जिसकी मदद से वंचित भी सशक्त बन सकते हैं। जाति व्यवस्था को तोड़ा जा सकता है। हालांकि, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों बाद भी, लाखों छात्र हमारी शिक्षा प्रणाली में जातिगत भेदभाव का दंश झेलने को मजबूर हैं। हैदराबाद में पढ़ाई करने वाले रोहित वेमुला की 2016 में मौत हुई थी।

होनहार युवाओं की हत्या अस्वीकार्य

राहुल गांधी ने कहा अंबेडकर ने जो झेला वह शर्मनाक था। भारत में किसी बच्चे के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। आज हमारे लिए यह शर्म की बात है कि देश की शिक्षा प्रणाली में दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के लाखों छात्रों को जाति आधारित भेदभाव से जूझना पड़ता है। 16 अप्रैल को लिखे इस पत्र में राहुल लिखते हैं कि रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे होनहार युवाओं की हत्या अस्वीकार्य है। इनसे सख्ती से निपटने का समय आ गया है।

शिक्षा प्रणाली में आज भी जातिगत भेदभाव

राहुल ने लिखा कि वे कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हैं, ताकि किसी भी बच्चे को वैसे दंश न झेलने पड़ें जो डॉ. बीआर अंबेडकर, रोहित वेमुला और लाखों अन्य लोगों को सहने पड़े। उन्होंने एक्स पर अपना पत्र साझा किया और लिखा, हाल ही में वे संसद में दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के छात्रों और शिक्षकों से मिला। बातचीत के दौरान कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव का के बारे में जानकारी मिली।

धनखड़ की न्यायपालिका संबंधी टिप्पणियों पर सियासत गरमाई

सिब्बल ने कहा, राज्यसभा सभापति को राजनीतिक बयान नहीं देने चाहिए

- अध्यक्ष, सभापति विपक्ष व सत्ता पक्ष से समान दूरी बनाए रखते हैं
- विधेयक को रोकना 'विधानमंडल की सर्वोच्चता पर अतिक्रमण'

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की ओर से न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणियों पर सियासत गर्मा गई है। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने धनखड़ की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा, यह असंवैधानिक है और राज्यसभा के किसी सभापति को कभी भी इस तरह का 'राजनीतिक बयान' देते नहीं देखा गया था। सिब्बल ने यह भी कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे 'पार्टी प्रवक्ता' नहीं हो सकते।

उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी वोट नहीं करते हैं, वे केवल तब वोट करते हैं जब बराबरी होती है। उच्च सदन के साथ भी यही बात है। आप विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच समान दूरी पर हैं।' कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल की ओर से विधेयकों को रोकना वास्तव में 'विधानमंडल की सर्वोच्चता पर अतिक्रमण' था। सिब्बल ने कहा, यह धनखड़ जी (उपराष्ट्रपति) को पता होना चाहिए, वे पूछते हैं कि राष्ट्रपति की शक्तियों को कैसे कम किया जा सकता है, लेकिन शक्तियों को कौन कम कर रहा है? मैं कहता हूं कि एक मंत्री को राज्यपाल के पास जाना चाहिए और दो साल तक वहां रहना चाहिए, ताकि वे सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को उठा सकें, क्या राज्यपाल उन्हें अनदेखा कर पाएंगे?' सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने पूछा कि क्या राष्ट्रपति संसद की ओर से पारित विधेयक के कार्यान्वयन में अनिश्चित काल तक देरी कर सकते हैं। अगर संसद कोई विधेयक पारित करती है, तो क्या राष्ट्रपति इसके कार्यान्वयन में अनिश्चित काल तक देरी कर सकते हैं।

सुरजेवाला भी धनखड़ की टिप्पणी से असहमत

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने न्यायपालिका को लेकर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा की गई टिप्पणी से शुक्रवार को असहमति जताई। सुरजेवाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मैं माननीय उपराष्ट्रपति का उनकी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता, दोनों के लिए बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन मैं उनके शब्दों से ससम्मान असहमत हूं।'

सीलमपुर में नाबालिग लड़के की चाकू घोंपकर हत्या

- आक्रोशित लोगों ने किया रोड जाम
- परिजनों ने कहा, आरोपियों को हो फांसी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। उत्तर पूर्वी दिल्ली में न्यू सीलमपुर के जे-ब्लॉक में 17 वर्षीय एक लड़के की बेरहमी से चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान उसी इलाके के निवासी राजवीर के बेटे कुणाल के रूप में हुई है। कुणाल की हत्या से आक्रोशित लोगों ने सीलमपुर में रोड जाम कर दिया है। भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद है। स्थानीय लोग आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, मृतक के परिजनों का कहना है कि आरोपियों को फांसी होनी चाहिए। मृतक की मां ने कहा कि पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस इलाके में पहले भी कई हत्याएं हो चुकी हैं।

लेडी डॉन का भी आया नाम

उन्होंने कहा कि लेडी डॉन लोगों को परेशान करती है। ग्रुप में जाकर लोगों के घरों पर हमला करती है। मृतक की बहन करीना ने बताया कि कुणाल मेरा छोटा भाई है। लेडी डॉन के सवाल पर करीना ने कहा कि मैं उसे नहीं जानती। कुणाल दूध लेने के लिए गया था। उसे कोई बुलाकर ले गया था, जहां उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। हम इंसाफ चाहते हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, चाकू घोंपने की घटना की सूचना सीलमपुर थाने को मिली थी। घटना के बाद, गहन जांच के लिए क्राइम टीम को मौके पर भेजा गया। सीलमपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें तैनात की हैं।

महागठबंधन में सीएम चेहरे पर बनी सहमति

तेजस्वी के नाम पर सहमति, ऐलान बाकी

■ जोगेन्द्र सोलंकी

बिहार चुनाव

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। बिहार पुलिस के मद्देनजर महागठबंधन में मुख्यमंत्री पद के लिए तेजस्वी यादव के नाम पर सहमति बन गई है। लेकिन तेजस्वी खुद नहीं चाहते कि अभी इसकी घोषणा हो। तेजस्वी चाहते हैं कि कांग्रेस आलाकमान सीएम चेहरे के तौर उनके नाम का ऐलान करे। तेजस्वी की मंशा है कि किसी बड़े मंच से उनके नाम की घोषणा की जाए। यही कारण है कि तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सीएम फेस के सवाल पर मीडिया को कहा कि थोड़ा इंतजार का मजा लीजिए।

दरअसल, बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी 'महागठबंधन' अब चुनावी मोड में आ चुका है। राजधानी पटना में गुरुवार को गठबंधन की पहली औपचारिक बैठक हुई जिसमें सभी घटक दलों के नेता शामिल हुए। इसमें चुनाव की तैयारियों के लिए एक समन्वय समिति बनाने का फैसला किया गया, जिसका नेतृत्व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव करेंगे। बैठक में कांग्रेस, राजद, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले) और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने हिस्सा लिया। सभी दलों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। सर्वसम्मति से एक समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया, जिसमें सभी घटक दलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को इसका नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है।

मतदाता सूची को लेकर विशेष रूप से बातचीत हुई

बैठक के बाद एक साझा संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर लगभग सभी विषयों पर बातचीत हुई। चुनाव में प्रचार की रणनीति, न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने, साझा घोषणा पत्र तैयार करने, अलग-अलग पार्टियों के संगठनों के बीच प्रदेश स्तर से लेकर प्रखंड स्तर पर समन्वय बनाने पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में मतदाता सूची को लेकर भी विशेष रूप से बातचीत हुई है।

बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी बात

तेजस्वी यादव ने कहा कि 'महागठबंधन' की बैठक में सभी घटक दलों के नेताओं ने बिहार के मुद्दों पर बात की। इसमें महिला, युवा, बुजुर्गों, पलायन, गरीबी, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी बात की गई।

तमिलनाडु देश के सभी राज्यों के लिए संघर्ष कर रहा : स्टालिन

चाहे वह नीट हो या तीन भाषा नीति, वक्फ संशोधन अधिनियम हो या परिसीमन

स्टालिन ने शाह के बयान की आलोचना की

चेन्नई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार ध्यान भटकाने के लिए नीट और परिसीमन जैसे मुद्दों पर जोर दे रही है।

उन्होंने शाह को चुनौती दी कि अगर द्रमुक सरकार वास्तव में ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है तो वह राज्य के लोगों को स्पष्ट जवाब दें। स्टालिन यहां विभिन्न सरकारी योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के मौके पर आयोजित एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और द्रमुक ही नीट सहित अन्य मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, चाहे वह नीट हो या तीन भाषा नीति, वक्फ संशोधन अधिनियम हो या परिसीमन केवल हम ही इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। अमित शाह ने कहा था कि हम ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि तमिलनाडु भारत के सभी राज्यों के लिए संघर्ष कर रहा है। क्या राज्यों के अधिकारों की मांग करना गलत है।

राज्यपाल के खिलाफ ऐतिहासिक फैसला आया

द्रमुक प्रमुख ने राज्य विधानसभा से पारित विधेयकों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि राज्य ने शीर्ष कोर्ट का रुख किया और राज्य के राज्यपाल के खिलाफ ऐतिहासिक फैसला आया, क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि यह द्रमुक की ताकत है और इसका एहसास पूरे देश को हो चुका है। स्टालिन ने गृह मंत्री से पूछा, अगर हम लोगों का ध्यान भटका रहे हैं, तो आप इन सवालों का साफ-साफ जवाब दीजिए। क्या आप नीट से छूट दे सकते हैं? क्या आप गारंटी दे सकते हैं कि हिंदी थोपी नहीं जाएगी? क्या आप आश्वासन दे सकते हैं कि परिसीमन के बाद संसद में हमारी सीटें कम नहीं होंगी।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी

सुकमा में 22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

- आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल

सुकमा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को सुकमा के घने जंगलों में चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान 22 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं।

इस ऑपरेशन में सुकमा डीआईजी ऑफिस, जगदलपुर डीआईजी ऑफिस के साथ-साथ सीआरपीएफ की कई बटालियनों ने हिस्सा लिया। सुरक्षा बलों के इस संयुक्त प्रयास को नक्सलवाद के खिलाफ चल रही मुहिम में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रत्येक को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि दी

सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की नई पुनर्वास नीति 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति- 2025' के तहत प्रत्येक को 50-50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई है।

कानपुर एयरपोर्ट पर बम की अफवाह से हड़कंप

दो घंटे की जांच, आरोपी गिरफ्तार

कानपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर शुक्रवार को बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। घटना तब हुई जब किसी सिरफिरे ने फोन करके एयरपोर्ट अधिकारियों को जानकारी दी कि एयरपोर्ट पर एक 72-सीटर हवाई जहाज में बम रखा गया है। यह जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल सक्रियता दिखाई। एयरपोर्ट पर तुरंत सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया। बम की अफवाह को लेकर पुलिस ने चकेरी थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसी बीच, पुलिस ने सिरफिरे की पहचान करने के लिए मोबाइल सर्विलांस का सहारा लिया। लोकेशन ट्रेस कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

विरासत *भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम*

गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को 'मेमोरी ऑफ वर्ल्ड' में शामिल

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के लिए एक बड़ी अच्छी खबर है। यूनेस्को ने भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान है।

यूनेस्को का मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर दुनिया की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को बचाने और उन्हें हमेशा के लिए उपलब्ध कराने की एक कोशिश है। इस लिस्ट में शामिल होने से अतीत के इन धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। भगवद गीता के 18 अध्यायों में 700 श्लोक हैं। यह महाभारत काल का एक अनुपम हिंदू धर्मग्रंथ है। यह वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे प्राचीन भारतीय धार्मिक विचारों का मिश्रण है। यह कर्तव्य, ज्ञान और भक्ति के महत्त्व पर आधारित है। दूसरी ओर, भरत मुनि का नाट्यशास्त्र प्रदर्शन कलाओं का वर्णन करने वाले संस्कृत काव्य छंदों का संग्रह है। इसमें नाट्य (नाटक), अभिनय, रस (सौंदर्य अनुभव), भाव (भावना), संगीत आदि को परिभाषित करने वाले नियमों का एक व्यापक दृष्टिकोण हैं। इस उपलब्धि पर पीएम मोदी ने खुशी जताते हुए एक्स पर लिखा यह 'हमारी कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता' है। यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

- इन धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर क्या है

यूनेस्को का 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर एक ऐसा कार्यक्रम है जो दुनिया की दस्तावेजी विरासत को बचाने और उसके संरक्षण के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह विरासत हमेशा के लिए उपलब्ध रहे। इसे 1992 में शुरू किया गया था। इसका मकसद ऐतिहासिक लिखित धरोहरों को विस्मृति से बचाना और दुनिया भर में मूल्यवान अभिलेखीय होल्डिंग्स और पुस्तकालय संग्रहों को संरक्षित करना है।

देश

उवाच

"महिला आयोग भाजपा की शह पर काम कर रहा है और उसका एजेंडा राजनीतिक है। महिला आयोग का अचानक पश्चिम बंगाल दौरे की घोषणा करना यह दर्शाता है कि वह एक खास पार्टी के शह पर काम करता है। महिला आयोग को पहले मणिपुर और उत्तर प्रदेश में जाना चाहिए।

-सुजॉय हाजरा, टीएमसी नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	40.0	24.0
मुंबई	33.0	28.0
कोलकाता	26.0	23.0
चेन्नई	33.0	30.0

नेशनल हेराल्ड मामले में सिर्फ राजनीतिक बदले की कार्रवाई

■ कांग्रेस ने सोनिया व राहुल गांधी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सवाल उठाए

भाजपा का मकसद गांधी परिवार को बदनाम करना : राशिद अल्वी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदर्शन पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने शुक्रवार को सवाल उठाए। राशिद अल्वी ने कहा कि अगर गिरफ्तारी की मांग करनी है तो यह अकबर रोड पर क्यों, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के निवास के बाहर क्यों नहीं। भाजपा का मकसद गांधी परिवार को बदनाम करना है। इस मामले में जमानत मिल चुकी है।

क्या जमानत के बाद किसी की गिरफ्तारी होती है। जब तक अदालत का अंतिम फैसला नहीं आता, यह सिर्फ राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा न्यायपालिका पर उठाए गए सवालों पर अल्वी ने कहा कि वह देश के उपराष्ट्रपति हैं। मेरा मानना है कि किसी भी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज को केवल संसद बाहर का रास्ता दिखा सकती है। वह सरकार को कहें कि संसद में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए, बहुमत उनके पास है। अगर किसी जज के यहां से पैसा मिला है तो जरूर कार्रवाई होनी चाहिए। वक्फ कानून में हुए संशोधनों को बोरा समुदाय का समर्थन मिलने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि बोरा समुदाय के पास अब बची-खुची जमीन है। वे अपना पक्ष रख रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे पूरे मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बोरा समाज की संपत्ति बहुत कम है और वक्फ बोर्ड अलहदा बना दिया। सरकार जिस तरह का वक्फ बोर्ड बनाना चाहे वह बनाए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जो सवाल उठाए हैं, वे बहुत महत्वपूर्ण हैं। वही सवाल हम उठा रहे हैं। मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कुछ स्थानीय लोगों और भाजपा नेताओं द्वारा बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग पर उन्होंने कहा कि अगर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाना है, तो देश के हर उस क्षेत्र में लगाएं जहां कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है, चाहे वह उत्तर प्रदेश हो, गुजरात हो, या कोई अन्य राज्य। ममता बनर्जी से बंगाल में आप संवैधानिक तरीके से जीत नहीं सकते हैं तो आप तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। मेरा मानना है कि जनता भाजपा के साथ है और भाजपा के लिए वहां कोई जगह नहीं है। वहीं कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर सवाल उठाए। संदीप दीक्षित ने आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में बार-बार खबरें आ रही हैं कि भाजपा के कार्यकर्ता मुस्लिम वेशभूषा में दंगा फैला रहे हैं। नमाजी टोपी पहनकर उपद्रव करते कुछ लोग पकड़े गए हैं, जिनका संबंध भाजपा से बताया जा रहा है। तो पहले भाजपा अपने लोगों को सजा दिलवाए और माफी मांगे। विपक्ष से पहले उन्हें खुद जवाब देना चाहिए।

वक्फ (संशोधन) कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट के आदेश को लेकर पूछे जाने पर संदीप दीक्षित ने कहा कि यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के अधीन है, तो अब देखना होगा कि आगे क्या होता है। लोग अपनी-अपनी दलील और आपत्तियां लेकर कोर्ट गए हैं। मुझे इसकी विस्तृत जानकारी नहीं है कि सुनवाई में क्या चर्चा हुई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट उन सभी प्रावधानों की समीक्षा करेगा, जिन पर लोगों ने आपत्ति जताई है।

धार्मिक आधार पर देश के बांटने की कोशिश कर रही भाजपा : अल्वी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून में संशोधनों के विरोध में हुई हिंसा पर राशिद अल्वी ने कहा कि भाजपा बंगाल में अपनी गलतियों को छिपाने के लिए ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल उठा रही है। हम हिंसा का विरोध करते हैं। किसी भी सरकार के दौरान अगर हिंसा होती है तो हम उसका विरोध करते हैं। केंद्र सरकार जवाब दे कि सीमा सुरक्षा बल, जो गृह मंत्रालय के अधीन है, बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने में क्यों विफल रहा। गृह मंत्री अमित शाह को जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धार्मिक आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है।

नीतीश कुमार ने 'महिला संवाद' का किया शुभारंभ

पटना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से शुक्रवार को 'महिला संवाद' का शुभारंभ किया। कुमार ने शुक्रवार को यहां एक, अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 'महिला संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं एवं कार्यों के विषय में महिलाओं को जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही महिलाओं को उनके गांव या टोलों की समस्याओं और आकांक्षाओं को चिह्नित कर उसकी प्राथमिकता निर्धारण करने के लिए अवसर प्रदान किए जाएंगे। संवाद के दौरान प्राप्त समस्याओं का विभिन्न स्तरों पर त्वरित समाधान किया जायेगा। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सरकार की योजनाओं के सूत्रण एवं नीति-निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के लिए महिला संवाद जागरूकता वाहनों को एक अणे मार्ग से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता वाहन की चारों तरफ से ब्रांडिंग की गयी है। इससे गांव में कार्यक्रम करने के दौरान या एक गांव से दूसरे गांव में जागरूकता वाहन की आवजाही के दौरान सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण से संबंधित किए गए कार्यों के प्रति आम लोगों का ध्यान आकृष्ट होगा।

रक्षा संबंधों को अधिक सशक्त बनाएंगे भारत-ब्रिटेन

रक्षा सचिव राजेश कुमार ने की सह-अध्यक्षता

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा के साथ-साथ रक्षा संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दो दिन की लंदन यात्रा के दौरान वार्षिक द्विपक्षीय रक्षा वार्ता में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

रक्षा सचिव ने लंदन में अपने समकक्ष डेविड विलियम्स के साथ भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह की 24वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की और रक्षा संबंधों को पहले से सशक्त बनाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह चर्चा वर्ष 2021 में घोषित व्यापक रणनीतिक साझेदारी और 2030 के रोडमैप के संदर्भ में हुई, जो दोनों देशों के बीच सहयोग को विस्तार देगी। भारतीय रक्षा सचिव ने ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल के साथ भी विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें तीनों सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सहभागिता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिंह ने 'यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल' द्वारा आयोजित भारत-ब्रिटेन रक्षा उद्योग गोलमेज सम्मेलन में प्रतिभागियों को भी संबोधित किया। उन्होंने नौसेना प्रणालियों, ड्रोन, निगरानी, रक्षा अंतरिक्ष और विमानन जैसे प्रमुख रक्षा क्षेत्रों में भारतीय स्टार्ट-अप की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया।

रक्षा सचिव ने ब्रिटिश कंपनियों से स्टार्ट अप के साथ साझेदारी की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया और किफायती तथा अत्याधुनिक समाधान प्रदान करने की उनकी क्षमताओं पर विचार साझा किये। रक्षा सचिव ने कहा कि भारत भविष्य में रक्षा उद्योग जगत की भागीदारी को दिशा देने के लिए औद्योगिक सहयोग रोडमैप विकसित करने के उद्देश्य से ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

सार संक्षेप

थल सेना प्रमुख ने मोहन यादव से की सौजन्य भेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की मूर्ति भेंट कर थल सेना प्रमुख श्री द्विवेदी का स्वागत किया। इस अवसर पर द्विवेदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। लेफ्टिनेंट जनरल पीपी सिंह तथा मेजर जनरल सुमित भी उनके साथ उपस्थित रहे।

गुजरात समाचार की निदेशक स्मृतिबेन शाह का निधन

अहमदाबाद। गुजरात समाचार की निदेशक स्मृतिबेन शाह का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को अहमदाबाद में किया गया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि गुजराती दैनिक गुजरात समाचार के प्रबंध संपादक श्रेयांसभाई शाह की पत्नी स्मृतिबेन शाह ने 82 साल की उम्र में बीमारी व वृद्धावस्था के कारण गुरुवार की रात अपने ही घर में अंतिम सांस ली। वह अपने पीछे दो पुत्र निर्मम और अमम सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गईं हैं।

महिला से बस में छेड़छाड़ के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस ने बॉम्बे नगर निगम की बेस्ट बस में महिला के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना 10 अप्रैल को सुबह करीब 10 बजे हुई जब महिला बेस्ट बस से प्रभादेवी से वर्ली के कुर्ने चौक जा रही थी। उसने 16 अप्रैल को पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया कि बस में उसके पीछे खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने चलती बस में उसके साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने घटना की जांच के लिए एक विशेष टीम बनाई। टीम ने विभिन्न स्थानों से सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जहां आरोपी बस में चढ़ा और उतरा।

जवान ने ड्यूटी के दौरान सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या की

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के गोगांवा में शुक्रवार को अपराह्न एसएएफ के जवान ने सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि 38 वर्षीय एस ए एफ फर्सट बटालियन सी कंपनी के जवान राज कुमार शर्मा ने अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह इंदौर के निवासी थे। शीतला माता मंदिर के सामने चौकी पर 24 घंटे की गार्ड ड्यूटी होती है। सीसीटीवी फुटेज में आए समय के मुताबिक शर्मा ने अपनी ठोड़ी पर बंदूक रखकर गोली चला ली जो उनके सर से पार हो गई।

रिम्स निदेशक राजकुमार को पद से हटाया

रांची, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखण्ड के स्वास्थ्य मंत्री सह रिम्स शासी परिषद के अध्यक्ष डॉ. इरफान अंसारी ने रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार को तत्काल प्रभाव से निदेशक पद से हटा दिया है। उन्होंने पत्र जारी करते हुए बताया कि रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार पर प्रशासनिक अक्षमता की वजह से पद से हटाया जा रहा है। पत्र में लिखा है कि निदेशक के पद पर कार्यरत रहने के दौरान मंत्रि परिषद, शासी परिषद तथा विभाग द्वारा लोकहित में दिए गये निर्णय और निर्देशों का पालन नहीं किया गया। रिम्स अधिनियम, 2002 द्वारा निर्धारित उद्देश्यों को पूर्ण करने में डॉ. राजकुमार की सेवा संतोषजनक नहीं पाई गई है। अत: रिम्स नियमावली 2002 के नियम के तहत लोकहित्त में डॉ. राजकुमार को तीन महीने का वेतन एवं भत्ता देते हुए तत्काल प्रभाव से निदेशक, रिम्स के पद से हटाया जाता है। इस निर्णय पर मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त होने की बात भी कही गई है। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार के अनुमोदन के बाद 31 जनवरी 2024 को तीन वर्षों के लिए राजकुमार को रिम्स निदेशक पद पर नियुक्त किया गया था। रिम्स निदेशक पद से हटाए जाने को लेकर डॉ. राजकुमार ने फोन पर बताया कि मुझे पत्र मिला है, जिसमें मुझे हटाने की बात कही गई है।

कांचा गाचीबोवली घोटाले की हो जांच : केटीआर

■ पर्यावरण विनाश के मामले की जांच का मोदी से किया आग्रह

■ कांचा गाचीबोवली में दस हजार करोड़ रुपए के घोटाले का लगाया आरोप

हैदराबाद, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के कांचा गाचीबोवली में कथित 10,000 करोड़ रुपए के घोटाले और पर्यावरण विनाश के मामले की जांच और तत्काल कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है।

रामाराव ने अपने बयान में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर 400 एकड़ से अधिक वन भूमि को अवैध रूप से गिरवी रखने से जुड़े बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री को यह भी चुनौती दी कि वे अपने पर्यावरण संबंधी बयानबाजी को निर्णायक कार्रवाई के साथ समर्थन दें, जिससे राज्य में भाजपा और कांग्रेस के बीच मिलीभगत के बढ़ते आरोपों को गलत साबित किया जा सके। उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय से सटे पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील वन भूमि की कथित निकासी का जिक्र करते हुए कहा कि यह केवल पर्यावरणीय आपदा नहीं है; बल्कि यह कांग्रेस सरकार द्वारा किया गया 10,000 करोड़ रुपए का घोटाला है। मोर, हिरण और अन्य लुप्तप्राय प्रजातियों का घर यह जंगल शहर के पारिस्थितिकी संतुलन और भूजल स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। पर्यावरणविदों, छात्र समूहों के विरोध और भूमि नीलामी पर रोक लगाने वाले उच्चतम न्यायालय के मौजूदा आदेश के बावजूद कथित तौर पर आईटी पार्क सहित वाणिज्यिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भूमि को साफ कर दिया गया।

उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार ने भारी कर्ज हासिल करने के लिए कानूनी शीर्षक या पर्यावरणीय मंजूरी के बिना भूमि को गिरवी रख दिया। उन्होंने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के निष्कर्षों का हवाला दिया, जिसने वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि की और सीबीआई, आरबीआई, सेबी, एसएफआईओ और सीवीसी जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा जांच की सिफारिश की। उन्होंने बताया कि बीआरएस ने पहले ही इन अधिकारियों को सहायक दस्तावेज जमा कर दिए हैं।

बीआरएय कार्यकारी अध्यक्ष ने हरियाणा में मोदी की हाल की टिप्पणियों का भी संदर्भ दिया, जहां उन्होंने तेलंगाना में वनों की कटाई की निंदा की, और पूछा कि क्या वे केवल दिखावटी थे।

सिस्टम का शोषण कर रहे रेवंत रेड्डी

केटीआर ने आरोप लगाया कि बेशर्मी से सिस्टम का शोषण करने वाले रेवंत रेड्डी को बेनकाब किया जाना चाहिए। वन्यजीवों की चिंताओं को खारिज करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए, उन्होंने तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार की रिपोर्ट की ओर इशारा किया, जिसमें क्षेत्र में संरक्षित प्रजातियों सहित महत्वपूर्ण जीवों की उपस्थिति की पुष्टि की गई है। उन्होंने विवादित भूमि क्षेत्र के भीतर एक जल निकाय को गिरवी रखने की भी आलोचना की, जो पर्यावरण और सार्वजनिक हित के लिए एक घोर उपेक्षा है।

दमोह में फर्जी डॉक्टर भेजा गया जेल

दमोह, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में आठ लोगों के लिए काल बनकर आए एक फर्जी डॉक्टर को 11 दिन की पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला मिशन अस्पताल से जुड़ा हुआ है। यहां नरेंद्र विक्रमादित्य यादव नामक व्यक्ति ने डॉ. एन. जॉन कैम के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और नौकरी हासिल की। इस फर्जी चिकित्सक ने 15 से ज्यादा हृदय रोगियों के ऑपरेशन किए, जिनमें से आठ मरीजों की मौत होने की बात कही जा रही है। आरोपी को इस मामले के तूल पकड़ने पर गिरफ्तार किया गया था। वह 11 दिन तक पुलिस हिरासत में रहा। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि उसने फर्जी तरीके से दस्तावेज हासिल किए थे। उसे शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस फर्जी चिकित्सक का खुलासा कृष्णा पटेल नाम के एक व्यक्ति द्वारा मानवाधिकार आयोग से की गई शिकायत से हुआ था।

भूख हड़ताल पर बैठे पश्चिम बंगाल के मालदा में नौकरी गंवाने वाले शिक्षक

■ प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने बहाली की उठाई मांग

मालदा, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा शहर में नौकरी गंवाने वाले योग्य शिक्षकों ने शुक्रवार को पोस्ट ऑफिस चौराहे पर भूख हड़ताल शुरू की। शिक्षकों ने एक अस्थायी मंच बनाकर 12 घंटे के इस विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की। प्रदर्शनकारी शिक्षकों की मुख्य मांग है कि उनकी बहाली हो और पुलिस लाठीचार्ज और हिंसा का विरोध किया जाए। प्रदर्शन में मालदा के इंग्लिश बाजार और आसपास के दूरदराज के इलाकों से सैकड़ों शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों का कहना है कि पश्चिम बंगाल में शिक्षा व्यवस्था को बदनाम करने और शिक्षक समाज पर अत्याचार करने की साजिश हो रही है। वे इस अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहीं देवप्रिया चट्टोपाध्याय ने कहा कि हमारा अनशन शिक्षक समाज पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ है। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने नारे लगाए और बैनर-पोस्टर के माध्यम से अपनी मांगों को सामने रखा। स्थानीय लोगों ने भी शिक्षकों के इस आंदोलन को समर्थन दिया।

नौकरी छीने जाने से परिवारों का भविष्य खतरे में

पश्चिम बंगाल में शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर बदनाम किया जा रहा है। हमारी मांग है कि योग्य शिक्षकों को उनकी नौकरी वापस दी जाए। हमने पूरे मालदा जिले के शिक्षक समुदाय को इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। शिक्षकों का कहना है कि उनकी नौकरी छीने जाने से उनके परिवारों का भविष्य खतरे में है। इसके अलावा, पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और हिंसक कार्रवाई ने उनके आक्रोश को और बढ़ा दिया है। वे सरकार से मांग कर रहे हैं कि उनकी बात सुनी जाए और बिना देरी के उनकी नौकरी बहाल की जाए।

सिक्किम के मुख्यमंत्री तामांग ने पर्यटक आकर्षण के केन्द्रों के सौन्द्रीयकरण पर दिया जोर

नई दिल्ली 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग (गोले) ने 16 अप्रैल को राबोंगला में डिस्कवर राबोंग चो-जो फेस्ट 2025 के समापन समारोह में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्सव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव सिक्किम की सांस्कृतिक विविधता को दिखाता है और सभी जिलों के लोगों की जोशभरी भागीदारी को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य के सतत विकास और सबको साथ लेकर चलने के मकसद के तहत, सांस्कृतिक धरोहर को बचाना और समुदायों को एकजुट करना बहुत जरूरी है। उन्होंने प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य के निरंतर प्रयासों की सराहना की, जिसके कारण स्थानीय व्यक्तियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्टता हासिल करने का मौका मिला है। उन्होंने विशेष रूप से बरफंग निर्वाचन क्षेत्र की सराहना की, इसकी प्राकृतिक सुंदरता, परिदृश्य और लोगों के गर्मजोशी भरे आतिथ्य की प्रशंसा की और स्थानीय लोगों को पर्यटन को बढ़ावा देने और बरफंग को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए इन विशेषताओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नर्सिंग घोटाला मप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पर कलंक : सिंघार

■ राज्य के कथित नर्सिंग घाटाले को लेकर फिर उठाए सवाल

भोपाल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य के कथित नर्सिंग घाटाले को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। सिंघार ने एक्स पर पोस्ट किया, नर्सिंग घोटाले में 70 पर जांच लेकिन असली गुनहगार अब तक आजाद। यह सिर्फ एक घोटाला नहीं, मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर कलंक है।

रजनी नायर को हटाना दिखावटी कार्रवाई है, असली सवाल यह है क्या अब तक की भर्ती में शामिल भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं पर कोई कार्रवाई होगी। लीला नलवंशी की नियुक्ति के पीछे सरकार की मंशा क्या है। क्या ये जांच को प्रभावित करने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घोटाले में सरकार ने पहले चुप्पी साधी, अब लीपापोती कर रही है। मामले में दोषियों को कब सज़ा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए कल गांधी मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग महाविद्यालय प्राचार्य के पद से रजनी नायर को हटा कर उनके स्थान पर लीला नलवंशी को नियुक्त किया है।

हालांकि लीला नलवंशी की नियुक्ति को लेकर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं। उनकी प्राचार्य पद पर नियुक्ति के बाद आरोप लग रहे हैं कि उनके पास पर्याप्त योग्यता नहीं होने के बाद भी उन्हें इस पद पर नियुक्त कर दिया गया।

चिंता — कश्मीर में इस सर्दी में कम बर्फबारी से पानी की कमी

सिंचाई व पेयजल आपूर्ति के लिए चुनौतियों की चेतावनी

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। इस सर्दी में कश्मीर के ऊंचे इलाकों में कम बर्फबारी ने विशेषज्ञों के बीच आगामी गर्मियों में संभावित जल संकट, खासकर सिंचाई और पेयजल की जरूरतों के बारे में चिंता पैदा कर दी है। कश्मीर विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर और हिमालय में।

क्रायोस्फीयर अध्ययन और अल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र की गतिशीलता पर शोधकर्ता डा. इरफान राशिद ने पत्रकारों से बात करते हुए चेतावनी दी कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा, तो आगे बड़ी चुनौतियां हो सकती हैं। डा. राशिद ने कहा कि निश्चित रूप से, अगर मौजूदा परिदृश्य जारी रहता है, तो डाउनस्ट्रीम कृषि और समुदायों को सिंचाई आपूर्ति के बारे में चिंताएं होंगी। इस साल पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी की मात्रा चिंताजनक रूप से कम है, जहां आमतौर पर दसियों मीटर बर्फबारी होती है। उन्होंने कहा कि उपग्रह डेटा से पता चलता है कि कश्मीर और पश्चिमी हिमालय के कई ऊंचाई वाले इलाकों में इस मौसम में बहुत कम बर्फबारी हुई है। डा.राशिद ने कहा कि इस कमी से न केवल तत्काल जल आपूर्ति प्रभावित होती है, बल्कि ग्लेशियर पिघलने की दर भी बढ़ सकती है। वे कहते थे कि जब बर्फ का आवरण कम होता है, तो ग्लेशियर मौसम की शुरुआत में ही अपनी सुरक्षा कवच खो देते हैं, जिससे बर्फ उच्च तापमान के संपर्क में आती है और पिघलने की दर तेज हो जाती है। उनका कहना था कि इससे ग्लेशियरों के दीर्घकालिक द्रव्यमान संतुलन पर गंभीर असर पड़ सकता है, जो क्षेत्र की भविष्य की जल सुरक्षा के लिए चिंताजनक संकेत है।

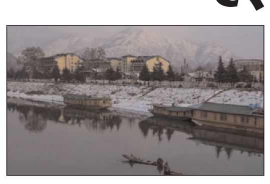

■ सर्दियों के मुख्य महीनों के दौरान बर्फबारी होती है बहुत महत्वपूर्ण

डा. इरफान के अनुसार, सर्दियों के मुख्य महीनों के दौरान बर्फबारी महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह लंबे समय तक चलती है। वे कहते थे कि देर से बर्फबारी, भले ही यह गुलमर्ग या जोजिला जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हो, पहले जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई नहीं करती है। इस साल बर्फ की कमी बहुत ज्यादा है और इसके परिणामस्वरूप गर्मियों और शरद ऋतु के दौरान पानी का प्रवाह कम हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर पश्चिमी विक्षोभ चालू और आने वाले महीनों में वर्षा लाता है, तो प्राकृतिक जल भंडार प्रभावित नहीं होंगे। इस बीच, कश्मीर में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण (आई एंड एफ सी) विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कम बर्फबारी की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। अधिकारी का कहना था कि फिलहाल, हमें पानी की तत्काल कमी की आशंका नहीं है। झेलम सहित हमारे जल स्तर सामान्य सीमा के भीतर हैं।

हालांकि, अगर मार्च, अप्रैल और मई के दौरान बारिश कम होती है, तो पीने के पानी और सिंचाई आपूर्ति में समस्या हो सकती है।

उल्टा पुल्टा

पति : तुम्हारे पापा मानते क्यों नहीं? जले पर नमक छिड़कने की आदत गई नहीं अब तक उनकी।

पत्नी : क्यों क्या हुआ?

पति : आज फिर से पूछ रहे थे कि मेरी बेटी से शादी करके खुश तो हो न?

निजी स्कूलों पर कार्रवाई का ढोंग कर रही सरकार

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने फीस बढ़ोतरी को लेकर दिल्ली सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गत दिनों भाजपा शासित दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री ने एक प्रेस वार्ता कर पत्रकारों के सामने कई ऐसी बातें कहीं जो कि बिल्कुल झूठ है और साथ ही साथ उन्होंने हाईकोर्ट की कार्यवाही को भी अपनी मर्जी के मुताबिक तोड़ मरोड़ कर पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत किया जो कि अदालत की अवमानना है और कानूनन अपराध है।

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि यह सारा मामला 20 मार्च से शुरू हुआ। उन्होंने बताया की द्वारका में स्थित डीपीएस स्कूल तथा दिल्ली के अन्य और कई प्राइवेट स्कूल जिन्होंने अनाप-शनाप तरीके से स्कूल की फीस बढ़ा दी। उन्होंने बताया कि जिन बच्चों के माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस का भुगतान नहीं किया, उन बच्चों को डीपीएस स्कूल कक्षा में नहीं बैठने दे रहा था, उन सभी बच्चों को स्कूल लगातार प्रताड़ित कर रहा था और सभी बच्चों को लाइब्रेरी में बैठाया जा रहा था। यहां तक की यदि बच्चे टॉयलेट करने भी जाते थे तो उस पर भी स्कूल प्रशासन ने पहरा लगाया हुआ था। स्कूल द्वारा इस प्रकार मनमाने तरीके से बढ़ाई गई फीस के खिलाफ पूरी दिल्ली में अलग-अलग स्कूल के बच्चों के माता-पिता लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। माता-पिता शिक्षा विभाग में भी इस बात की शिकायत कर चुके हैं। शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री

स्कूलों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही दिल्ली सरकार की ओर से या शिक्षा विभाग की ओर से नहीं की गई व स्कूलों की मनमानी जारी है : सौरभ भारद्वाज

को भी स्कूल की मनमानी के संदर्भ में शिकायत लिख चुके हैं। परंतु कहीं से किसी प्रकार की कोई भी मदद अभिभावकों को नहीं मिली। स्कूलों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही दिल्ली सरकार की ओर से या शिक्षा विभाग की ओर से नहीं की गई और स्कूलों की मनमानी लगातार जारी है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब प्राइवेट स्कूलों की इस मनमानी की जानकारी आम आदमी पार्टी को मिली तो हमने इसके खिलाफ आवाज उठाई, कई प्रेस वार्ताएं करी तब जाकर आनन-फानन में दिल्ली सरकार ने डीएम के अधीन एक कमेटी का गठन किया। जिसमें यह तय हुआ कि स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से बढ़ाई गई फीस की शिकायत की जांच की जाएगी, बच्चों को लाइब्रेरी में बैठाकर जो प्रताड़ित किया जा रहा है उसकी जांच की जाएगी। सौरभ भारद्वाज ने बताया की 3 अप्रैल को डीएम ने डीपीएस द्वारका का दौरा किया और डीएम ने पाया कि सचमुच बच्चों को लाइब्रेरी में बैठाया जा रहा है। डीएम ने अपनी रिपोर्ट में इस बात को लिखा की बच्चों के साथ यह प्रताड़ना की जा रही है, परंतु दिल्ली की जनता को इस बात पर गुमराह किया जा रहा है की स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से बढ़ाई गई फीस का ऑडिट किया जाएगा, क्योंकि हाई कोर्ट की कार्यवाही में जो डीएम की रिपोर्ट है उसमें डीएम द्वारा इस बात की जानकारी तो दी गई है कि बच्चों को क्लास अटेंड नहीं करने दी जा रही है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह फेल : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली की चरमराई कानून-व्यवस्था के चलते बढ़ते जघन्य अपराध को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज का कहना है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार दिल्ली की कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से फेल है। सीलमपुर में नाबालिग बच्चे की हत्या से साफ होता है कि दिल्ली में अपराध बढ़ रहा है और दिल्ली पुलिस द्वारा अपराध के आंकड़ों में छेड़छाड़ करके दिल्लीवालों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी सरकार में थी, तब भी और अब जब विपक्ष में है, तब भी दिल्ली की ध्वस्त कानून व्यवस्था को लेकर आवाज उठाती रही है। शुक्रवार को आप मुख्यालय पर सौरभ भारद्वाज ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले करीब छह महीनों से आप सरकार दिल्ली की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रही थी और पिछले दो महीनों से आम आदमी पार्टी विपक्ष में है, तब भी हम आवाज उठा रहे हैं कि दिल्ली की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। एक महीने पहले दिल्ली पुलिस ने आंकड़े निकाले कि दिल्ली में जघन्य अपराध और हत्याएं कम हुई हैं। सीलमपुर में नाबालिग की हत्या होने से पता चलता है कि न सिर्फ अपराध बढ़ रहा है, बल्कि अपराध के आंकड़ों के साथ भी छेड़छाड़ करके दिल्लीवालों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में अपराध इतना बढ़ गया है कि कई बार स्कूल के बच्चे अपने सहपाठी की हत्या कर देते हैं, बुजुर्ग दंपति की दिन-दहाड़े 11 बजे उनके ही घर में हत्या हो जा रही है।

मानसून में जलभराव से मुक्ति सुनिश्चित करने को प्रयासरत : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री ने मानसून की तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मानसून के समय राष्ट्रीय राजधानी को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर स्वचालित पंप लगाने और कर्मचारियों को तैनात करने सहित हर संभव प्रयास कर रही है। मानसून की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री ने जलभराव वाले मिंटो ब्रिज अंडरपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। गुप्ता ने कहा कि भारी बारिश के दौरान जलनिकासी के लिए यहां स्वचालित पंप लगाए गए हैं और 2.5 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। कर्मचारी भी हर समय ड्यूटी पर रहेंगे। संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध तरीके से हर कदम उठाएगी कि इस साल जलभराव न हो। गुप्ता डब्ल्यूएचओ इमारत के पास रिंग रोड और पुल प्रह्लादपुर अंडरपास सहित अन्य प्रमुख जलभराव वाले स्थानों पर मानसून की तैयारियों का भी निरीक्षण करेंगी।

सार संक्षेप

सौर जल पंपिंग सिस्टम को मिला नया विस्तार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री-कुसुम योजना पीएम-कुसुम के अंतर्गत क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से 10.60 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के लिए ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इस ऑर्डर के तहत क्रॉम्पटन महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में टिकाऊ सौर पंपिंग समाधान प्रदान करेगा, जिससे किसानों को स्वच्छ, सस्ती और निरंतर जल आपूर्ति मिल सकेगी। बिजनेस हेड रजत चोपड़ा ने बताया कि यह साझेदारी कंपनी की नवाचार, गुणवत्ता और ऊर्जा दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। स्टेनलेस स्टील से बने पंप ग्रामीण क्षेत्रों में विश्वसनीय प्रदर्शन के लिए डिजाइन किए गए हैं। कंपनी पहले से ही हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र में सक्रिय है और अब मध्य प्रदेश में कार्य शुरू करने जा रही है। 85 वर्षों की विरासत के साथ, क्रॉम्पटन ऊर्जा दक्ष उत्पादों और उत्कृष्ट सेवा नेटवर्क के लिए जानी जाती है। इस पहल से कंपनी भारत के स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ कृषि लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में सशक्त योगदान दे रही है।

सेना के लिए बना पहला ऑन-साइट 3 डी प्रिंटेड स्ट्रक्चर

नई दिल्ली। लेह, लद्दाख रक्षा निर्माण तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत ने समुद्र तल से 11 हजार फीट की ऊंचाई पर देश का पहला ऑन-साइट 3 डी प्रिंटेड सुरक्षात्मक मिलिट्री स्ट्रक्चर सफलतापूर्वक तैयार किया है। यह निर्माण प्रोजेक्ट प्रबल के अंतर्गत भारतीय सेना, सिंप्लिफोर्ज क्रिएशंस और आईआईटी हैदराबाद के संयुक्त प्रयासों से संभव हो सका। यह संरचना दुनिया की सबसे अधिक ऊँचाई पर इन-सीटू 3 डी कंस्ट्रक्शन प्रिंटिंग का रिकॉर्ड बनाने वाली बन गई है। अत्यधिक ऊंचाई, कम ऑक्सीजन, कम नमी और बड़े तापमान अंतर जैसी कठिन परिस्थितियों में इस तकनीकी चमत्कार को पूरा किया गया। यह बंकर केवल 14 घंटे में प्रिंट किया गया, जिसमें स्थानीय सामग्रियों का उपयोग कर एक फॉर्म-ऑप्टिमाइज़्ड डिज़ाइन अपनाया गया।

मांडविया ने खान सुरक्षा प्रक्रिया की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को खनन क्षेत्र में व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सुशासन और राज्य सरकारों के साथ समन्वय के महत्व पर बल दिया तथा श्रमिकों के हितों के लिए निर्देश दिए। मांडविया ने झारखंड के धनबाद में खान सुरक्षा महानिदेशालय के कामकाज की समीक्षा करते हुए अधिकारियों के तकनीकी उन्नयन को बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय खनन प्रौद्योगिकियों से अवगत कराने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग और खदानों में कार्यरत लोगों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि खनन श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए संबंधित कंपनियों, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों में समन्वय की अत्यधिक आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने खान सुरक्षा महानिदेशालय के मुख्यालय का दौरा किया।

खाटू श्याम दिल्ली धाम मंदिर में बनेगा भव्य भगवान वाल्मीकि धाम

भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु रहा है मंदिर

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। भगवान वाल्मिकी धाम को बनाने वाले वाल्मीकि समाज नहीं अपितु अन्य जाति के व्यक्ति खाटू श्याम दिल्ली धाम के ट्रस्टी हैं जिनकी सोच से होगी सर्व समाज की स्थापना और सनातन में आएगी जागृति, हिंदू होगा एक और जल्द ही भारत बनेगा विश्व गुरु, यह कहना है खाटू श्याम दिल्ली धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता जावेरी का जिन्होंने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि खाटू श्याम दिल्ली धाम मंदिर में भगवान वाल्मीकि धाम का

शिलान्यास होने जा रहा है, घनश्याम गुप्त ने आगे बताया कि खाटू श्याम दिल्ली धाम भारत की राजधानी दिल्ली में एक लाख गज भूमि में बनने वाला श्याम बाबा का धाम जहां बन रहे है 36 धाम 36 घाट जिसे लोग दुनिया का आठवां अजूबा भी कहते है इसमें प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से 40 लाख लोग जुड़े है, इसे अखण्ड मिनी भारत भी कहा जा सकता है। आज पूरे विश्व में कहीं भी किसी भी मंदिर में ऐसा यश आपको देखने को नहीं मिलेगा, यह मंदिर ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु बन रहा है। खाटू श्याम दिल्ली धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता जावेरी ने बताया कि यहाँ बनने वाले 36 धामो में से एक धाम भगवान वाल्मीकि धाम जिसका शिलान्यास 20 अप्रैल 2025 को बी. एल. संतोष राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भाजपा के द्वारा अपार जनसमूह के मध्य किया जायेगा, जो पूरे भारत का आकर्षण होगा। धर्म और सनातन भारतीय संस्कृति के संगम को दर्शाता विशाल भगवान वाल्मीकि धाम चारों दिशाओं से खुला है जो दो प्रतिमाओं से सुज्जाजित होगा, वाल्मीकि धाम का 60 प्रतिशत कार्य सम्पन्न हो चुका है।

■ नई दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर चढ़ते पारे के चलते बनी मृगमरीचिका के बीच चहलकदमी करते पर्यटक। शाम को आंधी व बरसात के बाद मौसम सुहावना हो गया। फोटो इम्तियाज खान

सभी योजनाओं के आवेदन पत्रों में थर्ड जेंडर का विकल्प : रविन्द्र

सहकारिता मंत्री से ट्रांसजेंडर्स के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह से नेशनल ट्रांसजेंडर डे वीक को लेकर ट्रांसजेंडर्स के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। समाज कल्याण मंत्री ने प्रतिनिधि मंडल को ट्रांसजेंडर्स को सम्मान से जीने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। रविन्द्र इन्द्राज ने बताया की ट्रांसजेंडर अधिकारों, उनके सामाजिक समावेश और उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के प्रयास सरकार करेगी। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों अधिकारों की सुरक्षा नियमों की अधिसूचना जारी होगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिव्यांग ट्रांसजेंडर को समाज कल्याण की सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए विभाग की सभी योजनाओं के आवेदन पत्रों में थर्ड जेंडर का विकल्प अनिवार्य किया जा रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने समाज कल्याण मंत्री से मुलाकात के दौरान केक काटकर ट्रांसजेंडर डे मनाया।

रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना-वर्ष 2025

रेल मंत्रालय सभी भारतीयों के लिए हिन्दी में रेल यात्रा वृतांत प्रतियोगिता कर रहा आयोजित

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सभी भारतीयों के लिए हिन्दी में रेल यात्रा वृतांत प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है, जिसमें निम्नानुसार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिये जाने का प्रावधान है :-प्रथम पुरस्कार (एक) : 10,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार (दो) : 8,000 रुपए, तृतीय पुरस्कार (तीन) : 6,000 रुपए, प्रेरणा पुरस्कार (चार) : 10,000 रुपए। रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में होना चाहिए और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 शब्दों एवं अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए । यह डबल स्पेस में टाइप किया हुआ, चारों तरफ कम-से-कम एक इंच का हाशिया छोड़ा हुआ हो और पृष्ठ संख्या अंकित हो । शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिए वृतांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नंबर ई-मेल वृतांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए।

इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता/अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं है उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और न ही वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि 'संबंधित रेल यात्रा वृतांत मेरी मौलिक रचना है इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।

प्रदूषण मुक्त राजधानी बनाने को प्रतिबद्ध : सिरसा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार बेहतर आधारभूत संरचना और प्रदूषण मुक्त राजधानी बनाने की दिशा में लगातार प्रतिबद्धता और तत्परता के साथ कार्य कर रही है। विकसित दिल्ली की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए सिरसा ने पश्चिमी दिल्ली स्थित राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान, उन्होंने रिहायशी इलाकों में नागरिक और पर्यावरणीय उल्लंघनों पर सख्त कार्रवाई के लिए स्पष्ट निर्देश दिए, जो स्थानीय निवासियों की जीवन शैली को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि रिहायशी इलाकों में अवैध और बिना लाइसेंस के चल रही कच्चे मांस की दुकानें, ढाबे, प्रदूषण फैलाने वाले तंदूर, अवैध डेनिम फैक्ट्रियां, डाईंग यूनिट और अन्य औद्योगिक इकाइयाँ प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि हज़ारों की संख्या में अवैध मांस की दुकानें और ढाबे रिहायशी क्षेत्रों में संचालित हो रहे हैं।

आयोजन *भारत रत्न गौरव सम्मान 2025 का हुआ आयोजन*

अनकही कहानियां, कक्षा से परे पत्रिका का हुआ लोकार्पण

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। राष्ट्रीय स्तर पर समाज में अनसुने लेकिन प्रभावशाली कार्य करने वाले नायकों को समर्पित एक भव्य सम्मान समारोह भारत रत्न गौरव सम्मान 2025 का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा मंच द्वारा 2025 कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में किया गया। इस विशेष अवसर पर मंच की प्रेरणादायक पत्रिका अनकही कहानियां-कक्षा से परे के प्रथम संस्करण का भी भव्य लोकार्पण किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्वों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है,लेकिन जिनके कार्य अभी तक व्यापक पहचान से वंचित रहे हैं।

■ समाज में अनसुने प्रभावशाली कार्य करने वाले नायकों को समर्पित रहा कार्यक्रम

भारत रत्न गौरव सम्मान उन गुमनाम नायकों को एक मंच प्रदान करता है, जो अपने नि:स्वार्थ और समर्पित प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। समारोह की शोभा बढ़ाई मुख्य अतिथि आईएएस ज्योति कालास ने, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को एक नई ऊंचाई प्रदान की।

कालास ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में इन नायकों के योगदान को सराहा और समाज में उनके प्रभाव की प्रशंसा की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. गीतांजलि मुखर्जी, संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय शिक्षा मंच द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों, सम्मानित व्यक्तियों एवं

उपस्थितजनों का हृदय से स्वागत किया। इस अवसर पर मंच की विशेष पहल, प्रेरणात्मक पत्रिका अनकही कहानियां- कक्षा से परे का पहला संस्करण लॉन्च किया गया। यह पत्रिका उन शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और परिवर्तनकारी व्यक्तियों की सच्ची कहानियां प्रस्तुत करती है, जो शिक्षा की दुनिया से परे जाकर समाज में अमिट छाप छोड़ रहे हैं। इन कहानियों के माध्यम से मंच का उद्देश्य है उन प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाना जो सामान्यत: ध्यान से अछूते रह जाते हैं। इस समारोह से एक दिन पूर्व, इसी स्थान पर मंच के राज्य एवं जिला समन्वयकों की विशेष बोर्ड बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में मंच की आगामी कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के मुख्य बिंदु थे व्यापक स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाना, जमीनी स्तर पर शिक्षा को सशक्त बनाना, एवं नवाचार के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों को लागू करना।

इस गरिमामयी आयोजन में कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें प्रमुख रूप से मंगलम कुमार, एनडीआरएफ ट्रेनर, अंजनी ओझा समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्यकर्ता, नवजत सिंह रावत, संस्थापक प्राचार्य, आईएएस पटना शामिल थे। इन महानुभावों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और भी बढ़ा दिया एवं विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहे लोगों के योगदान को रेखांकित किया।

श्याम लाल और आईजीआई की जीत से शुरुआत

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। श्याम लाल कॉलेज ने चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में हंसराज कॉलेज को 4-0 से हराया। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि, ध्यानचंद अवॉर्डी हॉकी ओलंपियन अशोक दीवान और प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, प्रिंसिपल एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने किया। श्याम लाल कॉलेज की तरफ अतुल चौधरी, प्रियांशु रावत, प्रत्यूष सिंह जग्गी और आकाश ने एक-एक गोल किया। इस मैच का प्लेयर ऑफ मैच का अवार्ड श्याम लाल कॉलेज के खिलाड़ी प्रत्यूष सिंह जग्गी को मिला।

ग्रेटर नौएडा औधौगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट न.-01, सेक्टर-के.पी.-04, ग्रेटर नौएडा सिटी, जिला-गौतमबुद्ध नगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Army Welfare Housing Organation, Gurjinder Vihar, के माध्यम से आवंटित भवन संख्या-1-N-604, 6th Floor, Sector-Chi-I, Builder's Area, P-5, Greater Noida क्षेत्रफल-195.17 वर्ग मीटर, Maj. Kartar Singh S/o Shri S. Saran Singh के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। आवंटी Maj. Kartar Singh की मृत्यु दिनांक-30.12.2022 को हो जाने के उपरान्त उनके स्थान पर उनके पुत्रों Mr. Ravinder Singh Chawla & Mr. Jaspal Singh Both S/o Late Kartar Singh ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथी से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी Maj. Kartar Singh के स्थान पर उनके पुत्रों Mr. Ravinder Singh Chawla & Mr. Jaspal Singh Both S/o Late Kartar Singh के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

जिन आवेदकों/आर्किटेक्ट द्वारा प्रस्तावित निर्माण के मानचित्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं, और स्वीकृति में या आपत्ति निस्तारण में कोई परेशानी आ रही हो, तो वे प्रत्येक गुरुवार (अवकाश छोड़कर) आयोजित मानचित्र समाधान दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकते हैं : **अतुल वत्स, जीडीए उपाध्यक्ष**

जीडीए सचिव ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

गाजियाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्राधिकरण के अभियंत्रण अनुभाग, प्रवर्तन अनुभाग एवं मास्टर प्लान व नियोजन अनुभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। जिसमें अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता शामिल हुए।

इस बैठक में निर्देशित किया गया कि सभी अभियंत्रण जोनों द्वारा अपनी योजनाओं के अतिरिक्त अन्य इंजीनियरिंग कार्यों जैसे कि सड़क निर्माण, चौराहों व पार्कों का सौंदर्यीकरण आदि की एक वर्ष की कार्ययोजना तैयार कर दिनांक 22 अप्रैल 2025 तक मुख्य अभियंता को सौंपना अनिवार्य होगा। मुख्य अभियंता द्वारा इन योजनाओं को संकलित कर उपाध्यक्ष को ब्रीफ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि प्राधिकरण क्षेत्रांतर्गत विभिन्न जोनों में निजी विकासकर्ताओं द्वारा निर्मित एलआईजी व ईडब्लूएस भवनों की स्थिति से नियोजन अनुभाग अवगत कराएगा, जिनकी स्थल मॉनिटरिंग प्रवर्तन अनुभाग द्वारा की जाएगी। इस दायरे में हाईटेक व इंटीग्रेटेड टाउनशिप भी सम्मिलित रहेंगी। जिन विकासकर्ताओं की प्रगति धीमी पाई जाएगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता एलआईजी व ईडब्लूएस श्रेणी के

- बैठक में अभियंत्रण, प्रवर्तन, मास्टर प्लान व नियोजन अनुभागों के अधिकारी हुए शामिल
- विकासकर्ताओं की प्रगति धीमी होने पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी

लोगों को शीघ्रता से आवास उपलब्ध कराना – को प्रभावी रूप से लागू करने पर बल दिया गया। साथ ही, जिन विकासकर्ताओं की प्राधिकरण के प्रति वित्तीय देयता अभी भी लंबित है, उनकी सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश भी दिए गए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की क्रियाशीलता की जांच हेतु प्रवर्तन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, जिससे जल संरक्षण व पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा दिया जा सके।

जीडीए में मानचित्र समाधान दिवस आयोजित

- जीडीए उपाध्यक्ष ने लिया मानचित्र स्वीकृति मे आ रही परेशानियों का जायजा

गाजियाबाद। जीडीए में आयोजित मानचित्र समाधान दिवस में उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने विभिन्न अनुभागों से लगाई गई आपत्तियों के आधार पर निरस्त किए गए मानचित्रों की समीक्षा की। उपाध्यक्ष के पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुरूप, प्राधिकरण में मानचित्रों की डिटेल गूगल शीट पर तैयार की जाती है। इस गूगल शीट में अंकित नक्शों पर कब, किस अनुभाग द्वारा, क्या आपत्ति की गई है, इसकी केस टू केस समीक्षा की गई। इस संबंध में कुछ मामलों में आवेदकों एवं वास्तुविदों से दूरभाष पर स्वयं उपाध्यक्ष महोदय ने वार्ता की और मानचित्र स्वीकृति में आ रही कठिनाइयों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जो निराकरण प्राधिकरण स्तर पर हो सकते थे, उनके लिए मुख्य नगर नियोजक को निर्देशित किया गया। इन नक्शों में मुख्य रूप से होटल, पेट्रोल पंप, गेस्ट हाउस, ग्रुप हाउसिंग आदि के मानचित्र सम्मिलित थे। वास्तुविदों को आपत्तियों का त्वरित निस्तारण करने के लिए भी निर्देशित किया गया। जीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि जिन आवेदकों / आर्किटेक्ट द्वारा प्रस्तावित निर्माण के मानचित्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं, और स्वीकृति में या आपत्ति निस्तारण में कोई परेशानी आ रही हो, तो वे प्रत्येक गुरुवार (अवकाश छोड़कर) आयोजित मानचित्र समाधान दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

5 लाख टन कार्बन इमिशन होगा कम, सोलर एनर्जी से चलेंगे एसटीपी

एक नजर में नोएडा में एसटीपी प्लांट

सेक्टर	क्षमता	ट्रीटेड पानी
सेक्टर-50	59 एमएलडी	38 एमएलडी
सेक्टर-54	87 एमएलडी	60 एमएलडी
सेक्टर-123	115 एमएलडी	95 एमएलडी
सेक्टर-168	150 एमएलडी	90 एमएलडी

नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा एसटीपी प्लांट के जरिए पांच साल में 5 लाख टन कार्बन इमिशन को कम करेगा। इसके लिए यहां संचालित चार एसटीपी (सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) को सोलर ऊर्जा से चलाया जाएगा। इसके लिए 6 मेगावाट का सोलर एनर्जी प्लांट लगाया जाएगा। ये प्लांट सभी छह एसटीपी को संचालित करने में लगने वाली बिजली खपत को आधा कर देगा। वर्तमान में एक एसटीपी प्लांट को चलाने में 2 मेगावाट बिजली लगती है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक जल-सीवर आरपी सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि बिजली की एक यूनिट कम करने से 30 ग्राम कार्बन रेडिएशन की बचत होती है। वर्तमान में एक एसटीपी में रोजाना 2000 यूनिट खपत कर रहा है। सोलर पैनल लग जाने से रोजाना करीब 1000 यूनिट की खपत कम हो जाएगा। ऐसे में रोजाना कई किलों कार्बन रेडिएशन को कम किया जा सकेगा। इसकी वजह नोएडा में बढ़ते प्रदूषण स्तर को कम करना है।

- रोजाना 1000 यूनिट खपत होगी कम

नोएडा को बना रहे सोलर सिटी

2024-25 के बजट में नोएडा को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का रोड मैप तैयार किया गया है। इस रोडमैप के अनुसार ही यहां चलने वाले सभी एसटीपी को सोलर एनर्जी से संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा स्ट्रीट लाइटों को भी सोलर एनर्जी से चलाया जाएगा। सभी एसटीपी प्लांट के लिए सोलर एनर्जी प्लांट लगाने का काम जल्द शुरू हो जाएगा। इसमें कितना खर्च आएगा डीपीआर तैयार की जा रही है।

सार संक्षेप

गांव में खड़ी कार बनी आग का गोला

नोएडा। होशियारपुर गांव में कूड़े के ढेर के पास खड़ी कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आधी कार को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया। अग्निशमन विभाग को जबतक सूचना मिली आग बुझ चुकी थी। सेक्टर-49 थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह दस बजे के करीब होशियारपुर गांव में कूड़े के ढेर में आग लग गई। आग का दायरा बढ़ा तो ढेर के पास खड़ी पुरानी कार भी उसकी चपेट में आ गई। लोगों ने जब कार के अगले हिस्से में आग लगी देखी हो शोर मचाया। पास के लोग मौके पर पहुंचे और महज पांच मिनट में आग पर काबू पा लिया। हालांकि कार के आगे का हिस्सा इस दौरान जल गया। कुछ लोगों ने कार में लगी आग का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर उसे वायरल कर दिया। वीडियो का संज्ञान लेकर जबतक पुलिस मौके पर पहुंची आग बुझ चुकी थी। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

ढाई महीने पहले सामान लादकर निकला ट्रक गंतव्य तक नहीं पहुंचा

नोएडा। होशियारपुर गांव से ढाई महीने पहले सामान भरकर निकला ट्रक अभी तक बिहार नहीं पहुंचा है। जिस पैकर्स और मूवर्स से पीड़ित ने बुकिंग कराई थी उसने मोबाइल बंद कर लिया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। सेक्टर-49 थाने में गुरुवार को दी शिकायत में सेक्टर-51 के गली नंबर एक में रहने वाले अभिषेक भारद्वाज ने बताया कि वह नोएडा में परिवार के साथ रहते थे। अचानक से उन्हें बिहार शिफ्ट करना पड़ा। ऐसे में अभिषेक ने गूगल से मूवर्स एंड पैकर्स का नंबर निकाला और उसपर कॉल की। सामान ले जाने के संबंध में शिकायतकर्ता की प्रवीन गुर्जर नाम के व्यक्ति से बातचीत हुई। सौदा तय होने के बाद प्रवीन ने सामान ले जाने के लिए ट्रक भेजा। 30 जनवरी को ट्रक पर डबल बेड, इनवर्टर, बैट्री, आठ कार्टून बॉक्स, दो ड्राली बैग, ड्रेसिंग टेबल, क्रिकेट किट, मंदिर, बाइक, मेज और गैस समेत अन्य सामान लादा गया। दो दिन के भीतर सामान बिहार पहुंचना था। सामान अबतक नहीं पहुंचा है।

फाच्यूनर कार सवारों ने ट्रक ड्राइवर को मारी गोली

नोएडा। रोड रेज के एक मामले में फॉरच्यूनर सवार दो लोगों ने एक ट्रक ड्राइवर को गोली मार दी। गोली ट्रक ड्राइवर के सिर में लगी। उसे गंभीर अवस्था में सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों की शिकायत पर थाना सेक्टर-63 में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में गुरुवार दोपहर फॉरच्यूनर कार सवार कही जा रहे थे। इस दौरान उनके आगे एक ट्रक आ गया। हार्न बजाने के बाद भी ट्रक चालक साइड नहीं दे रहा था। दोनों के बीच जमकर बहस होने लगी। इसके बाद विकास ने अपनी पिस्टल निकाली और ट्रक ड्राइवर को गाली मार दी।

रेलवे स्टेशन पर बनाई गई औरंगजेब की पेंटिंग पर कालिख पोती, हंगामा

गाजियाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। महानगर के पुराने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर 4 पर दीवार पर बनाई गई मुगल बादशाह औरंगजेब की पेंटिंग को लेकर शुक्रवार को हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और पेंटिंग पर कालिख पोत दी। संगठन के कार्यकर्ताओं स्टेशन पर औरंगजेब के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। उधर आरपीएफ के सहायक आयुक्त से गैबरियल ने कहा है कि यह पेंटिंग औरंगजेब की नहीं थी बल्कि मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की थी।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी गई है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस संबंध में संगठन हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने कहा कि औरंगज़ेब एक क्रूर बादशाह था। उसने भारत में अनेक मंदिरों को तुड़वाया था। इसलिए भारत में औरंगजेब की कब्र या कोई चित्र का क्या काम। उनका संगठन इन्हें नहीं रहने देगा। दरअसल, गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेट फार्म नम्बर 4 पर

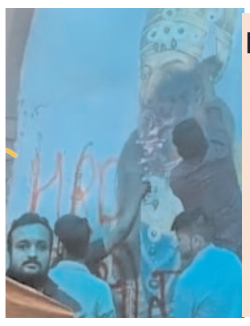

- आरपीएफ ने पेंटिंग को बहादुरशाह जफर की बताया, अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

औरंगजेब की पेंटिंग बनाई गई थी। इसे हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता भड़क गए और इसे हटाने की मांग करने लगे। आज हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर पेंटिंग पर कालिख पोत दी। इस घटना का और हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते दिख रहे हैं कि रेलवे स्टेशन पर औरंगज़ेब की पेंटिंग का स्टेशन बनाए जाने का कोई औचित्य नहीं है।

मुरादनगर विधायक ने डॉ. बृजपाल त्यागी के 111 निःशुल्क ऑपरेशन कैम्प का किया समापन

गाजियाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। आरडीसी राजनगर स्थित हर्ष ईएनटी हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ बृजपाल त्यागी ने 111 गरीबों के कान के पर्दों के निःशुल्क ऑपरेशन किए। डॉ. बृजपाल त्यागी के 111 निःशुल्क ऑपरेशन कैम्प का समापन मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने किया। डॉ बृजपाल त्यागी ने हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ की ओर से मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी का स्वागत व अभिनंदन किया।

इस अवसर पर भाजपा पार्षद अमित त्यागी, भाजयुमो महानगर उपाध्यक्ष मोनू त्यागी, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष अंकुश अरोड़ा, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी, जिला प्रतिनिधि विनीत शर्मा, वैभव त्यागी एडवोकेट, हर्ष ईएनटी हॉस्पिटल के निदेशक गौरव त्यागी, ललित चौधरी, सचिन त्यागी व अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्राधिकरण एनसीएप से लेगा 300 करोड़

- रोड इंफ्रास्ट्रक्चर को किया जाएगा बेहतर
- प्रदूषण होगा कम, नहीं लगेगा जाम

नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम एनसीएपी के तहत करीब 300 करोड़ रुपए सेंट्रल गवर्नमेंट से लेने जा रहा है। इससे पहले भी प्राधिकरण दो बार 30-30 करोड़ रुपए ले चुका है। हालांकि एक आरटीआई के जवाब में सामने आया था कि प्राधिकरण महज 10 प्रतिशत ही क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत खर्च कर सका था। नए प्लान के तहत एनसीएपी का पैसा नोएडा में ट्रैफिक कंजेशन को दूर करने में किया जाएगा। नए ट्रैफिक प्लान बनाए जाएंगे जिसके अनुसार यहां काम होगा।

इसके तहत शहर में ट्रैफिक सिग्नलों को लेफ्ट टर्न फ्री किया जाएगा। जहां लेफ्ट टर्न पर फुटपाथ या कोई अवरोध है उसे हटाया जाएगा। इसके लिए एक सर्वे किया जाएगा। इसका मक्सद सिग्नल पर वाहन बे-वजह खड़े न हो। साथ ही इसके साथ जहां-जहां भी जाम की स्थिति है उससे निपटने के लिए सड़कों का इंफ्रास्टक्चर बेतहर किया जाएगा। इसके अलावा एनसीएपी के जरिए ड्रेनेज और शहर को क्लीन करने के मशीन खरीदी जाएंगी। इसके अलावा छह इंटीग्रेटेड प्लांट 40-40 टीडीपी क्षमता के लगाने जा रहे है। जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया हो चुकी है। ऐसे में निकलने वाले वेस्ट को वैज्ञानिक पद्धति से ट्रीट किया जा सकेगा। फिलहाल पहली प्राथमिकता शहर के ट्रैफिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करना होगा। जिससे यहां जाम न लगे और प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

पुलिस की चेन स्नेचर से मुठभेड़, गिरफ्तार

नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। थाना फेस-1 पुलिस सेक्टर-15ए के पीछे गंदे नाले को जाने वाली सड़क पर चेकिंग कर रही थी। सेक्टर-16 की तरफ से एक व्यक्ति बाइक पर आता दिखाई दिया। इसे रूकने का इशारा करने पर व्यक्ति अपनी बाइक को वापस पीछे मोड़कर सेक्टर-16 की तरफ जाने वाले गंदे नाले की पटरी पर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम द्वारा करीब 600 मीटर तक पीछा करने पर बाइक फिसलकर गिर गई। जिस पर उसके द्वारा भागने के प्रयास किया।

- पैर में लगी गोली, दिल्ली एनसीआर में करता था वारदात

वार्निंग देने पर चलाई गोली

पुलिस ने वार्निंग दी कि अपने आप को सरेंडर कर दो। इतना सुनते ही बदमाश ने पुलिस ने जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस टीम ने जवाबी फायर किया। बदमाश के पैर में गोली लगी। वो जमीन पर गिर गया। पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार किया। बदमाश की पहचान मनीष कुमार निवासी जिला बक्सर, बिहार वर्तमान पता नया बास सेक्टर-16 हुई।

दिल्ली व नोएडा में सक्रिय

इसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस, चोरी/लूट के 02 मोबाइल फोन, लूटे गए मोबाइल फोन को बेचने से 1500 रुपए और चोरी की बाइक बरामद की गई। इस बाइक के संबंध में थाना शकरपुर ईस्ट दिल्ली में मुकदमा है। बरामद रुपये छीने गए फोन को बेचने से प्राप्त है, इसके संबंध में थाना फेस-1 नोएडा में मुकदमा दर्ज है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इसके डेटा को अन्य राज्यों और जनपदों को भेजा गया है। वहां से इसका आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

नोएडा में निवेश के नाम पर 1.60 करोड़ ठगे

नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। एक कॉटन मिल में निवेश कर 45 फीसदी तक रिटर्न का झांसा देकर एमएनसी के मैनेजर से साइबर ठगों ने 1 करोड़ 60 लाख रुपए की ठगी की। इस मामले में पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत की है। केस दर्ज कर पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। साथ ही जिन अकाउंट में रुपए डाले गए हैं, उसे फ्रीज कराने के लिए रिपोर्ट भेजी गई है। ग्रेनो वेस्ट की एक सोसायटी में रहने वाले राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि दिसंबर 2024 में उनके पास एक महिला ने कॉल किया। जहां उसने फ्रुगो की कंपनी में निवेश के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यह एक काटन मिल है और इसमें रुपए लगाने पर उन्हें 25 फीसदी से 45 फीसदी तक का रिटर्न मिलेगा। महिला ने उन्हें भावुक करने के लिए पिता की मौत की भी कहानी सुनाई। इसके बाद वह उसकी बातों में आ गए। पीड़ित के अनुसार उन्होंने सबसे पहला निवेश 6 दिसंबर 2024 को 7600 रुपए का किया। इसमें उन्हें करीब 2-3 हजार रुपए का फायदा दिखा गया। जिसके बाद उन्होंने 15 हजार और बाद में बड़े अमाउंट कंपनी में लगा दिए। करीब 1 करोड़ 68 लाख रुपए लगाने के बाद जब उन्होंने विड्रा का प्रयास किया तो उन्हें अकाउंट के ब्लॉक होने की जानकारी दी गई और उसे अनब्लॉक करने के लिए रुपए मांगे गए। इसके बाद वह परेशान हो गए और कंपनी के बारे में जानकारी की।

- पहले दिखाया गया मुनाफा, 45 फीसद रिटर्न का दिया था भरोसा

निगम ने मोहन नगर से लेकर अप्सरा बॉर्डर तक लगाए 25 नए पोल

- मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक वार्डों में भी निगम की प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़

गाजियाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग द्वारा मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक वार्डों में भी प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है जिसके क्रम में प्रतिदिन वार्डों में लाइटों की मरम्मत का कार्य,नई लाइटों को लगाने का कार्य, व अन्य आवश्यकता को देखते हुए कार्य कराए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत जहां रूटीन में लाइटों का मरम्मत कार्य चल रहा है वहीं अन्य क्षेत्रों में भी आवश्यकता को देखते हुए नई लाइट लगाने का कार्य भी गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग द्वारा किया जा रहा है। महापौर तथा जिलाधिकारी महोदय के निर्देश के क्रम में प्राप्त शिकायतों का अविलंब निस्तारण कराया जा रहा है, इंदिरापुरम के क्षेत्र में भी आगामी दो माह के भीतर लाइट व्यवस्था को बहुत अधिक सुदृढ़ किया जाएगा जिसकी प्लानिंग चल रही है, जिसके क्रम में नए पोल, नई लाइट, तथा डिजाइनिंग और आकर्षक लिए भी लगाई जाएगी। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि मोहन नगर से लेकर अप्सरा बॉर्डर तक जहां पर आवश्यकता है वहां नए पोल लगाकर लाइट व्यवस्था का सुदृढ़ किया जा रहा है गैप को देखते हुए 25 पोल मांगे गए हैं जिनको लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है विशेष रूप से लाजपत नगर साहिबाबाद मुख्य मार्ग से लेकर औद्योगिक क्षेत्र के बाहर अप्सरा बॉर्डर तक लाइट व्यवस्था को बेहतर करने के लिए 8 मीटर लंबे पोल लगाए जा रहे हैं।

अजित सिंह की कोठी खाली करने के विरोध में प्रदर्शन मामले में आरोप तय

गाजियाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। वर्ष 2014 मे किसानों, रालोद कार्यकर्ताओं व भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ताओं द्वारा स्व चौधरी अजित सिंह की दिल्ली मे कोठी ख़ाली करने के विरोध में मुरादनगर गंग नहर पर किए गए विरोध प्रदर्शन के मामले में विशेष एमपी, एमएलए न्यायालय में शुक्रवार को 25 आरोपियों पर आरोप तय हो गए। जिसके बाद अब इन सभी आरोपियों पर मुकदमा चलेगा। आरोपियों में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत, बागपत के विधायक योगेश धामा, पूर्व मंत्री दलवीर सिंह, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, वीर पाल राठी, विधायक भगवती प्रसाद, चेयरमैन अमरजीत सिंह बिडडी, पूर्व प्रमुख अजय पाल प्रमुख हैं।

शुक्रवार को ये सभी अदालत में पेश हुए। बचाव पक्ष के अधिवक्ता चौधरी अजय वीर सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में पुलिस की ओर से कुल 36 लोगों को नामजद किया गया था। जिनमें से कई की मृत्यु हो चुकी है, जबकि कई अन्य अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं। आज कुल 25 आरोपी अदालत में पेश हुए।

अजय वीर ने पुलिस द्वारा लगाए गए आरोपों पर विस्तृत बहस की। उन्होंने कहा कि आरोपियों पर पुलिस द्वारा झूठे आरोप नेताओं व कार्यकर्ताओं पर लगाए गए हैं, कोई साक्ष्य पुलिस उपस्थित व्यक्तियों के खिलाफ प्रस्तुत नहीं कर सकी है। इसलिए न्यायालय द्वारा उन्हें आरोपों से मुक्त किया जाए। अधिवक्ता बिशमबर सिंह ने कहा कि मुकदमे में परिक्षण के बाद ही तय हो सकेगा कि उपस्थित व्यक्तियों के खिलाफ साक्ष्य है या नही ,इसलिए इस स्तर पर आरोप मुक्त नहीं किया जा सकता । विशेष न्यायाधीश एमपी, एमएलए निशांत मान ने सभी लोगों पर आरोप तय कर साक्ष्य के लिए अगली तारीख 30 अप्रैल नियत की है ।

- राकेश टिकैत, विधायक योगेश धामा, पूर्व मंत्री व पूर्व विधायकों समेत 25 पर चलेगा मुकदमा
- एमपी, एमएलए कोर्ट में अगली सुनवाई 30 को

बिल्डिंग मटेरियल से सड़क हो रही गुलजार, लोगों को कार्रवाई का इंतजार

खोड़ा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। निकाय क्षेत्र के सामने मयूर विहार फेस तीन खोड़ा के संगम पार्क से सी एन जी पंप तक पूरी सड़क रोड़ी बदरपुर ईंटे से गुलजार हो रही है। एक वर्ष पहले यह सड़क नाले में तब्दील रहती थी। खोड़ा के सामने लगभग साठ फिट चौड़ी सड़क पर बड़ी संख्या में सुबह शाम वाहनों का आवागमन होता है। हजारों की संख्या में स्कूली छात्र छात्राएं व दिल्ली में सर्विस व्यापार और अन्य कारोबार से जुड़े लोग के लिए यही प्रमुख मार्ग है। खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन सूर्या मिश्र समाजसेवी ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र, लालजी मिश्र, श्रीकांत गुप्ता व अन्य संगठनों से जुड़े लोग सड़क के निर्माण हेतु पानी में खड़े होकर प्रदर्शन कर चुके है।

कई वर्षों तक खोड़ा के लोगों द्वारा जिद्दोजहद नगर पालिका परिषद द्वारा कई बार पत्राचार के उपरांत एमसीडी दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की नीद टूटी। दो वर्ष पहले बारिश के दौरान नाले का पानी सड़क पर उफनाने के उपरांत 28 वर्षीय तनुजा उसके तीन वर्षीय बच्चे की नाले में डूबने से मौत हो जाने के बाद उच्च न्यायालय की सख्ती के उपरांत नाले ढकने और सड़क बनाने का कार्य दिल्ली प्रशासन द्वारा किया गया।

लोगों को क्या मालूम कि जिस सड़क के बनने से खोड़ा वासियों को साफ-सफाई के साथ आवागमन में सहूलियत होगी। वह सड़क भी भ्रष्टाचार का साधन बन जाएगी। लोग सुविधा में अवसर की तलाश कर लेंगे। धीरे धीरे सड़क ही अतिक्रमण से ढक जाएगी। बचेगा तो सिर्फ अवैध कारोबार। दिल्ली प्रशासन के अधिकारियों की लापरवाही व बिल्डरों की मिलीभगत से मुख्य मार्ग कमाई का साधन बन गई। आवागमन की सुविधा के लिए बनी सड़क अवैध कारोबार का प्रतीक बन गई। प्रतिदिन होने वाले कारोबार से अधिकारियों और बिल्डरों के बीच आदान प्रदान जारी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क के साथ दिल्ली की सीमा खत्म हो जाती है। इसलिए दिल्ली प्रशासन से जुड़े अधिकारी यहां की समस्याओं पर ध्यान नहीं देते।

उवाच “

गांवों में सीवर, रोड, बिजली, पानी आदि कार्यों के लिए 1000 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने परियोजना विभाग को निर्देश भी दिया कि सभी गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के कार्य को प्राथमिकता पर रखें : **रवि कुमार, सीईओ एनजी**

छह फीसदी के सभी भूखंडों में रोड, बिजली, पानी व सीवर जल्द

- **विधायक धीरेंद्र सिंह के साथ बैठक में सीईओ ने दिया आश्वासन**
- **ग्रेटर नोएडा के सभी गांव मुख्य मार्गों से जुड़ेंगे, अधूरी सड़कें बनेंगी**

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। किसानों को दिए जाने वाले छह फीसदी भूखंडों में रोड, बिजली, पानी और सीवर के कार्य प्राथमिकता पर कराए जाएंगे। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह की अगुवाई में किसानों के साथ बैठक में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने यह आश्वासन दिया। सीईओ ने कहा कि ग्रेटर नोएडा के जो भी गांव अभी तक मुख्य मार्गों से नहीं जुड़ सके हैं, उनको प्राथमिकता पर जोड़ा जाएगा।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह शुक्रवार को किसानों के साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचे और प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस की मौजूदगी में प्राधिकरण के अन्य अधिकारियों के साथ बोर्ड रूम में बैठक की। किसानों ने विधायक के जरिए ग्रामीण आबादी की बैकलीज, प्लॉट शिफ्टिंग, छह फीसदी आवासीय भूखंड, गांवों के विकास कार्य आदि से जुड़ी मांगों को प्राधिकरण अधिकारियों के समक्ष रखा। सीईओ ने इन मांगों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने का आश्वासन दिया। बैठक में प्राधिकरण की तरफ से किसानों और गांवों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों से भी विधायक को अवगत कराया गया।

सीईओ एनजी रवि कुमार ने बताया कि गांवों में सीवर, रोड, बिजली, पानी आदि कार्यों के लिए 1000 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने परियोजना विभाग को निर्देश भी दिया कि सभी गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के कार्य को प्राथमिकता पर रखें। विधायक की तरफ से स्वर्णनगरी में मिल्क बूथ स्थापित कराने को कहा गया, जिस पर सीईओ ने नियोजन विभाग को तत्काल जगह चिंहित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में सीईओ ने प्राधिकरण आने वाले सभी आगंतुकों से अच्छा व्यवहार करने की बात दोहराई। किसी से भी अभद्रता करने की षिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। सीईओ ने ट्रैफिक जाम की समस्या को खत्म करने के लिए सड़कें दुरुस्त करने पर अधिक जोर दिया। इस बाबत परियोजना विभाग को निर्देश भी दिया। सीईओ ने ग्रेटर नोएडा के सभी गांवों, सेक्टरों व सोसाइटियों तक गंगाजल शीघ्रता से पहुंचाने को कहा, ताकि भूजल को दोहन का करना पड़े। उन्होंने चेताया कि भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। इसे रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो भविष्य में पानी की किल्लत से जूझना पड़ेगा। बैठक में ओएसडी गिरीश कुमार झा, ओएसडी जितेंद्र गौतम, ओएसडी रामनयन सिंह, महाप्रबंधक एके सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

इको फ्रेंडली होगा यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण का नया कार्यालय

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) जल्द अपना इको फ्रेंडली सेंट्रल ऑफिस परिसर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। यीडा का नया ऑफिस गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-18 में स्थित होगा तथा कुल 27,800 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में फैला होगा। यह नया परिसर 800 लोगों की क्षमता युक्त होगा तथा यमुना एक्सप्रेसवे से इसकी दूरी मात्र 110 मीटर होगी। इस परिसर को वर्क फ्रेंडली डिजायन के आधार पर बनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि परिसर में बैंक, क्रेच, लाइब्रेरी, जिम, ईवी चार्जिंग स्टेशन डेसिगनेटेड पार्किंग स्थल तथा सौर ऊर्जा चालित संयंत्र जैसी सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। इस विषय में यीडा द्वारा कॉन्सेप्ट प्लान तैयार किया गया है।

योजना के अनुसार, परिसर को (ग्रीहा) एक ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन सिस्टम 5 स्टार रेटिंग सर्टिफिकेशन युक्त किया जाएगा और उत्तम कनेक्टिविटी युक्त होगा। यहां हाई स्पीड एलिवेटर्स, 24 घंटे सीसीटीवी सर्विलांस व खूबसूरत लैंडस्केप प्लाजा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

- **जल्द ही यीडा को मिलेगा 'नया ऑफिस', 27,800 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में फैला होगा परिसर'**
- **भविष्य की जरूरतों पर आधारित होगा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का नया सेंट्रल ऑफिस, यमुना एक्सप्रेसवे से मात्र 110 मीटर होगी दूरी**
- **800 लोगों की क्षमता वाला नया परिसर बैंक, क्रेच, लाइब्रेरी, जिम, ईवी चार्जिंग वाली पार्किंग तथा सौर ऊर्जा चालित संयंत्र जैसी सुविधाओं से होगा युक्त**
- **वर्क फ्रेंडली कल्चर को मिलेगा बढ़ावा, हाई स्पीड एलिवेटर्स, 24 घंटे सीसीटीवी सर्विलांस के साथ ही ग्रीहा 5 स्टार रेटिंग सर्टिफिकेशन युक्त होगा परिसर'**

भव्य एंट्री लॉबी आगंतुकों के लिए बनेगी आकर्षक

यीडा की कॉन्सेप्ट प्लान के अनुसार, नए परिसर में भव्य एंट्री लॉबी का निर्माण होगा जो आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र होगा।

यह खूबसूरत लैंडस्केप प्लाजा में बनाया जाएगा तथा फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त होगा। परिसर में आकर्षक हरित क्षेत्र का निर्माण व विकास भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, परिसर में स्टाफ पार्किंग, वीआईपी पार्किंग समेत विभिन्न प्रकार की पार्किंग्स का निर्माण किया जाएगा जो कि आगंतुकों को वाहन पार्किंग की समस्या से निजात दिलाएंगे।

कम्यूनिटी एंगेजमेंट और सोशल इंटरैक्शन के लिए परिसर में ओपन स्पेसेस को आकर्षक बनाने के लिए विशिष्ट आर्किटेक्चर पर काम किया जाएगा। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए परिसर को सस्टेनेबिलिटी और कम ऊर्जा खपत परिसर के तौर पर विकसित किया जाएगा जहां स्मार्ट लाइटिंग व प्राकृतिक प्रकाश की उत्तम व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा।

45,528.18 स्क्वेयर मीटर के बिल्ड अप एरिया में ऑफिस का होगा निर्माण

यीडा द्वारा तैयार किए गए खाके के अनुसार परिसर का कुल प्रसार 27,800 स्क्वेयर मीटर में होगा, जबकि ऑफिस का कुल बिल्ड अप एरिया 45,528.18 स्क्वेयर मीटर होगा। परिसर में मुख्यत: कई प्रकार की अनावासीय सुविधाओं का निर्माण व विकास किया जाएगा, जिसके लिए कॉन्सेप्ट प्लान के जरिए एक शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है। इसके अनुसार, सर्विस रोड, प्रवेश व निकास द्वार, बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार की अवसंरचनाओं के निर्माण व विकास का अनुमानित प्रस्ताव बना लिया गया है। योजना के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-18 स्थित प्लॉट नंबर एफ-4 पर प्रस्तावित परिसर का निर्माण किये जाने की तैयारी है। नया परिसर यमुना एक्सप्रेसवे से समीप होगा और मात्र 110 मीटर की दूरी पर स्थित होगा।

रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में जेवर की टीम को मिला पहला स्थान

दनकौर, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। गिरधरपुर गांव स्कॉलर व्यू पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और बुलंदशहर समेत कई जगहों के करीब 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बाद में विजेता और उपविजेता टीमों

को आयोजकों द्वारा इनाम और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रबंधक प्रवीण भाटी ने बताया कि उनके स्कूल में हुई इस प्रतियोगिता में कई जिलों के 7 स्कूल और एक स्टेडियम की खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपना प्रदर्शन दिखाया। इस प्रतियोगिता में रेडिसन दा स्कूल जेवर की टीम पहले स्थान, शांति इंटरनेशनल स्कूल नोएडा की दूसरे और सम्राट स्केटिंग स्टेडियम बुलंदशहर टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सेक्टर बीटा-एक में पार्कों का रखरखाव न होने से हुआ बदहाल

- **ग्रेनो प्राधिकरण के एसीईओ से बदहाल पार्कों की शिकायत**

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर बीटा-एक में पार्कों का रखरखाव न होने से बदहाल पड़े हुए हैं। भीषण गर्मी में पानी न लगने से घास सूख गई है और पार्क में जगह-जगह पर गड्ढे हो गए है। सेक्टर के लोगों ने स्थानीय सांसद, विधायक से लेकर प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी से इसकी शिकायत की है। शिकायत के बाद भी पार्कों की बदहाली पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। एक्टिव सिटीजन टीम के हरेंद्र भाटी ने शिकायत में कहा है कि पार्क के रखरखाव के जिस ठेकेदार को ठेका दिया गया था, रखरखाव का निविदा दस पहले समाप्त हो गया है। सेक्टर बीटा एक के सभी पार्कों का हाल एक जैसा है। पार्कों में बहुत ज्यादा गंदगी हो रही है, गंदगी के कारण बदबू आ रही है। जिसके कारण सेक्टरवासियों को पार्क में घूमने, बैठने उठने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

पार्कों की बाउंड्री वॉल एवं जालिया टूटी हुई है।' सेक्टर के लोगों की तरफसे इसकी कई बार उद्यान विभाग के, तकनीकी सुपरवाइजर, जेई,मैनेजर,वरिष्ठ प्रबंधक सभी से को अवगत कराने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सेक्टरवासियों का का कहना है कि अगर हमें मोटर को चालू करके दे दे तो हम स्वयं पार्कों में पानी लगा सकते हैं। लेकिन इस बात को मानने के लिए भी अधिकारी तैयार नहीं है।

आत्मज्ञान से ही संभव होती है मुक्ति : स्वामी ब्रह्मानंद

- **महर्षि पाणिनि वेद-वेदांग विद्यापीठ गुरुकुल में हुआ संत समागम**

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर ईटा एक में संचालित महर्षि पाणिनि वेद-वेदांग विद्यापीठ गुरुकुल के निर्माणाधीन भवन सेक्टर-36 में संत समागम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भारत के मूर्धन्य विद्वानों के साथ अनेक संत महापुरुष पधारे। परम पूज्य संत स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने भारतीय शास्त्रों को ज्ञान का खजाना बताते हुए कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त संस्कारों से सुसज्जित हमारी परंपरा ही हमारी संस्कृति की रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि भारतीय मनीषियों की अनेकों वर्षों की तपस्या और ज्ञान के प्रति श्रद्धा ने हमें यह भक्ति और ज्ञान रूपी जो साधन दिए हैं, वह आत्मज्ञान करने में सहायक है।

इंडिया एक्सपो मार्ट में जलापूर्ति के लिए बिछाई गई नई पाइप लाइन

- **एक्सपो मार्ट परिसर व उसके आसपास के इलाके में व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा**

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में बेहतर जलापूर्ति के लिए परिसर में नई पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसका फायदा क्षेत्र के अन्य संस्थानों को भी होगा। नए कनेक्शन भी दिए जाने की तैयारी है। वहीं एक्सपो मार्ट के आसपास यातायात, जल निकासी, सौंदर्यीकरण सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम चल रहा है।

दरअसल ग्रेटर नोएडा में 20 वर्ष पहले बिछाई गई पेयजल पाइप लाइनों में लीकेज और पाइप के फटने की वजह से आपूर्ति बाधित हो रही है। यह समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। गर्मी के मौसम में जल संकट और अधिक बढ़ सकता है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने जरूरी स्थानों पर नई पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके तहत इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट परिसर में नई पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। यहां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। इससे जलापूर्ति बेहतर हो सकेगी। इसके साथ ही नॉलेज पार्क में स्थित शिक्षण संस्थानों में भी पेयजल की आपूर्ति की जा सकेगी। अधिकारी के मुताबिक जलापूर्ति के नेटवर्क को बढ़ाकर नए कनेक्शन भी दिए जाने हैं। उन इलाकों में भी पेयजल पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है, जो अब तक अछूते थे। अधिकारी के मुताबिक औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-1 एक्सटेंशन-1 में भी जलापूर्ति की तैयारी चल रही है। इसके लिए मुख्य जल वितरण नेटवर्क में एक नई मुख्य पाइपलाइन को जोड़ने का काम चल रहा है। जलापूर्ति शुरू होने से उद्यमियों को राहत मिलेगी। उम्मीद है कि अगले एक माह में यह काम पूरा हो जाएगा। औद्योगिक सेक्टरों में जलापूर्ति का मुद्दा उद्यमी संगठनों के पदाधिकारी बैठक में उठा चुके हैं।

वहीं ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 16बी और 16सी में जलापूर्ति के लिए पाइप लाइन बिछाने का कार्य कराने के लिए निविदा जारी की गई है। इस पर प्राधिकरण लगभग 88 लाख रुपये खर्च करेगा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सभी सेक्टरों को गंगाजल परियोजना से आच्छादित किए जाने का काम तेजी से चल रहा है। सेक्टर ओमेगा गोल्फ लिंक में पेयजल वितरण मुख्य लाइन के रखरखाव के लिए एजेंसी की तलाश की जा रही है, जिसे तीन साल के लिए जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

सुनील कुमार सिंह, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बताया कि गंगाजल व भूजल की बेहतर आपूर्ति के लिए मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके लिए नई पाइप लाइन बिछाने के साथ मरम्मत का काम भी किया जा रहा है। इंडिया एक्सपो सेंटर परिसर में नई पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इसका फायदा आसपास के इलाकों को भी मिलेगा। जिन सेक्टरों में पाइप लाइन फटने की ज्यादा समस्या है, वहां पर प्रयोग के तौर पर नई पाइप लाइन बिछाई जाएगी।

Lost and Found

I, Ravindra Lata Jain, R/o Jat Bazar, Police Station Amroha, Town Amroha, District Amroha, have lost my Property A 39, N.R.I CITY, GREATER NOIDA, 1. ALLOTMENT LETTER, 2. POSSION CERTIFICATE, 3. LEASE PLAN, . ts use elsewhere would be illegal. If found, return it to my address.

यूथ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी क्लब ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। जी.एल. बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के यूथ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी क्लब की तरफ से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। यह रक्तदान शिविर नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन और लव केयर फाउंडेशन के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के मैनेजर, बिजनेस डेवलपमेंट आशीष चौधरी, लव केयर फाउंडेशन से रीमा मल्होत्रा और संजू संजू

दादरू ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। संस्थान की निदेशक डॉ. सपना राकेश ने रक्तदान अभियान का नेतृत्व किया।

16महीने बाद चोरी की रिपोर्ट दर्ज

जेवर, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र के गांव चौरोली के एक व्यक्ति ने डुढेरा गांव स्थित प्लॉट से 16महीने पूर्व समर्शिबल व चेकबुक आदि दस्तावेज चोरी होने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित देवेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी सीमा देवी के नाम से डुढेरा गांव में टैराकोट प्लॉट (मिट्टी के बर्तन बनाने वाला प्लॉट) है। आरोप है कि अज्ञात चोरों ने 12नवम्बर 2023 की रात को प्लॉट से समर्शिबल पंप व कमरे का ताला तोड़कर चेकबुक तथा मोटरसाइकिल की आरसी चोरी कर लिए।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

कुंठाओं को छोड़ कराना होगा भविष्य के भारत का दर्शन : लक्ष्मी सिंह

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर में शुक्रवार को भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर की 134 वीं जयंती पखवाड़ा के तहत विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जहां एक तरफ बार सभागार में बाबा साहब के सिद्धांतों को लेकर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, वहीं दूसरी ओर अधिवक्ताओं व वादकारियों के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिले की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह बतौर मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिला जज एवं जिला जज प्रभारी सोमप्रभा मिश्रा ने की। कार्यक्रम में समस्त न्यायाधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बार एसोसिएशन के सचिव अजित नागर एडवोकेट ने किया। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं विचार गोष्ठी के संयोजक प्रमेंद्र भाटी एडवोकेट ने कहा कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के द्वारा संविधान में जहां मौलिक अधिकार दिए गए हैं वहीं मौलिक कर्तव्यों का भी समावेश किया गया है। व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जितना सजग होता है, यदि उससे अधिक अपने मौलिक कर्तव्यों के प्रति सजग हो तो भारत के प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्या का समाधान न्यायपालिका व कार्यपालिका और विधायिका से मिल सकता है।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बाबा साहब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि हमें यदि बाबा साहब के सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए अपनी आने वाली नश्लों को मजबूत बनाना है और आने वाले 2050 तक उन्हें सभी के समान रखना है तो उन्हें कुंठाओं का दर्शन कराना छोड़ दीजिए। क्योंकि भारत की इस पीढ़ी के पास एक्सपोजर के तरीके और भी बहुत से हैं। क्योंकि वो आपकी नहीं सुनेगा और गूगल

- **बार एसोसिएशन ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती पखवाड़े के तहत किया विचार गोष्ठी का आयोजन**

खोलकर ए आई से पूछ लेगा कि भारत में क्या-क्या सुविधाएं हैं। अपने बच्चों को बाबा साहब जैसी मजबूत इच्छा शक्ति दीजिए और मजबूत इच्छा शक्ति कभी भी कुंठाओं, संभावनाओं और चिंताओं के बीच से नहीं मिल सकती है।अपर जिला जज एवं जिला जज प्रभारी सोमप्रभा मिश्रा ने कहा कि अब आवश्यकता इस बात की है कि बाबा साहब के संविधान से मिले संसाधनों आ व्यवस्थाओं का सदुपयोग करें।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र भाटी, रामशरण नागर, राजेंद्र नागर, राजीव तौंगड, पूर्व सचिव अजित भाटी, वरिष्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाश रामनेर, राकेश गौतम, बलबीर सुमन, सूरजपाल राक्षस, जयप्रकाश बुद्धप्रिय, सोरन वर्मा, सुंदर भाटी, रेशराम चौधरी, प्रमोद शर्मा, नीरज भाटी, श्याम सिंह भाटी, कपिल शर्मा, विशाल नागर, अरुण नागर, रामकुमार चौधरी, आदेश बंसल व अन्य मौजूद थे।

जिम संचालक व साथियों से मारपीट का आरोप

जेवर, 18 अप्रैल (देशबन्धु) कस्बे के खुर्जा रोड स्थित एक जिम संचालक ने कस्बे के ही तीन युवकों व उनके अज्ञात साथियों पर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि कानीगढ़ी गांव का रहने वाले प्रवीन चौधरी खुर्जा रोड पर जिम चलाते हैं। पीड़ित प्रवीन चौधरी ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि बुधवार दोपहर को वह लोगों को एक्सर्साइज करवा रहा था तथा उसका साथी हिमांशु केविन में बैठा हुआ था। उसी दौरान कस्बे के वैना रोड के रहने वाले आशीष, विनोद व बबलू अपने अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचे तथा हिमांशु से मारपीट शुरू कर दी। प्रवीन चौधरी व बाजौता अलीगढ़ के प्रमोद ने बीच बचाव करने लगे तो आरोपितों ने उनके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। शोर सुनकर एक्सर्साइज कर रहे अन्य लोगों के आने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

- **तीन नामजद व उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज**

भाजपा युवा मोर्चा ने निकाली जनाक्रोश यात्रा

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर ईडी द्वारा चार्जशीट फाइल होने पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा शुक्रवार को जनाक्रोश यात्रा निकाली गई। पार्टी कार्यालय से तिलपता गोलचक्कर तक निकाली गई इस यात्रा का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा व युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राज नागर ने किया।

- **कांग्रेस पार्टी से घोटालों का मांगा जवाब, गिरफ्तारी की मांग**

अभिषेक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार एवं घोटाले चरम सीमा पर थे। घोटाले एवं भ्रष्टाचार की कड़ी में नेशनल हेराल्ड केस भी कांग्रेस द्वारा किया गया एक अनूठा उदाहरण है। समाचार पत्र के नाम पर देश की परिसंपत्तियों की खुली लूट के विरोध में भाजपा सदैव खड़ी रहेगी। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राज नागर ने कहा कि एसोसिएट जनरल एवं नेशनल हेराल्ड परिवार का घोटाला मनी लोडिंग से जुड़ा हुआ 661 करोड़ का घोटाला है, सोनिया गांधी व राहुल गांधी एवं उनके तथाकथित पालतू दरबारी मनी लांड्रिंग केस में सीधे-सीधे मुजरिम है, भारतीय जनता पार्टी के लोग इनकी गिरफ्तारी की पुरजोर मांग करते हैं। जनाक्रोश यात्रा में सुभाष भाटी, देवेंद्र त्यागी, दीपक भारद्वाज, धर्मेंद्र कौरी, मनोज गर्ग, सुनील भाटी, पवन नागर, सत्येंद्र नागर, देवा भाटी, कर्मवीर आर्य, अमित पंडित, ओमकार भाटी, अरुण शर्मा आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

अभिमत

यहां शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया जाता था। यहां से प्रशिक्षित शिक्षकों ने अपने स्कूल खोले, नवाचारों के लिए जाने गए। यहां से निकले शिक्षक बच्चों की शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। इस तरह बहुत से लोग उनके काम से प्रेरणा लेते हैं। यहां न केवल बच्चों को बल्कि उनके पालकों भी पढ़ाने का काम होता था। जिसमें ज्यादातर बच्चे खुद गांव के लोगों को पढ़ाते थे। इनमें से कई तो बिलकुल भी पढ़े-लिखे नए थे, जो बाद में कहानियां व किताबें पढ़ने में सक्षम हो गए।

शिक्षा में नवाचार का अनूठा प्रयोग है- 'नीलबाग'

नवाचार

■ बाबा मायाराम

आजादी के बाद देश में शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं, उनमें से एक है कर्नाटक का नीलबाग स्कूल। यह सत्तर- अस्सी के दशक में चलने वाला बहुत ही अनूठा प्रयोगशील ग्रामीण स्कूल था। इसकी शुरूआत एक ब्रिटिश शिक्षाविद् डेविड ऑसबरॉ ने की थी। आज भी इस स्कूल को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सम्मान से याद किया जाता है। इस कॉलम में इसकी कहानी बताना चाहूंगा, जिससे शिक्षा को समग्रता से समझा जा सके।

डेविड ऑसबरॉ (David Horsburgh), अंग्रेज थे। वे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान रॉयल एयर फोर्स में भरती हुए और भारत आए। उस समय वे भारत में ग्रामीण इलाके में रहे और उन्हें यहां के लोगों से नजदीकी से जुड़ने व उनके जीवन में झांकने का मौका मिला। युद्ध के बाद वे वापस अपने देश चले गए। लंदन में पढ़ाई पूरी की और फिर भारत आ गए। डेविड ने कृष्णमूर्ति फाउंडेशन के ऋषि वैली स्कूल में पढ़ाने का काम किया। बाद में नीलिगरी के ब्लू माउंटेन स्कूल गए, और फिर मैसूर में अंग्रेजी महाविद्यालय शुरू किया।

मद्रास में गरीब बच्चों के लिए किताबें बनाई। ब्रिटिश काउंसिल में काम किया। और आखिर कर्नाटक के कोलार जिले में नीलबाग स्कूल शुरू किया और अंत तक इसी स्कूल को चलाते रहे। वर्ष 1984 में उनका निधन हो गया। 3-4 साल तक उनके बेटे व परिवार ने इसे चलाने की कोशिश की पर वे असफल रहे।

लेकिन नीलबाग स्कूल कैसा था, क्यों इसे शिक्षा के क्षेत्र में याद किया जाता है। मुझे इस स्कूल के बारे में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अरविंद गुप्ता ने बताया। मैंने उनके द्वारा संपादित किताब 'नीलबाग के डेविड' पढ़ी। डेविड, एक प्रयोगशील शिक्षक थे। यह स्कूल उनकी कर्मस्थली भी थी। इस स्कूल के मकान बनाने से लेकर खेती और स्कूली पाठ्यक्रम का विचार उनका अपना था।

डेविड, एक शिक्षाविद्, प्रयोगशील शिक्षक, लेखक और संवेदनशील कवि थे। वे लकड़ी व मिट्टी के काम में भी पारंगत थे। संगीत मर्मज्ञ थे। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व ने ही इस स्कूल को गढ़ा और नया स्वरूप दिया।

इस स्कूल के भवन प्रसिद्ध वास्तुकार लॉरी बेकर ने बनाए थे। लॉरी बेकर, स्थानीय सामग्री से और कम कीमत में मकान बनाने के लिए जाने जाते हैं।

यह स्कूल कई मायनों में अनूठा था। यहां एक शिक्षक, एक कक्षा जैसा कुछ नहीं था। बल्कि कक्षा में सभी आयु के बच्चे एक साथ बैठ सकते थे। परीक्षा प्रणाली का कोई अस्तित्व नहीं था। यहां न तो कोई परीक्षा होती थी, और न ही किसी तरह कोई बंधन था। कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी, और न ही अन्य बच्चों से किसी बच्चे की तुलना की जाती थी। बच्चों को पूरी स्वतंत्रता थी, आने-जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं था। किसी भी तरह का दंड नहीं दिया जाता था।

इस स्कूल की न तो कोई फीस थी, और न ही स्कूल में प्रवेश की कोई औपचारिकताएं। इस स्कूल का पाठ्यक्रम भी धीरे-धीरे विकसित हुआ था। डेविड ऑसबरॉ की इसमें प्रमुख भूमिका थी। यहां का पाठ्यक्रम सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं था, बल्कि गतिविधियों पर आधारित था। इसमें हाथ से काम करके सीखने पर जोर दिया जाता था।

यहां लकड़ी का काम, मिट्टी का काम, बागवानी, कढ़ाई-बुनाई, चित्रकला, नाटक, संगीत और पर्यावरण इत्यादि कई गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाती थी। यहां इसके लिए मिट्टी का चाक, लकड़ी काटने के औजार, संगीत के लिए वाद्य यंत्र व सभी जरूरत की चीजें उपलब्ध थीं। बच्चे लकड़ी की कई चीजें खुद ही बना लेते थे।

डेविड मानते थे कि मौजूदा शिक्षा सूचना देने का जरिया होती है, जबकि हमें बच्चों को सीखने की पूरी प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए जिससे वे उसे समझ सकें, उसका आनंद ले सके और इससे उनमें निर्णय लेने की क्षमता का विकास हो सके। इसलिए वे बच्चों को गतिविधियों में शामिल करने का मौका देते थे।

इस स्कूल में संगीत के लिए ज्यादा समय रखा गया था। यहां के बच्चे 10 भाषाओं के करीब 100 गाने गा सकते थे। डेविड मानते थे कि गाना सीखने की प्रक्रिया में बच्चे सुनना भी सीखते हैं, और यह दूसरे विषयों को सीखने में काफी मददगार होता है। यहां की गीत में बच्चों में एक दूसरे से ज्यादा ऊंचा सुनाने की होड़ नहीं थी, बल्कि वे लय व ताल व संयत स्वर में गीत गाते थे।

यहां जो भी बाहरी अतिथि आता था, बच्चे उनसे गाना सीखते थे और उसे अपने पसंदीदा गानों में शामिल कर लेते थे। वे भारतीय भाषाओं के अलावा विदेशी भाषाओं के गाने भी सीखते थे। यहां बच्चे 5 भाषा सीखते थे।

सीखने-सिखाने में बड़े बच्चे छोटे बच्चों की मदद करते थे। अगर दोनों को कोई कठिनाई आती थी, तब वे शिक्षक के पास जाते थे और सब मिलकर सीखते थे। यहां की कक्षाएं समूहों में होती थीं, जिसमें शिक्षकों का बच्चों के साथ मित्रवत् व्यवहार होता था।

यहां बाहरी अनुशासन का डंडा नहीं होता था। स्कूल की मान्यता थी कि किसी भी गतिविधि का अपना अनुशासन होता है। यानी प्रत्येक वस्तु की अपनी प्रकृति होती है, उसका अपना अनुशासन होता है। उदाहरण के लिए गीली मिट्टी के साथ सही तरह का व्यवहार करना, जिससे वह तिड़के नहीं और टेढ़ी-मेढ़ी भी न हो और जो भी आकृति हम बनाना चाहते है, बना पाए। स्वयं सामग्री का अपना अनुशासन होता है।

स्कूल की मान्यता थी कि किसी भी गतिविधि का अपना अनुशासन होता है। यानी प्रत्येक वस्तु की अपनी प्रकृति होती है, उसका अपना अनुशासन होता है। उदाहरण के लिए गीली मिट्टी के साथ सही तरह का व्यवहार करना, जिससे वह तिड़के नहीं और टेढ़ी-मेढ़ी भी न हो और जो भी आकृति हम बनाना चाहते है, बना पाए। स्वयं सामग्री का अपना अनुशासन होता है।

यहां के बच्चे नाटक भी करते थे। ज्यादातर नाटक डेविड ने खुद लिखे थे। वे मंच की साज-सज्जा भी खुद ही करते थे, जिसमें स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल करते थे। प्रकाश की व्यवस्था के लिए डेविड की कार की बैटरी का इस्तेमाल किया जाता था। अगर कम ज्यादा प्रकाश करना है, तो उसकी भी व्यवस्था की जाती थी। यहां के बच्चों ने मद्रास (अब चेन्नई) में भी नाटकों की प्रस्तुति दी।

यहां डेविड की जीवनशैली, उनके घर, खेती सब कुछ गांव की ही तरह थी। एक बैलगाड़ी भी थी, जिसे वे अतिथियों का सामान लाने ले जाने के लिए इस्तेमाल करते थे। बिजली नहीं थी, लालटेन व लैम्प से प्रकाश किया जाता था। यहां का अधिकांश काम बच्चे, शिक्षक, डेविड व उनका परिवार मिलकर करता था।

यहां शिक्षकों को भी प्रशिक्षण दिया जाता था। यहां से प्रशिक्षित शिक्षकों ने अपने स्कूल खोले, नवाचारों के लिए जाने गए। यहां से निकले शिक्षक बच्चों की शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। इस तरह बहुत से लोग उनके काम से प्रेरणा लेते हैं।

यहां न केवल बच्चों को बल्कि उनके पालकों भी पढ़ाने का काम होता था। जिसमें ज्यादातर बच्चे खुद गांव के लोगों को पढ़ाते थे। इनमें से कई तो बिलकुल भी पढ़े-लिखे नए थे, जो बाद में कहानियां व किताबें पढ़ने में सक्षम हो गए। डेविड और उनका नीलबाग स्कूल नामक फिल्म भी हाल में बनी है, जो यूट्यूब पर उपलब्ध है।

कुल मिलाकर, यह ऐसा स्कूल था जिसका वातावरण खुला था, तनावमुक्त था, मैत्रीपूर्ण था, यहां कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी, बल्कि आपसी सहयोग था। सीखने-सिखाने का रचनात्मक माहौल था, एक दूसरे की मदद करने वाली मजेदार गतिविधियां थीं। यहां जो भी कार्य किया जाता, पूरी लगन से और अच्छे से किया जाता। शिक्षा सिर्फ एक दिमागी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक नए व्यक्तित्व का निर्माण करने में सहायक है, जो इस प्रयोग से साफ दिखता है। यह प्रयोग ऐसा है, जिसे भारत में शिक्षा के नवाचार में सदैव याद किया जाएगा, और इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए राह दिखाता रहेगा।

बीता सप्ताह

12 अप्रैल

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन डीआरडीओ ने सुरबेई-30 लड़ाकू विमान से लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का सफल परीक्षण किया।
- जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुए मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया।
- अस्पतालों में चल रहे अवैध कमाई से नाराज ओडीशा सरकार ने हेतथ स्कीम के तहत जारी बीजू कार्ड बैन कर दिए।
- पीएम मोदी का चलाया अभियान एक पेड़ मां के नाम स्लोवाकिया में भी चलाया जाएगा। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रेनी ने इसका संकेत दिया।

13 अप्रैल

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति को किसी भी विधेयकों पर तीन महीने के भीतर लेना होगा फैसला।
- शिरोमणि अकालीदल के सुखबीर सिंह बादल फिर बने अध्यक्ष।
- पाकिस्तान में 5-8 तीव्रता का भूकंप आया। जम्मू कश्मीर में भी महसूस किए गए झटके।
- वक्फ बोर्ड के विरोध में मुर्शिदाबाद में हुए हिंसा को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने बंगाल मुर्शिदाबाद में केन्द्रीय बल तैनात करने के आदेश दिए।

14 अप्रैल

- दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति सून सुक येओल के खिलाफ पहला आपराधिक मुकदमा शुरु हुआ।
- अमेरिका के एरिया-51 में दिखा रहस्यमयी टॉवर, एलियन तकनीक ने किया दावा।
- दक्षिण पूर्व एशिया व अफ्रीका में एंटीबायोटिक का असर न होने से 30 लाख बच्चें की मौत हो गई।
- भारत व अफ्रीकी देश समुद्री डकैती तथा अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभ्यास शुरू किए।

15 अप्रैल

- पी.एन.बी. के 13850 करोड़ घोटाले का आरोपी मेहुल चौकसी बेल्जियम में पकड़ा गया। भारत ने किया प्रत्यर्पण का अनुरोध।
- 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का पंजीकरण आज 15 अप्रैल से शुरू हो गया।
- कोलकाता हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कहा वह चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं से पूर्णत: संतुष्ट है।
- अमेरिका के न्यूयार्क सिटी में पहलीबार 14 अप्रैल को मनाया गया डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस।

16 अप्रैल

- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी पर आरोप पत्र दाखिल किया।
- हेमंत सोरेन सर्वसम्मति से झारखंड मुक्ति मोर्चा के पुन: अध्यक्ष बनाए गए।
- नासा ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश के चलते भारतीय मूल की डीआईई (विविधता समानता व समावेश) के कामों की प्रमुख नीला राजेन्द्र को बर्खास्त कर दिया।
- पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण करने वाली आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जार्जिया वोल को मार्च महिने के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ खिताब से नवाजा गया।

17 अप्रैल

- अब चलती ट्रेन में केश निकासी के लिए पंचवटी एक्सप्रेस में लगाया गया भारत का पहला एटीएम।
- छग के कोंडागांव में पुलिस नक्सल मुठभेड़ में 2 नक्सली मारे गए।
- अमेरिका की एक अदालत ने ट्रंप प्रशासन को भारतीय छात्र को निर्वासित करने से रोका।
- कोविड-19 महामारी के बाद से कनाडा से अमेरिका आने वालों की संख्या घटी है।

18 अप्रैल

- छग सरकार अब प्रतियोगी परीक्षा-साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की फीस लौटाएगी।
- सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए 5 मई तक यथास्थिति बनाए रखते हुए नई नियुक्तियों पर भी रोक लगा दी।
- बांग्लादेश-पाकिस्तान के बीच 15 वर्षों में पहली बार विदेश सचिव स्तर की वार्ता हुई।
- अमेरिका में भारतीय मूल का डॉक्टर नील आनंद नियंत्रित दवा वितरण की साजिश में दोषी करार दिया गया।

राज्यपालों की राजनीति :राजनीति के राज्यपाल

■ रमाकांत नाथ

भारत में संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का ताजा उदाहरण हाल का सुप्रीम कोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला है जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति संसद या राज्य विधानसभा में पारित किसी भी विधेयक को तीन महीने से अधिक समय तक रोककर नहीं रख सकते। इसके साथ ही अदालत ने पारित विधेयक को कानून का दर्जा देने की समय सीमा तय कर दी है। कुछ लोग इसे विधायिका पर न्यायपालिका का हस्तक्षेप कह सकते हैं, लेकिन राष्ट्रपति और राज्यपाल भारतीय संवैधानिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं, न ही वे लोकतंत्र से ऊपर हैं। इसलिए, राष्ट्रपति और राज्यपाल विधेयक को रोकने के लिए अपने 'पॉकेट वीटो' का उपयोग नहीं कर सकते।

415 पन्नों के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रपति किसी भी राज्य से आने वाले विधेयक को प्राप्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर मंजूरी देंगे। यदि उक्त बिल के संबंध में कोई समस्या हो तो इसकी सूचना संबंधित राज्य को दी जा सकती है। इसी प्रकार, राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे तथा अपने विवेक से विधेयक को रोकने के लिए 'पॉकेट वीटो' का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो संबंधित राज्य सरकार कानून की शरण ले सकती है और संवैधानिक पीठ मामले की सुनवाई करेगी। यद्यपि भारतीय संविधान के अनुच्छेद - 200 में राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए विधेयक पारित करने की कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है, फिर भी राष्ट्रपति और राज्यपाल अपनी इच्छा से विधेयक को रोक नहीं सकते।

तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रोके गए विधेयक मुख्यत: राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित विधायी अधिनियमों में संशोधन पर थे। यदि ऐसा कोई विधायी अधिनियम नहीं बनाया गया तो स्वाभाविक है कि राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली में अराजकता फैल जाएगी। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में उच्च शिक्षा प्रणाली को भ्रष्ट करने में भूमिका निभाई है।

फैसले में कहा गया है कि अगर इस आदेश का उल्लंघन होता है तो सुप्रीम कोर्ट इसकी समीक्षा कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद - 201 के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विशेषाधिकार के आधार पर विधेयक पारित करने के लिए समय सीमा निर्धारित की है। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास आने वाले विधेयक उनकी मंजूरी के बाद कानून बन जाते हैं। राष्ट्रपति और राज्यपाल संसद या विधानसभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को लौटा सकते हैं या विधेयक पर अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन उन्हें विधेयक को वर्षों तक अपने पास नहीं रखना चाहिए। यदि राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा भेजा गया कोई विधेयक उनके पास वापस आता है, तो वे उस विधेयक को स्वीकृत करने के लिए बाध्य हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि राज्यपाल को दूसरी बार आने वाले विधेयक को एक महीने में मंजूरी देनी ही होगी।

गौरतलब है कि राज्यपाल आरएन रवि के पास 2020 से तमिलनाडु राज्य विधानसभा द्वारा पारित लगभग 12 विधेयक लंबित थे। 2023 में तमिलनाडु की 'द्रविड मुनेत्र कषम' (डीएमके) सरकार द्वारा राज्यपाल के असहयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया गया था। इस मामले की सुनवाई करके सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय लोकतंत्र में नई जान फूंक दी है। इसी प्रकार पश्चिम बंगाल और केरल सरकारों द्वारा 2024 में तथा तेलंगाना और पंजाब सरकारों द्वारा 2023 में सर्वोच्च न्यायालय में इसी प्रकार के मामले दायर किए गए थे। इन संवैधानिक संकटों की वजह यह है कि इन सभी राज्यों में केंद्र की 'भारतीय जनता पार्टी' की विरोधी सरकारें हैं। नतीजे में राज्यों में राज्यपाल राज्य मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करने की बजाय केंद्र सरकार के निर्देश पर काम कर रहे हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक घटना घटी है। तमिलनाडु राज्य सरकार ने राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना, राज्य विधानसभा द्वारा पारित 10 विधेयकों को सीधे कानून बना दिया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले और तमिलनाडु राज्य सरकार के काम का असर अब पंजाब, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी देखा जा सकता है।

तमिलनाडु में राज्यपाल ने पिछली अन्नाद्रमुक सरकार के दो और द्रमुक सरकार के 10 विधेयक, जो 2020 से 2023 के बीच पारित हुए थे, अपने पास रख लिए तथा दो विधेयक राष्ट्रपति के पास भेज दिए। राज्यपाल के व्यवहार के विरोध में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 2023 में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया और पिछले विधेयकों को फिर से पेश किया। राज्य में डीएमके सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्यपाल ने कई विधेयक लौटा दिए थे, जबकि 'राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा' (नीट) विरोध का विधेयक विधानसभा में दूसरी बार राज्यपाल के पास गया और राज्यपाल ने इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, राज्यपाल को दूसरी बार उनके पास भेजे गए विधेयक को मंजूरी देने की बाध्यता होती है, लेकिन जिस आधार पर तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा, उस पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रोके गए विधेयक मुख्यत: राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित विधायी अधिनियमों में संशोधन पर थे। यदि ऐसा कोई विधायी अधिनियम नहीं बनाया गया तो स्वाभाविक है कि राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली में अराजकता फैल जाएगी। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में उच्च शिक्षा प्रणाली को भ्रष्ट करने में भूमिका निभाई है, लेकिन चूंकि स्टालिन सरकार इस तरह के अन्याय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र की रक्षा की।

इसी प्रकार, केरल राज्य सरकार ने भी अपने राज्यपाल के राज्य-विरोधी कार्यों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय की शरण ली है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आरोप लगाया है कि राज्यपाल ने 2023 से छह विधेयकों को लंबित रखा है। केरल सरकार पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उनके बाद आए राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के कामकाज से असंतुष्ट रही है। राज्यपाल अर्लेकर के पास लंबित छह विधेयकों में से पांच राज्य के विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक हैं, जबकि एक 'समबाय समिति' (सहकारी समिति) संशोधन विधेयक है।

पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र के बीच विवाद लंबे समय से चल रहा है। पूर्व राज्यपाल और अब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में ममता बनर्जी सरकार को कई विवादों का सामना करना पड़ा। राज्य सरकार के मौजूदा राज्यपाल सीवी आनंद बोस के साथ भी रिश्ते मधुर नहीं हैं जिन्होंने 23 महीने से 8 विधेयकों को रोका है। इन विधेयकों में से सात राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित संशोधन हैं, जबकि एक शहरी विकास या नगर नियोजन से संबंधित है। यदि राज्यपाल वर्षों तक विधेयक को अपने पास रखेंगे तो राज्य सरकार कैसे काम करेगी ? पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्यपाल के असहयोग के खिलाफ जुलाई 2024 में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

पंजाब के राज्यपाल के कामकाज को लेकर काफी विवाद रहा है। अक्टूबर 2023 से पंजाब की भगवंत मान सरकार तत्कालीन राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के कार्यों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में है। राज्यपाल पुरोहित ने पंजाब विधानसभा में पारित चार विधेयकों को अपने पास रख लिया था। इनमें से तीन विधेयक दिसंबर 2023 तक राष्ट्रपति के पास भेजे जा चुके थे। एक साल से अधिक हो जाने के बावजूद राष्ट्रपति ने इन विधेयकों को मंजूरी नहीं दी। ये विधेयक- 'पंजाब गुरुद्वारा संशोधन विधेयक,' 'पुलिस प्रणाली संशोधन विधेयक' और 'विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक' हैं।

कर्नाटक में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित दो विधेयकों को लंबे समय से अपने पास रखा, जबकि पांच अन्य विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया। राज्य विधानसभा द्वारा हाल ही में पारित 20 विधेयक राज्यपाल के पास लंबित हैं। राज्यपाल ने इनमें से 7 विधेयक लौटा दिए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं। केंद्र की भाजपा सरकार इस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि राज्यपाल ने महत्वपूर्ण विधेयकों को या तो रोक दिया है या असंवैधानिक रूप से उन्हें राष्ट्रपति के पास भेज दिया है।

तेलंगाना में भी इसी तरह की अस्थिरता पैदा की जा रही है। चूंकि यहां भी कांग्रेस सत्ता में है, इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार इस सरकार के प्रति भी असहयोगात्मक व्यवहार कर रही है। 2022 से तत्कालीन राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने तेलंगाना राज्य विधानसभा द्वारा पारित 10 विधेयक अपने पास रखे। तेलंगाना में पहले 'तेलंगाना राष्ट्र समिति' का शासन था और दिसंबर 2023 से वहां कांग्रेस की सरकार सत्ता में है, जिसके मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं। इस तरह की कार्रवाइयों के लिए राज्यपाल के खिलाफ पूर्ववर्ती के. चंद्रशेखर राव सरकार द्वारा अप्रैल 2023 में सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया गया था।

जब केंद्र सरकार राज्यपाल के माध्यम से किसी महत्वपूर्ण मामले में राज्य सरकार को पूरी तरह से अक्षम करने का प्रयास करती है, तो राज्य में शासन व्यवस्था चरमरा जाती है और इससे राज्य सरकार को बर्खास्त कर उस राज्य में केंद्रीय शासन लागू करने का मार्ग प्रशस्त होता है। अतीत में कई राज्यों में ऐसी गतिरोध की स्थितियां पैदा हो चुकी हैं और केंद्र सरकार ने लोकतांत्रिक सरकार को तोड़कर वहां केंद्रीय शासन स्थापित कर दिया है। इस तरह की कार्रवाइयां तानाशाही का प्रतीक हैं और हाल के वर्षों में यही व्यवस्था ज्यादातर देखने को मिली है।

(लेखक ओडिशा के वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

आज भी प्रासंगिक हैं अंबेडकर के विचार

देश में हाल ही में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मनायी गयी। डॉ. अंबेडकर भारत के समाज और राजकीय व्यवस्था के लिए आज भी अत्यंत प्रासंगिक बने हुए हैं। समाज के सभी वर्ग और विशेष रूप से सभी राजनीतिक दल उनकी विरासत का दावा करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। इस दावे की यह लड़ाई तेजी से कटु हो रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि अंबेडकर सभी लोगों के लिए सब कुछ हो सकते हैं। इसका सीधा सा मतलब है कि लोग अपने स्वयं के हितों के अनुरूप उनके लेखन, भाषणों और कथनों का इस्तेमाल करते हैं। अंबेडकर को समझने, उनकी व्याख्या करने या उन पर रिपोर्ट देने का सबसे अच्छा तरीका है कि उनके मूल लेख को उद्धृत किया जाए। अंबेडकर को पढ़ना और बार-बार पढ़ना निश्चित रूप से लाभकारी है जो नई अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह भी उल्लेखनीय है कि वे अपने लेखन और भाषणों में कितने दूरदर्शी थे।

उदाहरण के लिए, संविधान को अपनाने से ठीक दो महीने पहले, 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा के समापन सत्र में उनके सबसे प्रसिद्ध भाषणों में से एक का जिक्र करें। उस भाषण के अंतिम भाग में वे कहते हैं- 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस स्वतंत्रता ने हम पर बड़ी जिम्मेदारियां डाल दी हैं। आजादी के बाद कुछ भी गलत होने के लिए अंग्रेजों को दोषी ठहराने का बहाना हमने खो दिया है। अगर इसके बाद चीजें गलत हो जाती हैं तो हम अपने को छोड़कर किसी और को दोषी नहीं ठहरा सकेंगे।'

डॉ.अजीत रानाडे

क्या हम संवैधानिक नैतिकता के इस तरह के बिखरने को स्वीकार कर सकते हैं? संवैधानिक नैतिकता एक प्राकृतिक भावना नहीं है। इसकी भावना का बीजारोपण करना होगा। हमें यह महसूस करना चाहिए कि हमारे लोगों को अभी इसे सीखना बाकी है। भारत में लोकतंत्र भारतीय धरती पर केवल एक टॉप-ड्रेसिंग है जो अनिवार्य रूप से अलोकतांत्रिक है।'

इसके बाद उन्होंने भारत के नवजात लोकतंत्र के लिए तीन जबरदस्त खतरों का उल्लेख किया। पहला है, राजनीति में नायक-पूजा या व्यक्तित्व पंथ बनाने की प्रवृत्ति। उन्होंने कहा, 'भारत में भक्ति या जिसे नायक-पूजा का मार्ग कहा जा सकता है, राजनीति में एक भूमिका निभाती है जिसकी तुलना दुनिया के किसी भी अन्य देश की राजनीति में नहीं होती है। धर्म में भक्ति, आत्मा के उद्धार का मार्ग हो सकती है लेकिन राजनीति में, भक्ति या नायक-पूजा पतन और अंतत: तानाशाही के लिए एक निश्चित मार्ग है'। ये शब्द आज पहले से कहीं अधिक सच हैं। यह भी विडंबना है कि जिस व्यक्ति ने पंथ पूजा के खिलाफ चेतावनी दी थी, वह स्वयं पंथ पूजा की वस्तु बन गया है। वर्तमान परिदृश्य में डॉ. अंबेडकर की कोई भी आलोचना असहनीय होती जा रही है। अंबेडकर का गणतंत्र आहत भावनाओं के गणतंत्र में परिवर्तित हो रहा है जो जरा सी कथित धमकी होने पर आपराधिक मुकदमा चलाने को आमंत्रित करता है।

अंबेडकर ने जिस दूसरे खतरे की ओर इशारा किया, वह यह चेतावनी थी कि संविधान में निहित राजनीतिक समानता बढ़ती सामाजिक और आर्थिक असमानता के साथ उत्तरोत्तर असंगत होती जा रही है। उन्होंने एक सामाजिक लोकतंत्र की वकालत की थी जिसका अर्थ है 'जीवन का एक तरीका जो (बुनियादी) सिद्धांतों के रूप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को मान्यता देता है'। उन्होंने चेतावनी दी कि खतरा यह है कि अगर बढ़ती (सामाजिक और आर्थिक) असमानता को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया गया तो वे लोग जो वंचित और उत्पीड़ित थे, वे लोकतंत्र की शानदार इमारत को उड़ा देंगे जिसे उसके संस्थापकों ने इतनी मेहनत से बनाया था। उन्होंने यह चेतावनी नक्सली हिंसा की पहली घटना से लगभग 20 साल पहले दी थी। नक्सली हिंसा की शुरुआत 1960 के दशक के अंत में हुई जो हाल के दिनों में तेजी से बढ़ी है। हमारे चारों ओर हर जगह आर्थिक असमानता के साथ लोकतांत्रिक समानता की विसंगति के उदाहरण हैं। बढ़ते कल्याणकारी राज्य की संकल्पना और मुफ्त उपहार या सब्सिडी जो भी उन्हें कहा जाता है, अमीरों पर कर लगाकर असमानता की खाई को पाटने का एक कमजोर प्रयास है। अमेरिका में ट्रम्प का दूसरी बार राष्ट्रपति बनना लोकतांत्रिक अमेरिका में पूंजीवादी व्यवस्था की विफलता के कारण बढ़ती आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए है। ट्रम्प का समर्थन काफी हद तक उस वर्ग से आता है जिसकी पारिवारिक आय, जीडीपी का आकार बढ़ने और शेयर बाजार की संपत्ति बढ़ने के बावजूद दशकों से स्थिर है। यूके में 2016 ब्रेक्सिट वोट भी मुख्य रूप से उन लोगों द्वारा किया गया था जो यह महसूस करते थे कि वे वैश्वीकरण की ताकतों द्वारा पीछे छोड़ दिए गए हैं।

अंबेडकर ने 1949 के उस भाषण में जिस तीसरे खतरे का उल्लेख किया था, वह है संवैधानिक तरीकों की पवित्रता की रक्षा करने की आवश्यकता। उन्होंने कहा कि हमें सविनय अवज्ञा, असहयोग और सत्याग्रह के तरीकों को छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनके अनुसार ये कानून और व्यवस्था की अस्वीकृति के अलावा और कुछ नहीं थे। उन्होंने मॉब लिंचिंग, सतर्कता न्याय, एनकाउंटर किलिंग और बुलडोजर न्याय जैसे संविधानेत्तर तरीके भी जोड़े होते क्योंकि उनकी नज़र में उनके गढ़े एक वाक्यांश के अनुसार ये विधियां और कुछ नहीं बल्कि 'अराजकता का व्याकरण' हैं। यदि लोग इन तरीकों को अपनाते हैं तो यह न केवल संविधान की विफलता होगी बल्कि सत्ता की भी विफलता होगी। संविधान के क्रियान्वयन करने के लिए राज्य के अंगों- न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के कार्य की आवश्यकता है। फिर भी ये अंग किस तरह से काम करते हैं यह लोगों व राजनीतिक दलों पर निर्भर करेगा। संविधान का कामकाज इसमें काम करने वाले लोगों की अच्छाई या ईमानदार इरादों पर निर्भर करता है।

अंबेडकर इस बात से विशेष रूप से समझते थे कि कपटी प्रशासन के जरिए संवैधानिक प्रावधानों को आसानी से खत्म किया जा सकता है। 4 नवंबर, 1948 को उन्होंने संविधान सभा में कहा था- 'जबकि हर कोई लोकतांत्रिक संविधान के शांतिपूर्ण संचालन के लिए संवैधानिक नैतिकता के प्रसार की आवश्यकता को पहचानता है, इसके साथ दो चीजें परस्पर जुड़ी हुई हैं जो दुर्भाग्य से आम तौर पर मान्यता प्राप्त नहीं हैं। एक यह है कि प्रशासन के स्वरूप का संविधान के स्वरूप के साथ घनिष्ठ संबंध है। प्रशासन का स्वरूप संविधान के स्वरूप में और उसी अर्थ में उपयुक्त होना चाहिए। दूसरा यह है कि संविधान के स्वरूप को बदले बिना केवल प्रशासन के रूप को बदलकर और इसे असंगत बनाकर व संविधान की भावना के विरोध में विकृत करना पूरी तरह से संभव है। यह केवल वही है जहां लोग संवैधानिक नैतिकता से एकनिष्ठ होते हैं। जैसा कि इतिहासकार ग्रोटे ने कहा है कि कोई भी संविधान से प्रशासन के विवरण को छोड़ने का जोखिम उठा सकता है और उन्हें निर्धारित करने के लिए विधायिका पर छोड़ सकता है। सवाल यह है कि क्या हम संवैधानिक नैतिकता के इस तरह के बिखरने को स्वीकार कर सकते हैं? संवैधानिक नैतिकता एक प्राकृतिक भावना नहीं है। इसकी भावना का बीजारोपण करना होगा। हमें यह महसूस करना चाहिए कि हमारे लोगों को अभी इसे सीखना बाकी है। भारत में लोकतंत्र भारतीय धरती पर केवल एक टॉप-ड्रेसिंग है जो अनिवार्य रूप से अलोकतांत्रिक है।' ये प्रखर शब्द और चेतावनियां थीं जो आज भी प्रासंगिक हैं।

अंबेडकर की बदौलत भारत ने आधुनिकता को अत्यंत सशक्त संविधान के माध्यम से अपनाया जो एक जीवंत दस्तावेज है और संशोधनों के लिए खुला है, लेकिन संवैधानिक नैतिकता हमारे जीन्स में नहीं है। इसे आदत के रूप में विकसित करना होगा। संविधान की भावना को हमारे कार्यों और प्रशासन में भुलाया नहीं जाना चाहिए। यह आधुनिक भारत के सबसे बड़े नेताओं में से एक के असंख्य उपदेशों में से एक है जिनकी मर्मज्ञ अंतर्दृष्टि, अद्वितीय विद्वता और लोकतांत्रिक विचार आज भी प्रासंगिक व मान्य हैं।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

रूस ने अफगानिस्तान तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाया

मास्को/काबुल। रूस ने आज आधिकारिक तौर पर अफ़गानिस्तान तालिबान पर अपने दो दशक पुराने प्रतिबंध को हटा दिया जिससे समूह को आतंकवादी संगठनों की अपनी सूची से हटा दिया गया। रूसी मीडिया द्वारा गुरुवार को पुष्टि किए गए इस कदम से अफ़गानिस्तान के वास्तविक शासकों के प्रति मास्को के कूटनीतिक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत मिलता है। रूस के सर्वोच्च न्यायालय ने आज तालिबान को 'आतंकवादी संगठन' के रूप में नामित करने से हटा दिया जो कि अफ़गानिस्तान के शासकों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने के उद्देश्य से एक प्रतीकात्मक इशारा है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना के हटने के बाद अफ़गानिस्तान में सत्ता पर कब्ज़ा कर लिया।

म्यांमार : साइबर घोटाले के जाल में फंसे चार भारतीय नागरिकों की घर वापसी

■ पिछले सप्ताह, 32 भारतीय नागरिकों को म्यांमार-थाईलैंड सीमा क्षेत्र में माई सोत के माध्यम से वापस स्वदेश भेजा गया

यांगून, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार ने म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर के म्यावाड्डी क्षेत्र में फंसे चार भारतीय नागरिकों की वापसी सुनिश्चित की है। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

चार भारतीय नागरिक म्यांमार-थाईलैंड सीमा के म्यावड्डी क्षेत्र में साइबर घोटाले के नेटवर्क में फंस गए थे। हाल ही में उन्हें म्यांमार के अधिकारियों ने रिहा कर दिया और ह्पा-आन से यांगून लाया गया। यांगून में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को एकस पर पोस्ट किया कि हमने कल म्यांमार प्राधिकारियों की ओर से इन चार भारतीय नागरिकों के लिए म्यावाड्डी परिसर से एग्जिट परमिट और यांगून के माध्यम से उनकी स्वदेश वापसी की सुविधा प्रदान की।

पोस्ट में कहा गया, हम म्यांमार/थाईलैंड में बॉर्डर इमिग्रेशन के बिना ऐसी नौकरी की पेशकश और प्रवेश/निकास के खिलाफ सलाह देते हैं, यह भविष्य में प्रवेश को प्रतिबंधित कर सकता है। पिछले सप्ताह, 32 भारतीय नागरिकों - (जो सभी म्यावड्डी घोटाले के शिकार थे) - को म्यांमार-थाईलैंड सीमा क्षेत्र में माई सोत के माध्यम से वापस स्वदेश भेजा गया। यांगून स्थित भारतीय दूतावास ने ऐसी नौकरी की पेशकश के खिलाफ अपनी सलाह पर दोहराई और आगाह किया है कि म्यांमार/थाईलैंड में बॉर्डर इमिग्रेशन के बिना प्रवेश या निकास अवैध है और इससे भविष्य में प्रवेश पर प्रतिबंध लग सकता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि भारत सरकार, म्यांमार समेत विभिन्न दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में फर्जी नौकरी की पेशकश के साथ बहकाए गए भारतीय नागरिकों की रिहाई और स्वदेश वापसी के लिए लगातार कोशिश कर रही है। इन लोगों को म्यांमार-थाईलैंड बॉर्डर के साथ के क्षेत्रों में संचालित घोटाला केंद्रों में साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। इससे पहले मार्च में, म्यांमार और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावासों ने स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करके थाईलैंड के माई सोत से भारतीय वायुसेना के विमान के जरिए 283 भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की थी। विदेश मंत्रालय ने दोहराया, भारत सरकार इस तरह के रैकेट के बारे में समय-समय पर जारी की गई सलाह और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी चेतावनी को दोहराना चाहती है। भारतीय नागरिकों को एक बार फिर सलाह दी जाती है कि वे विदेश में स्थित मिशनों के जरिए विदेशी नियोक्ताओं की साख की पुष्टि करें और नौकरी की पेशकश स्वीकार करने से पहले भर्ती करने वाले एजेंटों और कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करें।

ईरान को कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे : इजरायली पीएम

■ इजरायल और पश्चिमी सरकारें लंबे समय से ईरान पर परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने का आरोप लगाती रही हैं

यरूशलम, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहराया कि इजरायल ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं देगा। उनका यह बयान तेहरान और अमेरिकी प्रशासन के बीच नए परमाणु समझौते पर नए सिरे से बातचीत की खबरों के बीच सामने आया।

नेतन्याहू के कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने एक से अधिक बार स्पष्ट किया है: इजरायल ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं देगा। कार्यालय ने कहा कि नेतन्याहू ने '%ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ अनगिनत प्रत्यक्ष और गुप्त अभियान चलाए हैं' और 'ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ वैश्विक अभियान का नेतृत्व किया है। ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने पिछले शनिवार को ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर मुलाकात की। दोनों पक्षों ने इस बैठक को 'रचनात्मक' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मार्च की शुरुआत में कहा था कि संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से ईरानी नेताओं का एक पत्र मिला है, जिसमें तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता का प्रस्ताव दिया गया था। ईरान बाद में अप्रत्यक्ष वार्ता पर सहमत हो गया। इजरायल और पश्चिमी सरकारें लंबे समय से ईरान पर परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने का आरोप लगाती रही हैं। हालांकि तेहरान इस आरोप का खंडन करता आया है नेतन्याहू का यह बयान शनिवार को रोम में अमेरिका और ईरानी प्रतिनिधिमंडलों के बीच ओमानी मध्यस्थता वाली दूसरे दौर की वार्ता से पहले आया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर मध्यस्थता के जरिए समझौता करने के ट्रंप के प्रयास नेतन्याहू की सैन्य कार्रवाई का उपयोग करके इस मुद्दे से निपटने की लंबे समय से चली आ रही नीति के विपरीत प्रतीत होते हैं।

सुडोकू 6887

7	9					5		3
5	2				6		4	
			5					
		2	6	3		1		
1								8
		5		8	2	4		
					3			
	3		2				7	6
6		1					2	4

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 19 अप्रैल, 2025 बैशाख कृष्ण पक्ष 7

राशिफल

मेष - आज आप सभी काम सावधानी से करें। सरकार विरोधी काम से दूर रहें। दुर्घटना हो सकती है, इसलिए वाहन आदि का उपयोग ध्यान से करें। बाहर के खान-पान की आदत के कारण स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है।

वृषभ - आप को अपने प्रिय दोस्तों और स्वजनों के साथ घूमने- फिरने का आनंद प्राप्त होगा। सुंदर वस्त्र-आभूषण और भोजन का अवसर आपको मिलेगा। दोपहर के बाद स्थिति आपके नियंत्रण से हट सकती है।

मिथुन - आज का आपका दिन मनोरंजन और आनंद लूटने का है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कार्यालय में सहयोगपूर्ण वातावरण रहेगा। मित्रों के साथ पर्यटन स्थल पर जाने का आयोजन होगा।

कर्क - आज समय थोड़ा कठिन बना रहेगा, लेकिन आपके परिश्रम में कमी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।

सिंह - आज हर काम सावधानीपूर्वक करें। मानसिकरूप से तनाव रहेगा। कुछ अस्वस्थता का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ किसी बात पर विवाद हो सकता है। ऐसे समय में संयम बरतना ही हितकर होगा।

कन्या - आपको लाभ होगा। भाग्यवृद्धि का योग दिख रहे हैं। संबंधों में प्रेम और सम्मान की प्रधानता रहेगी। दोपहर के बाद किसी बात को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला - शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। पारिवारिक झगड़े में वाणी पर संयम रखना होगा। नेगेटिविटी मन पर छायी रहेगी। घर के सदस्यों के साथ किसी बात का कनफ्यूजन बना रहेगा।

वृश्चिक - आज का आपका दिन मध्यम फलदायी है। सुख और संतोष का अनुभव होगा। परिजनों के साथ आनंदपूर्वक दिन गुजरेगा। आज शुभ समाचार मिलेंगे। दोपहर के बाद परिवार में झगड़े का वातावरण रह सकता है।

धनु - आज दुर्घटना के योग हैं। हर मामले में ध्यान से रहें। अचानक किसी बात पर धन खर्च होगा। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी। दोपहर के बाद स्थिति सुधरेगी। शारीरिक और मानसिक प्रसन्नता रहेगी।

मकर - आज का दिन व्यापार-व्यवसाय और जॉब करने वालों के लिए अच्छा है। पुत्र और पत्नी से आर्थिक लाभ होगा। सांसारिक जीवन में सुखद प्रसंग बनने से मन खुश रहेगा।

कुंभ - आज का दिन लाभकारी है। व्यापार के क्षेत्र में आप को लाभ प्राप्त होगा। घर-परिवार और समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में पदोन्नति होगी। अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

मीन - साहित्यिक गतिविधि में आज आपकी रुचि बनी रहेगी। आज कोई नए काम शुरू कर पाएंगे। किसी धार्मिक यात्रा के योग हैं। विदेश में रहने मित्र तथा स्नेहीजनों से बातचीत हो सकती है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

भारत समावेशी न्याय संगत और सतत कृषि के लिए प्रतिबद्ध : शिवराज

■ ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में हुए शामिल

ब्राजीलिया/ नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि छोटे किसानों को जलवायु परिवर्तन, मूल्य अस्थिरता तथा संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों से लड़ने में नीतिगत सहायता की आवश्यकता है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को ब्राजील के ब्राजीलिया में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में कहा कि भारत समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों के कल्याण को वैश्विक कृषि रणनीति के केंद्र में रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और स्पष्ट किया कि कृषि भारत के लिए केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि करोड़ों परिवारों के लिए आजीविका, भोजन और गरिमा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे किसानों को संरक्षित और सशक्त नहीं किया जाएगा, तब तक वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस पर बल दिया कि दुनिया के 51 करोड छोटे किसान वैश्विक खाद्य प्रणाली की रीढ़ हैं और जलवायु परिवर्तन, मूल्य अस्थिरता तथा संसाधनों के संदर्भ में वे सबसे अधिक संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि हम छोटे किसानों को इन चुनौतियों से लड़ने में अकेला नहीं छोड़ सकते, उन्हें हमारी नीतिगत सहायता की आवश्यकता है। श्री चौहान ने क्लस्टर आधारित खेती, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी मॉडल और प्राकृतिक खेती को छोटे किसानों के सामूहिक सशक्तिकरण और बाजार तक बेहतर पहुंच का प्रभावी माध्यम बताया। बैठक में उन्होंने कृषि व्यापार को न्यायसंगत बनाने, वैश्विक मूल्य अस्थिरता को नियंत्रित करने और छोटे किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने सार्वजनिक खाद्य भंडारण व्यवस्था, न्यूनतम समर्थन मूल्य, और छोटे किसानों को सीधे जोड़ने वाले मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता को दोहराया। श्री चौहान ने कोविड संकट के दौरान भारत की खाद्य भंडारण क्षमता को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया, जिसके माध्यम से 80 करोड़ नागरिकों तक निशुल्क राशन पहुंचाया गया। उन्होंने अपनी तकनीकी पहलों - डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, एग्री-स्टैक, ड्रोन तकनीक और क्लाइमेट रेजिलिएंट विलेजेज को साझा करते हुए बताया कि इन नवाचारों ने योजनाओं की पहुंच, पारदर्शिता और किसानों की आय में उल्लेखनीय सुधार लाया है। उन्होंने 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' जैसी पहलों का उल्लेख कर ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।

वर्ग पहेली 6887

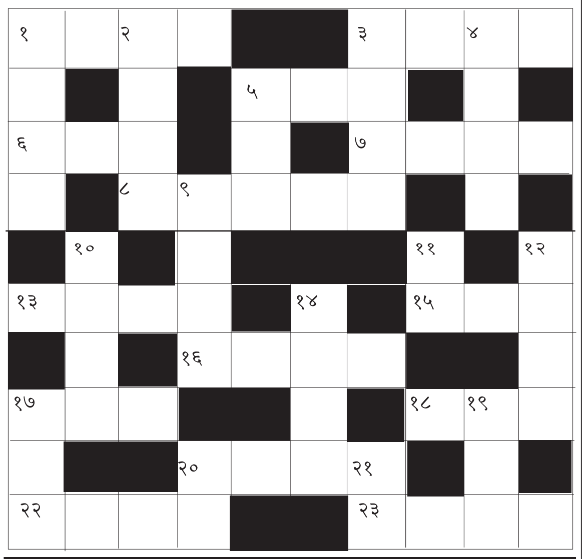

बाये से दायें:-

१. स्वर के बाद बोला जाने वाला अनुनासिक वर्ण, अनुनासिक बिंदी
३. तकलीफदेह
५. गगन, आकाश
६. कहानी, कथा, दृष्टांत (उर्दू)
७. ढूंढना, खोजना (उर्दू)
८. आगरा में स्थित एक विश्वप्रसिद्ध स्मारक
१३. घोड़ों की दौड़
१५. माल की बिक्री, खपने का भाव
१६. अनुचित, अवैध
१७. सेनापति, कार्तिकेय, धृतराष्ट्र का एक पुत्र
१८. दक्ष, निपुण, कुशल
२०. स्वर्गीय, स्वर्गगत, मृत
२२. परिवर्तन (उर्दू)
२३. बड़प्पन

ऊपर से नीचे:-

१. न देने वाला, कंजूस
२. स्वतंत्रता
३. हथेली
४. सौ में से, फीसदी
५. नतीजा, परिणाम (उर्दू)
९. कसकर बांधना, बंधन कड़ा करना
१०. उत्तेजित होना, क्रुद्ध होना, जोर जल उठना
११. नेत्र, नयन
१३. परिवर्तित करना, बदलना, अंतरित करना
१४. तपेदिक
१७. स्वास्थ (उर्दू)
१९. उजाड़, निर्जन (उर्दू)
२०. हृदय, मन (उर्दू)
२१. अंधकार

वर्ग पहेली-6886

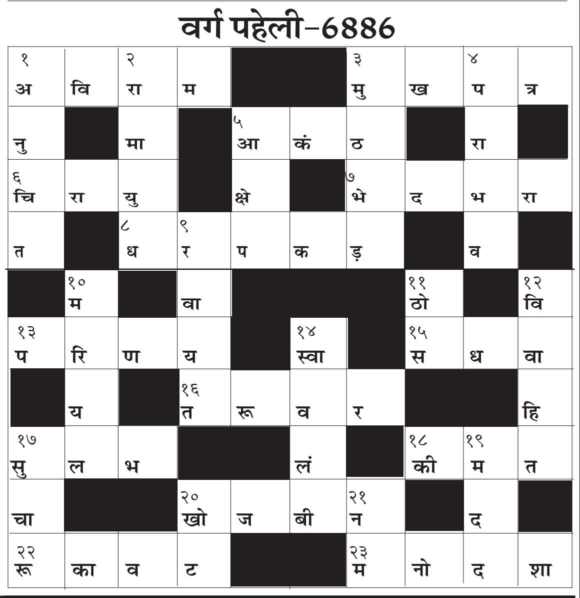

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

अमेरिकी विवि में गोलीबारी: 2 की मौत, 6 घायल

वाशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी (एफएसयू) कैंपस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। घायलों और हमले के आरोपी को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने संदिग्ध को गोली मारने के बाद पकड़ लिया। लियोन काउंटी के शेरिफ वाल्टर मैकनील ने बताया कि हमले के आरोपी का नाम फीनिक्स इकनर है, जिसकी उम्र 20 साल है। वह एफएसयू का छात्र है और एक डिप्टी शेरिफ का बेटा है।जांच में पता चला कि संदिग्ध ने अपनी मां के पुराने हथियार का इस्तेमाल किया, जो अब भी उसकी मां के नाम पर है। यह हथियार मौके पर मिला।

यमन के ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमला, कम से कम 38 की मौत, 102 घायल

■ समर्थित ग्रुप पर वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से यह सबसे घातक हमलों में से एक है

वाशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। यमन में एक ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों में कम से कम 38 लोग मारे गए। अमेरिकी सेना ने कहा कि हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप के लिए ईंधन का स्रोत काटना था। ईरान समर्थित ग्रुप पर वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से यह सबसे घातक हमलों में से एक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल मसीरा टीवी ने कहा कि गुरुवार को पश्चिमी ईंधन बंदरगाह रास ईसा पर हुए हमलों में 102 लोग घायल भी हुए। बता दें अल मसीरा टीवी का संचालन हूती ग्रुप करता है। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि हमलों की शुरुआती घोषणा के अलावा उसके पास कोई जानकारी नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, इन हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप की शक्ति के आर्थिक स्रोत को कमजोर करना था, जो अपने साथी देशवासियों का शोषण करते रहते हैं और उन्हें भारी पीड़ा पहुंचाते हैं। जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से मध्य पूर्व में यह अमेरिका का सबसे बड़े सैन्य अभियान है। इसके तहत पिछले महीने से बड़े पैमाने पर शुरू किए गए। वाशिंगटन का कहना है कि कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक कि हूती लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं कर देते। नवंबर 2023 से, हूती विद्रोहियों ने जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर दर्जनों ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, उनका कहना है कि वे गाजा में युद्ध के विरोध में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने गाजा में दो महीने के युद्ध विराम के दौरान जहाजों पर हमले रोक दिए थे।

आज का इतिहास

1451- बहलोल लोदी ने दिल्ली पर कब्जा किया।
1770- कैप्टन जेम्स कुक आस्ट्रेलिया पहुंचने वाले पहले पश्चिमी व्यक्ति बने
1775- अमेरिकी क्रांति की शुरुआत।
1882- कलकत्ता में पहले प्रसूति अस्पताल की शुरुआत।
1910- हेली पुच्छल तारे को पहली बार सामान्य रूप से देखा गया।
1919- अमेरिका के लेस्ली इरविन ने पैराशूट से पहली बार छलांग लगाई।
1936- फिलिस्तीन में यहूदी विरोधी दंगे शुरू हुए।
1950- श्यामा प्रसाद मुखर्जी केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले पहले मंत्री बने।
1971- भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर टेस्ट क्रिकेट श्रृंखला जीती।
1972- बांग्लादेश राष्ट्रमंडल का सदस्य बना।
1975- भारत अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च कर अंतरिक्ष युग में दाखिल हुआ। यह भारत का पहला वैज्ञानिक उपग्रह था।
1989- अफ्रीकी देश सिएरा लियोन ने गणतंत्र की घोषणा की।
2003-चीन की महिला भारोतोकल वांग मिंग च्यान विश्व रिकॉर्ड बनाया
2006- प्रथम अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग को उनके द्वारा लाया गया चांद टुकड़ा भेंट किया गया।
2007- द विजार्ड ऑफ़ आईडी सीरीज के कार्टूनिस्ट ब्रैंड पार्कर का निधन हुआ था।
2011- क्यूबा के पूर्व राष्टपति फिदेल कास्त्रो ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ क्यूबा की केन्द्रीय समिति में 45 वर्षों तक बने रहने के बाद इस्तीफा दिया।

आयोजित चीन का डिजिटल उद्योग अच्छी तरह से विकसित हो रहा है

चीन ने 43.95 लाख 5जी बेस स्टेशन बनाए और चालू किए

बीजिंग, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। चीनी उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रमुख ने शुक्रवार की सुबह चीनी राज्य परिषद के सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस वर्ष की पहली तिमाही में चीन में उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी का विकास अच्छा रहा। संवाददाता सम्मेलन में बताया गया है कि चीन का डिजिटल उद्योग अच्छी तरह से विकसित हो रहा है, 5जी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता बड़े मॉडल जैसी डिजिटल तकनीक तेजी से विकसित हो रही हैं।

■ नेटवर्क अवसंरचना की क्षमताएं निरंतर बढ़ रही

■ प्रशासनिक गांवों में 5जी का अनुपात 90 प्रतिशत तक पहुंचा

पहले दो महीनों में, डिजिटल उद्योग के व्यावसायिक राजस्व में वर्ष-दर-वर्ष 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नेटवर्क अवसंरचना की क्षमताएं निरंतर बढ़ रही हैं। मार्च के अंत तक कुल 43.95 लाख 5जी बेस स्टेशन बनाए जा चुके हैं और उन्हें परिचालन में लाया जा चुका है। इस वर्ष की पहली तिमाही में, चीन का दूरसंचार उद्योग स्थिर और व्यवस्थित रूप से विकसित हुआ, दूरसंचार कारोबार की कुल मात्रा में साल-दर-साल 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़े बताते हैं कि पहली तिमाही में, कुल दूरसंचार व्यवसाय राजस्व 4 खरब 46 अरब 90 करोड़ युआन तक पहुंच गया। चीन की 5जी नेटवर्क क्षमता और सिग्नल कवरेज स्तर में सुधार जारी है। प्रशासनिक गांवों में 5जी का अनुपात 90 प्रतिशत तक पहुंच गया। इसके अलावा, चीन में दूरसंचार का विस्तार भी जारी है। मार्च के अंत तक, चीन में 2,400 से अधिक विदेशी-निवेशित दूरसंचार कंपनियां थीं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 26.5 प्रतिशत की वृद्धि थी। चीनी उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रमुख ने कहा कि वे औद्योगिक नवाचार को गहरा करना जारी रखेंगे, वायरलेस एआई जैसी प्रमुख 6जी प्रौद्योगिकियों के परीक्षण और सत्यापन का आयोजन करेंगे और प्रौद्योगिकियों की परिपक्वता में तेजी लाएंगे।

दुनिया को जानें

जाम्बिया में एमपॉक्स से दूसरी मौत की पुष्टि, मामले बढ़कर 49 हुए

लुसाका, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिणी अफ्रीकी देश जाम्बिया में एमपॉक्स बीमारी से दूसरी मौत की पुष्टि हुई है। अब तक देश में इस बीमारी के कुल 49 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री एलिजा मुचिमा ने गुरुवार को बताया कि जाम्बिया के मुचिंगा प्रांत के मपिका जिले में एमपॉक्स बीमारी से दूसरी मौत हुई है। इस घटना में एक 10 साल का बच्चा भी शामिल है। देश में पिछले साल अक्टूबर में एमपॉक्स से पहला मामला सामने आया था और इसके बाद पिछले महीने इस बीमारी से पहली मौत हुई। मंत्री जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि देश में 2 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच 13 नए मामले सामने आए हैं। अब तक कुल 49 मामले हो चुके हैं और देश के 10 में से 6 राज्यों में ये मामले मिले हैं। अब तक 32 लोगों का इलाज किया जा चुका है और उन्हें घर भेज दिया गया है, जबकि 15 लोग अभी होम आइसोलेशन पर हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय एमपॉक्स के मामलों की जांच और पता लगाने के लिए और इसे फैलने से रोकने के लिए अन्य सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस बीच, देश में हैजा के कुल मामले भी 490 तक पहुंच गए हैं। पिछले दो हफ्तों में 18 नए मामले सामने आए हैं।

प्रादेशिकी

वरिष्ठ माध्यमिक सेक्शन्स को को-एजुकेशनल बनाया जाएगा: सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को कहा है कि प्रदेश के शहरी स्थानीय निकायों के क्षेत्र में राजकीय पाठशालाओं के वरिष्ठ माध्यमिक सेक्शन्स को को-एजुकेशनल बनाया जाएगा। श्री सुक्खू ने यहां शिक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ऐसे स्कूलों का युक्तिकरण करेगी, जहां विद्यार्थियों का नामांकन कम है और नजदीक ही समान स्तर का अन्य स्कूल कार्यशील है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, शिक्षा सचिव राकेश कंवर और शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

नया वक्फ कानून जनहित के लिए लाया गया ऐतिहासिक फैसला: धामी

■ अमरनाथ तिवारी

- अब जनहित के काम आएगी वक्फ की जमीने
- वक्फ की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी
- मुस्लिम महिलाओं ने किया सीएम का स्वागत

देहरादून, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। केंद्र सरकार द्वारा लाये गए वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यशाला में बोलते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले से अब वक्फ की जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों से मुक्त कराया जा सकेगा और यह जमीन गरीब तथा जरूरतमंद मुसलमानों के काम आ सकेगी और इसका उपयोग जनहित कार्यों के लिए हो सकेगा। भाजपा मुख्यालय में आयोजित वक्फ जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा इस कानून को लाया जाना एक ऐतिहासिक फैसला है उन्होंने कहा कि हम भाजपा के लोग कानून को मानने वाले लोग हैं तथा जो भी काम करते हैं कानून के दायरे में रहकर जनहित के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों पर कुछ पहुंच वाले और रसूखदार लोग अवैध तरीके से कब्जा किए बैठे हैं किसी ने फाइव स्टार होटल बना रखा है तो किसी ने कोठी और बंगला बना रखा है लेकिन अब यह सब नहीं चलेगा।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 सालों में वक्फ की जमीन और परिसंपत्तियों में भी भारी इजाफा हुआ है यह 39 एकड़ से बढ़कर 18 लाख एकड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि वक्फ की जमीन और परिसंपत्तियों का बीते समय में राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए भरपूर दुरुपयोग किया जाता रहा है। माफिया और दबंग लोग बड़ी संख्या में इन संपत्तियों पर कब्जा जमाये बैठे हैं तथा यह सब वक्फ संपत्तियों की उचित प्रबंधन व्यवस्था न होने के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में वक्फ की संपत्तियों का परीक्षण कराया जाएगा तथा अवैध रूप से किए गए कब्जे हटाए जाएंगे और इस जमीन का उपयोग गरीब मुसलमानों के लिए तथा जनहित कार्यों के लिए किया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस नए कानून की संवैधानिक व्यवस्था को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसमें उल्लेखित कई प्रावधानों पर सुनवाई पूरी होने तक रोक लगाई हुई है।

वक्फ सुधार वर्कशॉप: मुस्लिम महिला का भाजपा मुख्यालय में हंगामा

नए वक्फ कानून को लेकर भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में कार्यशाला आयोजन किया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने बखेड़ा खड़ा कर दिया। कार्यशाला में शामिल हुई कुछ मुस्लिम महिलाओं ने ऐसे सवाल किए, जिससे कार्यक्रम का माहौल बिगड़ गया। जैसे-तैसे भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मामले को शांत करवाया। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे, लेकिन कुछ देर बाद वो कार्यक्रम स्थल से चले गए थे। उनके जाने के बाद ये हंगामा हुआ। उत्तराखंड भातपा प्रदेश मुख्यालय में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं को बुलाया गया था। यहां बीजेपी नेता मुस्लिम महिलाओं को नए वक्फ कानून की जानकारियां दे रहे थे और उन्हें वक्फ कानून के फायदे बता रहे थे। लेकिन इसी बीच देहरादून की रहने वाली महिला शकीला आलम से भाजपा नेता ने पूछा कि वो नए वक्फ कानून को किस तरह देखती हैं। बस इसके बाद से पूरा हंगामा शुरू हो गया। शकीला आलम ने भारतीय जनता पार्टी की तो तारीफ की, किन्तु वो वक्फ बोर्ड में किए गए संशोधन से खुश नहीं आई। शकीला आलम का आरोप है कि नए वक्फ कानून में ज्यादा किराया वसूला जाएगा, जिसे वह बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगी। शकीला आलम ने कहा कि वक्फ की जमीन पर जो गरीब मुसलमान रह रहे हैं, उनसे भी अब पांच-पांच हजार रुपए लिए जाएंगे ये कहां का इंसाफ हैं। यहां तक सुना है कि वक्फ संपत्तियों को तोड़ा जाएगा और वहां से लोगों को हटाया जाएगा। उनका किराया बढ़ाया जाएगा। यह सब गलत हो रहा है। जब बीजेपी नेता ने शकीला आलम से पूछा कि उनको ऐसा कौन कह रहा है, तो उन्होंने कहा कि ये सब जानकारी उन्हें वक्फ बोर्ड के सदस्यों ने दी है। मामला बिगड़ता देख भाजपा कार्यकर्ता शहजाद आलम ने मोर्चा संभाला। उन्होंने शकीला आलम को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वो किसी की सुनने को तैयार ही नहीं थीं। आखिर में बीजेपी के कुछ कार्यकर्ता महिला को खींचकर बाहर ले गए। इस बारे में जब भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महानगर अध्यक्ष यास्मीन आलम से पूछा गया कि विरोध कर रही महिलाओं को मीडिया से क्यों बात नहीं करने दी जा रही है तो उन्होंने कहा कि महिलाओं में अभी थोड़ी जागरूकता की कमी है। इन महिलाओं को भ्रमित किया गया है। इसी भ्रम को दूर करने के लिए इन्हें कार्यशाला में लाया जा रहा है।

बीते 3 सालों में राज्य सरकार ने 22 हजार से ज्यादा रोजगार सृजित किए : धामी

- एचएनबी गढ़वाल विवि छात्रसंघ समारोह में पहुंचे सीएम
- कहा- 3 साल में 22 हजार से ज्यादा रोजगार सृजित किए

श्रीनगर, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर में छात्रसंघ उद्घाटन समारोह 2024-25 में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस मौके पर सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। युवाओं को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर ऐतिहासिक कदम उठाया है। बीते 3 सालों में राज्य सरकार ने 22 हजार से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं, जिससे प्रदेश में बेरोजगारी की दर को घटाकर 4 फीसदी किया गया है। उन्होंने कहा कि नकल विरोधी कानून लागू कर सरकार ने मेहनती छात्रों के हितों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वर्तमान में राज्य में 20 मॉडल कॉलेज, महिला छात्रावास, आईटी लैब, परीक्षा भवन, एस्ट्रो पार्क और साइंस सिटी जैसी परियोजनाएं प्रगति पर हैं। साथ ही स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण भी तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को 18 लाख रुपये तक का शोध अनुदान दिया जा रहा है। वहीं, एनडीए और सीडीएस की लिखित परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की तैयारी के लिए 50 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। उच्च शिक्षा मंत्री और स्थानीय विधायक धन सिंह रावत ने शिक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्रों से शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने का आह्वान किया। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के सरकार के संकल्प को दोहराया।

विवि के विकास में देंगे हर संभव सहयोग: कंडारी

श्रीनगर। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने छात्रसंघ समारोह की सराहना करते हुए छात्रों को सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विकास में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत सिंह ने रखी छात्रों की समस्याएं

श्रीनगर। छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत सिंह ने अपने संबोधन में छात्रों की समस्याओं और अपेक्षाओं को प्रमुखता से रखते हुए समाधान के लिए प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए सतत कार्य करता रहेगा

सार संक्षेप

नशा उन्मूलन के लिए मंडी गोबिंदगढ़ में मैराथन का आयोजन

मंडी गोबिंदगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंद ने शुक्रवार को कहा कि नशे के उन्मूलन के लिए समाज के हर वर्ग के एकजुट प्रयासों की आवश्यकता है। जिला प्रशासन के सहयोग से मंडी गोबिंदगढ़ नगर परिषद द्वारा स्थानीय इंडोर स्टेडियम में आयोजित मैराथन में भाग लेते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी ऐसे किसी भी अभियान की सफलता सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभाती है। उन्होंने 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। मंत्री ने बताया कि नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए राज्य भर में कई बड़े पैमाने पर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। श्री सोंद ने कहा कि 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत एक समर्पित उप-समिति का गठन किया गया है। यह समिति नशा विरोधी अभियान की दैनिक प्रगति की निगरानी करती है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश व ओलावृष्टि की चेतावनी

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी दी कि प्रदेश के चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिला में 18 अप्रैल की रात्रि से 19 अप्रैल की मध्य रात्रि तक तथा जिला मंडी में 19 अप्रैल को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, सोलन, सिरमौर, मंडी और शिमला जिलों में 18 अप्रैल की रात्रि से 19 अप्रैल की मध्य रात्रि तक कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की भी संभावना है।

मसूरी जा रही पर्यटकों की बस पलटी,एक गंभीर,

देहरादून। शुक्रवार की सुबह मसूरी-देहरादून मार्ग पर पानी वाले बेंड के समीप दिल्ली से मसूरी जा रही एक बस की कमानी टूटने के बाद वह सड़क पर पलट गयी। जिससे उसमें सवार एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए देहरादून हायर सेंटर लाकर भर्ती कराया गया है। बस में कुल 27 यात्री सवार थे। मसूरी के कोतवाल संतोष कुंवर ने बताया कि जैसे ही बस सुबह के समय मसूरी पानी वाला बेंड के पास पहुंची, तभी अचानक उसकी कमानी टूट गई। इस कारण बस अनियंत्रित होकर रोड पर ही पलट गई। बस काफी धीमी रफ्तार से चल रही थी। बस में कुल 27 लोग सवार जो दिल्ली से मसूरी आ रहे थे। बस पलटने के कारण बस में बैठे एक यात्री अर्चित शुक्ला पुत्र गिरीश चंद शुक्ला निवासी दिल्ली को चोटें आई हैं।

जनता के पैसे का दुरुपयोग, नेशनल हेराल्ड को करोड़ों का विज्ञापन : जनक

शिमला, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा के विधायक डॉ जनक राज ने वर्तमान कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा अगर सरकार को किसी भी समाचार अभिकर्तत्व को विज्ञापन जारी करना होता है तो उसके कोई नियम तो होते ही होंगे और जिस प्रकार से वर्तमान कांग्रेस सरकार ने अपने परिवार के समाचार पत्र नेशनल हेराल्ड को 2 करोड़ से अधिक की राशि जारी करी है, इससे सरकार की कार्यप्रणाली पर अनेकों सवाल खड़े हो जाते है।

उन्होंने कहा कि दुख की बात तो यह है कि इस परिवार के समाचार पत्र की एक भी कॉपी हिमाचल प्रदेश नहीं आती और हिमाचल की जनता को पता भी नहीं कि इस प्रकार का कोई समाचार पत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होता भी है या आता भी है। उसके बावजूद इतनी बड़ी विज्ञापन राशि सरकार द्वारा इस समाचार पत्र को दी जाती है यह उचित नहीं है। हिमाचल प्रदेश के राजकीय समाचार पत्र भी है, अगर उसको वर्तमान सरकार ने इस विज्ञान राशि से बल दिया होता तो आत्मनिर्भर हिमाचल का सच्चा उदाहरण सामने आता। उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस पार्टी को बताना चाहते हैं की जो पैसा अपने इस न्यूज़ पेपर को दिया, वह पैसा जनता का है ना कि आपका और यह जनता के पैसे के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला है।

हरियाणा को बनाएंगे मैन्यूफैक्चरिंग का हब : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम के मानेसर में बजट के उपरांत उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की बैठक को किया संबोधित

■ अमित नेहरा

गुरुग्राम, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प पर आगे बढ़ते हुए आने वाले दिनों में हरियाणा को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाएंगे। पिछले 10 वर्षों में हमारी उद्योग अनुकूल तथा श्रमिक कल्याण नीतियों के चलते हरियाणा प्रदेश भारत के सबसे प्रगतिशील औद्योगिक शक्ति केंद्रों के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट उपरांत बैठक को संबोधित करते हुए कही। सैनी ने बैठक में पहुंचे प्रदेश भर के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 में विकसित भारत बने। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए इस बार के बजट में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के बजट को बढ़ाकर 1848 करोड़ रुपए कर दिया है जोकि पिछली बार की तुलना में 129 फीसदी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में उद्योग जगत विशेषकर निर्माण, टैक्सटाइल, स्टार्टअप आदि के प्रतिनिधियों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। बैठक में पहुंचे उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनके सुझावों को बजट में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में औद्योगिक श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई उपाय शामिल किए गए हैं। जिसमें श्रमिकों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी औद्योगिक क्षेत्रों में 300 अटल किसान श्रमिक कैंटीन खोली जाएंगी ताकि श्रमिक भाईयों को उचित दर पर पौष्टिक भोजन मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) विकसित करेगी, जिसके लिए भूमि की मांग एचएसआईआईडीसी द्वारा ई-भूमि पोर्टल पर पंजीकृत की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स की अनिवार्यता और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, हरियाणा सरकार ने इस वर्ष के बजट में हर औद्योगिक एस्टेट में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। ये केंद्र युवा उद्यमियों को आवश्यक बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन और वित्तपोषण के अवसर प्रदान करेंगे ताकि वे अपने नवाचारों को सफल व्यवसायों में बदल सकें।

मंडियों से गेहूं उठान न होने पर कांग्रेस सांसदों ने जताई चिंता

चंडीगढ़, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में मंडियों से गेहूं का उठान नहीं हो रहा है, न ही तिरपाल या पॉलिथीन की व्यवस्था है और सरकार हाथ पर हाथ रखकर किसान की बर्बादी देख रही है। मीडिया को जारी बयान में सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार ने एक अप्रैल से मंडियों में गेहूं की खरीद शुरू की। 417 मंडियों में 38.93 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं पहुंच गया जिसमें से केवल 8.59 एलएमटी (22 फीसदी) टन की ही उठान हो पाई है। हालांकि 31.52 एलएमटी गेहूं खरीदा तो जा चुका है पर उसे बोरियों में भरकर गोदामों में भेजने की प्रक्रिया धीमी है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार दावे कर रही थी कि मंडियों और खरीद केंद्रों में इस बार समुचित प्रबंध किए गए है पर मंडियां इस बात की गवाही दे रही है कि खरीद और उठान की व्यवस्था सही न होने पर मंडी के अंदर और मंडी के बाहर सड़कों पर गेहूं की ढेरियां लगी हुई है। मंडियों में अभी तय लक्ष्य 75 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले में आधा गेहूं ही पहुंचा है। उठान समय पर न होने के कारण कई मंडियों में शेड और खाली जमीन पर फसल रखने की जगह तक नहीं बची और आवक लगातार जारी है। प्रदेश की अधिकतर मंडियों के बाहर सड़कों पर ढेरियां लगाने को किसान मजबूर हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि मंडी सचिवों को निर्देश दे दिया जाता है कि मौसम को देखते हुए तिरपाल व पॉलीथिन की व्यवस्था खरीद एजेंसियों के पास होनी चाहिए। पर आज तक कोई भी खरीद एजेंसी ऐसी व्यवस्था नहीं करती। सरकार के सारे काम घोषणाओं और दिशा निर्देश तक ही सीमित होते हैं। उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसियों की लापरवाही का खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है।

सेब बागवानों को नुकसान का जायजा लेकर उचित मुआवजा दे सरकार : संदीपनी

- तूफान से हिमाचल में हुआ बड़ा नुकसान

शिमला, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा प्रवक्ता सांदीपनि भारद्वाज ने किसानों का विषय उठाते हुए वर्तमान कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। भारद्वाज ने कहा कि कुछ दिन पहले हिमाचल प्रदेश में भारी तूफान आया था जिसके कारण हिमाचल प्रदेश में 90त्न किसानों को क्षति पहुंची है, इस क्षति का पूर्ण आकलन हिमाचल प्रदेश सरकार को करना चाहिए पर अभी तक हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस विषय की ओर सोचा भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि चाहे आप सेब की बात करें या मैदानी फलों एवं सब्जियों की इस तूफान से भारी भरकम क्षति हिमाचल प्रदेश के किसान भाइयों एवं बहनों को हुई है। सब के पौधों में फ्लावरिंग हो चुकी थी जो इस तूफान में झड़ गई है, कई स्थानों पर सब के पेड़ों की टहनियां टूट कर गिर गई और अधिकतम जगह पर तो पूरे पूरे पेड़ ही जड़ समेत बाहर आ गए। इसके बारे में वर्तमान कांग्रेस सरकार को सोचना चाहिए और तुरंत एक्शन भी लेना चाहिए, क्षति के मुताबिक किसानों को उचित मुआवजा भी देना चाहिए पर मुआवजा तो तब मिलेगा जब सरकार द्वारा कोई रिपोर्ट बनाई जाएगी। संदीपनी ने कहा की तूफान के कारण खेतों में खड़ी सेब, मटर, गेहूं और जौ की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। रामपुर के मिझाली, लड़ोट, निरसू क्षेत्र के लोगों ने स्वयं बताया है की %सेब में फ्लावरिंग को नुकसान हुआ है और पलम के पेड़ों से फल नीचे गिर गए है, इसके साथ ही दूसरी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। गेहूं और जौ की फसलें जो कटाई के लिए तैयार थीं, वो तेज हवाओं और बारिश की वजह से खराब हो गई हैं। मटर की फसल भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि बड़ी मेहनत से इन फसलों को तैयार किया था, लेकिन एक ही रात में सब कुछ बर्बाद हो गया, अब उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। प्रशासन को नुकसान का जायजा लेकर उचित मुआवजा देना चाहिए। इस मौके पर भाजपा, कांग्रेस सरकार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की भी याद दिलाना चाहती है।

राज्यपाल ने किया 'स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण

देहरादून, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) राज्य के सभी विघालयों के लिए निर्मित 'स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण किया एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विघालयों के 13 केंद्रों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। शुक्रवार को यहां राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राजभवन में विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रवेशोत्सव-2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस दौरान स्कूलों में प्रवेश लेने वाले बच्चों का स्वागत कर शिक्षण सामग्री वितरित की। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के सभी विघालयों के लिए निर्मित 'स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण किया एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों के 13 केंद्रों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की। राज्यपाल के निर्देश पर यूटीयू द्वारा राज्य में स्थित समस्त राजकीय विद्यालयों की सम्पूर्ण जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत स्कूल डैश-बोर्ड तैयार किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय ने राज्य के 13 जिलों में स्थित 16055 राजकीय विद्यालयों के सम्पूर्ण विवरण के साथ विद्यालयों के प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापक के साथ-साथ डैशबोर्ड के एडमिन को अपने लॉग-इन के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होने एवं उन्हें देखने की सुविधा प्रदान की गई है। वर्तमान में डैशबोर्ड पर 13 जिलों के 95 ब्लॉक में 16055 विद्यालयों में अध्ययनरत सम्पूर्ण छात्रों व शिक्षकों के साथ-साथ अवस्थापना सुविधाओं का विवरण अपलोड किया जा चुका है, जिसे सम्बन्धित स्कूल के प्रधानाचार्य ने यथा आवश्यकतानुसार अपने लॉग-इन ने संशोधित किया जा सकता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि नई तकनीकों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहे उत्तराखण्ड के लिए आज का यह अवसर विशेष है। उन्होंने कहा कि स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण न केवल उत्तराखण्ड की शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचार का प्रतीक है, बल्कि यह राज्य के हर बच्चे को गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

राज्य के तीन लाख से अधिक किसानों की बदलेगी किस्मत

- राज्य सरकार ने 2030-31 तक 11 पर्वतीय जिलों के लिए कुल 134.89 करोड की कार्ययोजना पर मुहर लगाई है

देहरादून, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। राज्य सरकार किसानों को परम्परागत खेती के बजाय नगदी फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। जिससे कुल मिलाकर 3 लाख 17 हजार से अधिक किसान लाभांवित होंगे।

राज्य सरकार किसानों को परम्परागत खेती के बजाय नगदी फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में राज्य कैबिनेट ने बीते दिनों मिलेट्स पॉलिसी, कीवी नीति और ड्रैगन फ्रूट खेती की योजना पर मुहर लगाई है, जिसमें कुल मिलाकर 3 लाख 17 हजार से अधिक किसान लाभांवित होंगे। उत्तराखण्ड स्टेट मिलेट्स पालिसी के तहत राज्य सरकार ने 2030-31 तक 11 पर्वतीय जिलों के लिए कुल 134.89 करोड रुपए की कार्ययोजना पर मुहर लगाई है। इसमें मण्डुवा, झंगोरा, रामदाना, कौणी एवं चीना उत्पादक किसानों को बीज एंव जैव उर्वरक पर 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, साथ ही कृषको को मिलेट की बुवाई करने पर पंक्ति बुवाई पर 4 हजार रुपये प्रति हैक्टेयर और सीधी बुवाई पर 2 दो हजार रुपये प्रति हैक्टेयर की प्रोत्साहन धनराशि दी जायेगी। मिलेट पॉलिसी के तहत प्रत्येक वर्ष विकासखण्ड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए 2 कृषक व समूह को पुरस्कार किया जायेगा। साथ ही प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर 1 मिलेट प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की जायेगी। योजना के तहत 3 लाख से अधिक किसानों को लाभ देने का लक्ष्य है। सरकार इसके तहत श्रीअन्न फूड पार्क की स्थापना भी करेगी। इसी तरह उत्तराखण्ड कीवी नीति के तहत वर्ष 2030-31 तक राज्य सरकार कीवी उघान स्थापना के लिए कुल लागत 12 लाख प्रति एकड़ का 70 प्रतिशत राजसहायता प्रदान करेगी। जिसमें 30 प्रतिशत लाभार्थी का अंश होगा। यह नीति भी हरिद्वार एवं उधमसिंहनगर को छोड़कर राज्य के शेष 11 जनपदों में लागू होगी। कीवी पालिसी के अन्तर्गत कुल 894 करोड रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है, नीति के तहत 3500 हैक्टेयर क्षेत्रफल को आच्छादित किए जाने का लक्ष्य है।

पुलिस ने क्रिकेट सट्टे के मुख्य बुकी को किया गिरफ्तार

देहरादून, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। पुलिस व एसओजी की टीम ने क्रिकेट में ऑनलाइन सट्टा लगाते एक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सटटे में प्रयोग होने वाली सामग्री बरामद कर ली। पुलिस ने उसके खाते मे जमा दो लाख रूपये भी प्रफीज करा दिये। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी अजय सिंह को गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि मोहब्बेवाला में एक व्यक्ति आईपीएल क्रिकेट मैचो में आंनलाईन सट्टे का कारोबार कर रहा है। प्राप्त सूचना पर एसएसपी ने एसओजी व कोतवाली पटेलनगर की टीम गठित कर कार्यवाही के निर्देश दिये गये। पुलिस टीम ने सूचना संकलन कर मोहब्बेवाला में दबिश दी गयी तो अखिल बंसल को प्रतिबन्धित गो एक्सचेंज एप्प के माध्यम से आईपीएल की मुम्बई तथा सनराईज हैदराबाद की क्रिकेट टीमो के मध्य चल रहे मैच मे आंन लाईन सट्टा खिलवाते हुये पाया गया। पुलिस ने मौके से उसको गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो मोबाईल फोन, एक रजिस्टर बरामद किया गया। आरोपी के बैक अकाउंट की जानकारी करने पर उसके एकाउण्ट में सट्टे से कमाये हुये 2 लाख रूपये जमा होने की जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुये उसके बैक अकाउंट को फ्रीज करवाया गया।

सुडोकू 6887 का हल

7	9	6	8	2	4	5	1	3
5	2	8	3	1	6	7	4	9
3	1	4	5	7	9	6	8	2
8	4	2	6	3	7	1	9	5
1	7	3	9	4	5	2	6	8
9	6	5	1	8	2	4	3	7
2	8	7	4	6	3	9	5	1
4	3	9	2	5	1	8	7	6
6	5	1	7	9	8	3	2	4

प्रादेशिकी

मवाना पुलिस ने दस दो पहिया के काटे चालान

मवाना, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर अपराधियों की धरपकड़ व वाहन चौकिंग के अभियान में गुरुवार को मवाना पुलिस ने नगर में गस्त के साथ-साथ टू व्हीलर के चालान काटे। सीओ अभिषेक पटेल के निर्देश पर थाना प्रभारी विशाल कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को नगर के मुख्य मार्ग व सुभाष बाजार पुलिस चौकी, थाना तिराहा, फ्लावदा टी पॉइंट, सुभाष चौक, मेरठ रोड पुलिस चौकी, पर वाहन चेकिंग अभियान चलवाया। जिसमें 10 टू व्हीलर के ऑनलाइन चालान किए गए। कई लोगों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। इस कार्यवाही से वाहन चालकों में हड़कंप मचा गया। थाना प्रभारी विशाल कुमार श्रीवास्तव ने फोर्स के साथ कस्बे में पैदल गस्त की व संदिग्ध व्यक्तियों की जामा तलाशी ली।

चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान संवेदना : योगी

■ एम्स गोरखपुर के परिसर में विश्राम सदन का किया भूमि पूजन व शलान्यास

44.34 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/गोरखपुर, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है। यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के परिसर में 500 लोगों की क्षमता वाले विश्राम सदन (रैन बसेरे) का भूमि पूजन-शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 44.34 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा।

इसका निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर निधि से कराया जा रहा है। शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान डॉक्टर के व्यवहार के माध्यम से संवेदना का केंद्र भी होता है। संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज भर्ती होने आता है तो उसके साथ कम से कम 3 या 4 अटेंडेंट होते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो कई बार अटेंडेंट की संख्या 10 तक हो जाती है। ऐसे में मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट को आश्रय की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 500 बेड के विश्राम सदन के शिलान्यास के साथ ही गोरखपुर एम्स को एक नई उपलब्धि प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स गोरखपुर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2016 में किया था। 2019 में एम्स गोरखपुर का पहला मैच एडमिशन लिया था और 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एम्स का लोकार्पण किया था। 2016 में जो बीज एम्स के रूप में गोरखपुर में रोपा गया था, आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीड़ितों को आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एक नया जीवनदान देने का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर में होगा, यह एक कल्पना मात्र लगती थी। हम लोग 2003 से इस आवाज को उठा रहे थे। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे। एम्स दिल्ली के बाहर भी स्थापित होंगे, इसके लिए उन्होंने छह एम्स की घोषणा की थी। पर, उसके बाद यह क्रम थम सा गया। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास के मंत्र का साकार रूप स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। देश के अंदर 22 नए एम्स पीएम मोदी के कार्यकाल में, 10 वर्षों में बने हैं या बन रहे हैं। उनमें से गोरखपुर एम्स भी एक है।

गोरखपुर में एम्स बने, इसके लिए 2003 में उठाई गई आवाज को 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकार दिया। मुख्यमंत्री ने करीब डेढ़ वर्ष पहले लखनऊ में एसजीपीजीआई के अपने दौरे के दौरान सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों को देख उनकी व्यवस्था के लिए अटेंडेंट शेल्टर होम बनाने के निर्देश दिए थे। मन में आया कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू, बीएचयू में और एम्स गोरखपुर में पेशेंट अटेंडेंट के लिए कोई केंद्र बनने चाहिए। इसकी जिम्मेदारी अवनीश अवस्थी को दी गई। उन्होंने प्रयास शुरू किए तो पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल के लिए तीन रैन बसेरे दिए। पावर मिनिस्ट्री के सहयोग से एम्स गोरखपुर के लिए रैन बसेरा स्वीकृत हुआ। योगी आदित्यनाथ ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 20 साल पहले इंसेफेलाइटिस के पीक समय में शुरू किए गए तीमारदारों के भोजन के लिए रियायती मॉडल का भी उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज इंसेफेलाइटिस हॉटस्पॉट था। वहां पर समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पेशेंट आते थे। वहां पर बड़ी अव्यवस्था देखने को मिलती थी। लोगों के पास खाने के लिए भोजन नहीं होता था। उस समय हम लोगों ने एक स्वयंसेवी संस्था से मिलकर व्यवस्था कराई थी।

वर्तमान में एम्स गोरखपुर की ऑक्युपेंसी 75 से 80 प्रतिशत

योगी ने कहा कि वर्तमान में एम्स गोरखपुर की ऑक्युपेंसी 75 से 80 प्रतिशत है। आईसीयू, क्रिटिकल केयर और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती होने वाले मरीज के परिजन उनके साथ नहीं रह सकते। उन्हें बाहर ही रहना पड़ता है। इस कैम्पस में कम से कम 1200 लोग ऐसे होंगे जिनको बाहर जहां-तहां सिर छुपाने के लिए पटरी पर, सड़कों के किनारे या फिर किसी अन्य जगह पर जाकर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति खुले में गर्मी, सर्दी या बारिश झेलने को मजबूर हो तो यब अमानवीय लगता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम अपना मानवीय स्वरूप बनाएं और उन लोगों के बारे में सोचा जो अपने मरीज की पीड़ा के साथ यहां पर जुड़े हुए हैं। विश्राम सदन के रूप में हम ऐसी व्यवस्था बनाएं जहां पर अटेंडेंट को मिनिमम यूजर चार्ज पर रहने और सस्ते कैंटीन की सुविधा हो।

व्यापारियों ने काली पट्टी बांध साप्ताहिक पैंठ का किया विरोध

■ पंचायती धर्मशाला में व्यापारि व सामाजिक संगठनों की बैठक
■ पैदल मार्च व सांकेतिक धरना आज

मवाना, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। स्थानीय पंचायती धर्मशाला में आवश्यक बैठक हुई जिसमें मवाना के समस्त व्यापार संगठन सामाजिक संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता जुटे। बैठक में सचिन कौशिक, शैवाल दुबलिश प्रवीण जैन, भूपेंद्र त्यागी, विनय दुबलिश ने विचार व्यक्त किए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया शुक्रवार को सुबह 10 बजे बजे से शाम 4 बजे तक समस्त व्यापारी अपने हाथ पर काली पट्टी बांधकर दुकान पर बैठेंगे जबकि शनिवार को सुबह 10 बजे काली पट्टी बांधकर पंचायती धर्मशाला बस स्टैंड पर इकट्ठे होंगे वहां से सभी व्यापारी सामाजिक संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता मवाना नगर पालिका परिषद तक पैदल मार्च करेंगे और वहां पर सांकेतिक धरना दिया जाएगा। उसके बाद तहसील समाधान दिवस पर डीएम को समूहिक रूप से समस्त व्यापार संगठन सामाजिक संगठन के लैटर पैड पर ज्ञापन सौपा जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि

यदि सप्ताहिक पैठ लगती है उसे निरस्त किया जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 23 अप्रैल को नगर पालिका परिषद की बोर्ड की बैठक होगी उसमें सभी व्यापारी एकत्र होकर नगर पालिका में धरने पर बैठेंगे और पैठ के ठेका यदि निस्तारण नहीं हुआ तो व्यापारी अपनी दुकान की चाबियां अधिकारियों को सौंप देंगे।

बैठक का संचालन अमर रस्तोगी ने किया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष सचिन कौशिक व्यापार संगठन से विनय कुमार दुबलिश, शैवाल दुबलिश, सुशील रस्तोगी भूपेंद्र त्यागी, रवि मलिक, प्रवीण कुमार जैन, रजनीश रोहल, राजेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, नवनीत रस्तोगी, योगेश सहगल, विनोद गुप्ता, रवि रस्तोगी एडवोकेट, संजीव रस्तोगी, योगेश शर्मा, मोहित रस्तोगी, मनोज गुप्ता, सहित सैकड़ो व्यापारी उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

पालिका परिषद बोर्ड बैठक 23 को

मवाना। नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक 23 अप्रैल को आरओ वाटर प्लांट स्थित सभागार में होगी। बैठक में मुख्य रूप से नगर में प्रत्येक रविवार को लगने वाली साप्ताहिक पैंठ का ठेका छोड़ने पर विचार विमर्श किया जाएगा। चेयरमैन अखिल कौशिक ने बताया कि बैठक में सर्व प्रथम गत बोर्ड बैठक की पुष्टि की जाएगी व उसके उपरांत साप्ताहिक पैंठ का ठेका छोड़ने को लेकर सदन में विचार विमर्श किया जाएगा।

सोशल मीडिया बन रहा पतियों की हत्या का कारण : साध्वी प्राची

मेरठ। साध्वी प्राची ने मेरठ के कमिश्नर चौराहे पर मीडिया से बातचीत में कहस कि आजकल महिलाएं घरों में सारा दिन रील देखती हैं और उसी का परिणाम है कि पतियों की हत्या हो रही है। शादी करके 20 दिन में छोड़ना फैशन बनता जा रहा है। सरकारी नौकरी वाला लड़का ढूंढेंगे फिर करोड़, दो करोड़ रुपए लेकर छोड़ देंगे। इसलिए लड़के सुसाइड कर लेते हैं। वह एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई थीं। औरंगजेब की औलादों को वक्फबिल से दिक्कत हो रही है। सौरभ और अमित हत्याकांड पर साध्वी ने कहा कि पश्चिमी यूपी में ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसा लग रहा है कि पश्चिम की संस्कृति वेस्ट यूपी में पहुंच गई है। पश्चिम के संस्कार घरों में घुस रहे हैं। ये सब रील बनाने के कारण हो रहा है।

प्रशासन से अवैध कब्जा हटाने की मांग तेज

फर्रुखाबाद। ग्राम भोजपुर थाना कमालगंज के नागरिकों की सामूहिक आस्था का प्रतीक रही होली की सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। गांव के निवासी धीर सिंह पुत्र हरिराम ने इस संबंध में चौकी इंचार्ज भोजपुर को एक लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। जिस स्थान पर हर वर्ष गांव की होली जलाई जाती है और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, उस भूमि पर विनेश पुत्र जगीश और उनकी पत्नी शीतला देवी द्वारा जानबूझकर कब्जा कर लिया गया है। वहां खूट, टिनशेड व जानवर बांधने की व्यवस्था कर दी गई है। इससे न केवल धार्मिक स्थल पर संकट उत्पन्न हो गया है, बल्कि गांव की वर्षों पुरानी परंपरा भी खतरे में पड़ गई है।

विद्युत संघर्ष समिति ने ब्रजेश पाठक को दिया ज्ञापन

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने शुक्रवार को बिजली के निजीकरण के विरोध में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे , पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और कई विधायकों को ज्ञापन दिया। संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि वह ट्रांजेक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा की फाइल को दबाए हुए हैं और कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के लिये अवैध ढंग से नियुक्त किए गए ट्रांजेक्शन कंसलटेंट मेसर्स ग्रांट थॉर्टन द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद की। उस पर अमेरिका में 40 हजार डॉलर की पेनल्टी लगी है, इंजीनियर आफ द कांट्रेक्ट ने अनुशंसा की है कि ग्रांट थॉर्टन को ब्लैक लिस्ट किया जाय और ग्रांट थॉर्टन की ट्रांजेक्शन कंसल्टेंट के रूप में की गई नियुक्ति का आदेश रद्द किया जाए।

ममता का पुतला जलाने पहुंचे हिंदूवादी संगठन

■ पुलिस ने कार्यकर्ताओं को थाने में बैठाया

मेरठ, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। ममता बैनर्जी का पुतला जलाने पहुंचे हिंदूवादी संगठनों का दौड़ा दिया गया। ये लोग कमिश्नरी चौराहे पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बैनर्जी का पुतला दहने करने पहुंचे थे। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और कार्यकर्ताओं को बंगाल सीएम का पुतला फूंकने से रोका। कार्यकर्ता नहीं माने और पुतला लेकर दौड़ गए। उनके पीछे पुलिस भी दौड़ी। कार्यकर्ताओं को लेकर पुलिस सिविल लाइन थाने पहुंची है। शुक्रवार को हिंदूवादी संगठनों द्वारा पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बैनर्जी के पुतला फूंकने का कार्यक्रम था। पहले से तय आयोजन के लिए सुबह से ही कार्यकर्ता जुटने लगे। तभी वहां पुलिस भी पहुंच गई। हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही ने कहा कि पुलिस ने हमें पुतला दहन करने से रोका और लेकर थाने आ गई है। सिविल लाइन थाने पर पुलिस पहुंची है। बंगाल में हो रही हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का मेरठ में पुतला फूंका गया। आगे आगे पुतला फूंकने वाले और पीछे पुलिस दौड़ती रही। इसके बावजूद पुलिस पुतला फूंकने से रोक नहीं पाई। कमिश्नरी चौराहे पर पुलिस को चकमा देकर अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी का पुतला जलाया।

सुभारती मेडिकल कॉलेज में कार्यशाला आयोजित

■ बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन विषय पर चर्चा
■ चिकित्सा शिक्षा को बेहतर बनाना रहा कार्यशाला का उद्देश्य

मेरठ, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। सुभारती मेडिकल कॉलेज के मेडिकल एजुकेशन यूनिट में बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा को बेहतर बनाना और चिकित्सा फैकल्टी को अत्याधुनिक विधियों व तकनीकी कौशल के माध्यम से सुचारू रूप से समझने और सीखने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल एजुकेशन के रीजनल नोडल सेन्टर मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज नई दिल्ली की एनएमसी कोऑर्डिनेटर एवं पर्यवेक्षक डॉ. शिखा सिंह, सुभारती मेडिकल कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ.सत्यम खरे, मेडिकल एजुकेशन कोऑर्डिनेटर डॉ. सुरभी गुप्ता व अन्य सदस्य डॉ. राहुल बंसल, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. अनिता पांडे, डॉ. अंजली खरे, डॉ. शशांक मिश्रा, डॉ. भावना रस्तोगी, डॉ. वर्षा चौधरी, डॉ. पीतम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। एनेस्थीसिया विभागाध्यक्षा डॉ.भावना पन्त ने एनएमसी कोऑर्डिनेटर एवं पर्यवेक्षक डॉ. शिखा सिंह का स्वागत किया और सुभारती मेडिकल कॉलेज के मेडिकल एजुकेशन यूनिट के सभी सदस्यों का परिचय कराया। इसके अतिरिक्त एटकॉम की आवश्यकता और उपयोगिता, स्व निर्देशित शिक्षा, नैदानिक एवं व्यवहारिक कौशल तथा मूल्यांकन योजना विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

इसी श्रंखला में पाठ एवं पाठ्य योजना, सीखने और सिखाने की कला एवं प्लान, नेटवर्किंग, मॉनिटरिंग, प्रारूपण आदि विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यशाला के अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों को सुभारती अस्पताल स्थित स्किल लैब में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रतिभागियों को उत्साहित देखा गया। कार्यशाला के प्रारम्भ में प्रतिभागियों के कौशल का प्री टेस्ट लिया गया था।

कार्यशाला में 30 प्रतिभागियों ने लिया भाग

इस कार्यशाला में क्लीनिकल एवं पैरा क्लीनिकल विभाग के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक चली इस कार्यशाला में डॉ. राहुल बंसल, डॉ. अंजली खरे, डॉ अनीता पांडे, डॉ. भावना रस्तोगी, डॉ. शशांक मिश्रा, डॉ. सत्यम खरे, डॉ. वर्षा चौधरी एवं डा. पीतम सिंह ने चिकित्सा शिक्षा में समूह की गतिशीलता, सीखने के सिद्धांत, सीखने का उद्देश्य, शिक्षको के सीखने की विधियां, मूल्यांकन व आकलन विषयों पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए।

तेज रफ्तार कार ने मासूम को कुचला

मेरठ, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। कंकरखेड़ा क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गांव नगला ताशी में तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर खेल रही ढाई साल की बच्ची को कुचल दिया। घटना शुक्रवार सुबह की है। जावेद की बेटी आनिया घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान गांव का रहने वाला फैजान अपनी तेज रफ्तार कार से वहां आया। उसने बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। बच्ची की चीखें सुनकर उसकी मां रहेला मौके पर पहुंची। रहेला ने जब कार चालक का विरोध किया तो फैजान के साथी आसिफ ने उन पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने महिला को बचाया। घायल बच्ची को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत अभी गंभीर बनी हुई है। पीड़ित मां ने कार चालक फैजान और उसके साथी आसिफ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है।

महिलाओं से ठगी करने वाले विकलांग अधिकारी को पकड़ा

मेरठ, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। आवास योजना के तहत मकान बनवाने के नाम पर 12 साल पहले महिलाओं से ठगी करने वाले कथित विकलांग अधिकारी को महिला ने पकड़ा और हाई वोल्टेज हंगामा कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम महिला व कथित अधिकारी को थाने ले आई और पूछताछ की।

दरअसल बिजनौर जिले के हल्दौर थानाक्षेत्र के गांव चांदा नंगली की रहने वाली महिला कमलेश पत्नी पुष्पेंद्र और उसके परिवार की अन्य महिलाओं से बारह वर्ष पूर्व मीरापुर के कैथोडा गांव के रहने वाले मंशाद पुत्र जाहिद ने आवास विकास का सीडीआई बनकर लगभग 18000 रुपए की ठगी पक्का मकान बनवाने के नाम पर कर ली थी। पैसे ऐंठने के बाद मंशाद द्वारा अपने फोन नंबर वगैरह बंद लिए गए थे और वो फरार हो गया था। महिला कमलेश कुछ महीनों से परिवार के साथ मवाना के मौहल्ला हीरालाल के रामबाग इलाके में किराए के मकान पर रह रही है। शुक्रवार को कमलेश तहसील रोड़ पर किसी काम से जा रही थी कि तभी एक पान के खोके पर मंशाद बैठा दिखाई दिया। महिला ने मंशाद को वहीं पकड़ लिया और जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा करना शुरू कर दिया साथ ही पुलिस कंट्रोल रूम 112 पर सूचना देकर फैंटम बुलवा ली।

■ पक्का मकान बनवाने के नाम ठगी का मामला

कार की भिड़ंत में बाइक सवार की मौत

फर्रुखाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। राजेपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक कार की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार पति की दर्दनाक मौत हो गई तथा पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले के अमृतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनपुर गुजरपुर निवासी ज्ञान प्रकाश दुबे उम्र करीब 56 वर्ष, अपनी पत्नी सुमन के साथ बाइक से अपनी बेटी की ससुराल से घर वापस लौट रहे थे।

शुक्रवार प्रात: राजेपुर थाना क्षेत्र के रामगंगा पुल से गुजर रहे थे तभी इस समय पीछे से आई तेज रफ्तार वाली एक कार की जोरदार भिड़ंत बाइक से हो गई, फलस्वरुप दो प्राइवेट विद्यालयों के संचालक बाइक सवार पति ज्ञान प्रकाश दुबे और उनकी पत्नी सुमन दूर जाकर गिरे।

इस सड़क हादसे के गंभीर रूप से अचेतावस्था में घायल पति-पत्नी दोनों को राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां सरकारी चिकित्सक ने ज्ञान प्रकाश दुबे को मृत घोषित कर दिया।

विकसित राष्ट्र के लिए एक देश एक चुनाव जरूरी : मुकेश राजपूत

फर्रुखाबाद, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। शुक्रवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के ढिलवाल रोड पर बधार तिराहा स्थित प्रभु पैलेस में अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के तत्वाधान में एक राष्ट्र एक चुनाव पर संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत एवं विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने कार्यक्रम में आयोजित प्रबुद्ध जनों को संबोधित किया।

मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत ने कहा भारत को विकसित करने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव होना आवश्यक है यह मुद्दा किसी विशेष पार्टी और व्यक्ति का नहीं है बल्कि यह राष्ट्र के नव निर्माण के लिए जरूरी है भारत में समय-समय पर विधानसभा और लोकसभा के चुनाव अलग-अलग होते हैं जिसके कारण अत्यधिक समय की बर्बादी एवं अत्यधिक पैसा खर्च होता है एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होने से विकास की गति में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण तभी हो सकता है जब विकास की गति में किसी भी प्रकार की कोई रुकावट ना आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की यह एक अच्छी पहल है।

■ एक राष्ट्र एक चुनाव पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

आयोजन | विद्या यूनिवर्सिटी में धूमधाम से 'इनफिनिटी 2025-द ग्रेजुएट फैशन शो' संपन्न

रैंप पर दिखा विद्यार्थियों के डिजाइनर कलेक्शन का जलवा

मेरठ, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। मेरठ। विद्या इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी कॉलेज के फैशन विभाग का वार्षिक कार्यक्रम 'इनफिनिटी 2025-द ग्रेजुएट फैशन शो' का आयोजन धूमधाम से हुआ। विद्यार्थियों के डिजाइन किए परिधानों को मॉडल ने रैंप पर उतारा तो दर्शकों ने खूब प्रशंसा की। एक से बढ़कर एक नए डिजाइन कलेक्शन ने साबित किया कि फैशन डिजाइनिंग में विद्या के विद्यार्थियों का कोई मुकाबला नहीं।

■ किड्स वियर के प्रदर्शन ने बच्चों में फैशन की नई परिभाषा गढ़ी

किड्स वियर के प्रदर्शन ने बच्चों में फैशन की नई परिभाषा गढ़ दी। इस पर सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। फैशन शो में अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने पहुंचे शहर की गणमान्य हस्तियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की तारीफ की और उनका उत्साहवर्धन किया। विद्या नॉलेज पार्क के विद्या इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी विभाग का कार्यक्रम 'इनफिनिटी 2025-द ग्रेजुएट फैशन शो' धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के

रूप में एडिशनल सचिव एआईयू, एमओई डॉ.ममता रानी अग्रवाल मौजूद रहे। वी.आ.ई.एफ.टी. निदेशक डॉ. रीमा वार्ष्णेय ने विद्या यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रदीप कुमार जैन, प्रो. चांसलर विशाल जैन, कुलपति डॉ. हिरेन दोशी सहित सभी अतिथियों का स्वागत पौध भेंट कर किया। दीप प्रज्ज्वलन एवं विद्यागान के बाद उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ. ममता रानी अग्रवाल ने कहा कि आज ऐसी शिक्षा की जरूरत है जिससे विद्यार्थी इंडस्ट्री में जाकर नौकरी प्राप्त कर सकें।

इससे विद्यार्थी स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयोगात्मक की जरूरत है और इस दिशा में विद्या काफी सकारात्मक कार्य कर रहा है। चांसलर प्रदीप कुमार जैन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विद्या नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पूरे एनसीआर और पश्चिमी उप्र में विद्या का फैशन कॉलेज अग्रणी संस्थान है। प्रो.चांसलर विशाल जैन ने कहा कि इन आयोजनों से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ता है, उनकी मेधा दुनिया देखती है। विद्या प्रयोगात्मक शिक्षा में यकीन करता है और आज इसका परिणाम सभी के सामने है। इसके बाद धमाकेदार संगीत की धुन पर फैशन शो शुरू हुआ। इसमें विभिन्न मॉडल ने विद्यार्थियों के तैयार किये परिधानों को रैप पर उतारा और नये डिजाइन का प्रदर्शन कर जलवा बिखेरा। मॉडल ने रिसार्ट वियर, कैजुअल वियर, पार्टी वियर, पार्टी फॉरमल, इवनिंग वियर, इंडो-वेस्टर्न वियर परिधानों को रैंप पर प्रदर्शित किया। अत्याधुनिक कलेक्शन की शानदार प्रस्तुति की दर्शकों ने खूब प्रशंसा की। वहीं न्यू टैलेंट शो के तहत बीफैड तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने टरबो चार्जड्, सीक, कैंडी लैंड, एक्का जंगल, डिजनी लैंड आदि थीम पर विभिन्न कैटेगरी के किड्स वियर प्रदर्शित किए। कार्यक्रम के अंत में बेस्ट कॉमर्शियल कलेक्शन, बेस्ट सर्फेस ओरनामेंटेशन और बेस्ट डिजाइन कलेक्शन -2025 कैटेगरी में तीन सर्वश्रेष्ठ पुरस्कारों की घोषणा की गई। अन्त में फैशन कॉलेज की निदेशक डॉ.रीमा वार्ष्णेय ने सभी अतिथियों, दर्शकों और विद्यार्थियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि विद्या में विद्यार्थी प्रयोगात्मक शिक्षा ग्रहण करते हैं। फैशन शो विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

त्रिदिवसीय संत सम्मेलन आयोजित

मवाना, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर के दयानंद बाजार में चल रहे थे त्रिदिवसीय संत सम्मेलन के दूसरे दिन अलग अलग स्थानों से आए संतों ने अपने प्रवचन और भजनों को भक्तों को सुनाया। त्रि दिवसीय सम्मेलन में अंबाला से आए स्वामी कैलाश स्वरूपानंद जी महाराज ने बताया कि मेरठ का नीला ड्रम अब पूरी दुनिया में फेमस हो गया है। महाराज जी ने बताया कि घर को स्वर्ग और नर्क बनाने में सबसे बड़ा घर की देवी का हाथ होता है, अगर घर की बहू के संस्कार अच्छे हैं वह घर को स्वर्ग बना सकती है, अगर उसके संस्कार अच्छे नहीं तो घर को नर्क बना देती है, महाराज जी ने बताया कि अगर बहू शादी से पहले बीती जिंदगी को भी अबकी जिंदगी में शामिल करती है तो वहां अनर्थ होना ही है। अगर हमें इन सब से बचना है तो हम अध्यात्म की ओर बढ़ना होगा। सनातन धर्म में लिखित ग्रंथों की पढ़ना होगा।

देशबन्धु | नई दिल्ली, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

अनुपम खेर ने 23 साल बाद पहनी डायरेक्टर की टी-शर्ट, बोले - 'तन्वी के किस्से सुनाता रहूंगा'

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता अनुपम खेर 'तन्वी द ग्रेट' के साथ 23 साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर वापस आ चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि तन्वी की कहानी उनके दिल और आत्मा से निकली है। फिल्म से जुड़ी किस्से-कहानियां प्रशंसकों को सुनाते रहेंगे। इंस्टाग्राम पर तस्वीर को शेयर करते हुए अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, 'मुझे 23 साल लग गए निर्देशक की टी-शर्ट दोबारा पहनने में! पहली फिल्म 'ओम जय जगदीश' को डायरेक्ट करना मुझे अच्छा लगा था। मेरा जो सामर्थ्य था, उस हिसाब से फिल्म बनाई थी, पर उस फिल्म की कहानी मेरी नहीं थी। 'तन्वी द ग्रेट' की कहानी मेरे दिल और आत्मा से निकली है, और फिर पिछले 23 साल में जिंदगी ने बहुत कुछ सिखाया भी है।

खानपान की आदतों में सुधार से 50 प्रतिशत तक कम हो सकती है लिवर की बीमारी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मेडिकल विशेषज्ञों ने शुक्रवार को इस बात पर प्रकाश डाला कि लिवर की सेहत और हमारे खान-पान में अहम संबंध है। अगर हम अपनी जीवनशैली में हेल्दी बदलाव ला सकते हैं तो लिवर से जुड़ी बीमारियों को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

वर्ल्ड लिवर डे (19 अप्रैल) से पहले डॉक्टरों ने बताया कि हमारे खाने में ही सेहत का खजाना छुपा है। आजकल शहरों के साथ-साथ गांवों में भी लिवर से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। पहले लिवर की बीमारी का कारण ज्यादातर शराब माना जाता था, लेकिन अब बिना शराब पिए भी लोग 'नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज' से पीड़ित हो रहे हैं। इसका कारण है गलत खानपान, मोटापा और शारीरिक गतिविधियों की कमी।

> लिवर ट्रांसप्लांटेशन सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. संजीव सैगल कहते हैं, 'करीब 50 प्रतिशत लिवर की बीमारियां सिर्फ खाना सुधारने से रोकी जा सकती हैं। शराब, प्रोसेस्ड फूड और आलसी जीवनशैली से लिवर को जो नुकसान होता है, वो सही खानपान से ठीक भी किया जा सकता है।'

'फ्रंटियर्स इन न्यूट्रीशन' नाम की पत्रिका में छपी एक एक बड़ी रिसर्च बताती है कि जो लोग ऐसी चीजें खाते हैं जिनसे शरीर में सूजन बढ़ती है (जैसे तली-भुनी और प्रोसेस्ड चीजें), उनमें लिवर की गंभीर बीमारी होने का खतरा 16 फीसदी ज्यादा रहता है, जिसमें क्रोनिक लिवर डिजीज (सीएलडी) शामिल है। इसके उलट, मेडिटेरेनियन डाइट और अच्छा पोषण वाला खाना खाने वालों में यह खतरा कम हो जाता है।

लिवर ट्रांसप्लांटेशन सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. संजीव सैगल कहते हैं, 'करीब 50 प्रतिशत लिवर की बीमारियां सिर्फ खाना सुधारने से रोकी जा सकती हैं। शराब, प्रोसेस्ड फूड और आलसी जीवनशैली से लिवर को जो नुकसान होता है, वो सही खानपान से ठीक भी किया जा सकता है।' लिवर में खुद को ठीक करने की जबरदस्त क्षमता होती है। अगर समय रहते सही जीवन शैली अपनाई जाए तो सालों की हुई क्षति को भी वापस सुधारा जा सकता है। अगर हम ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन खाएं तो न केवल बीमारी से बच सकते हैं, बल्कि लिवर की मरम्मत भी हो सकती है।

डॉ. सैगल कहते हैं, 'जब मरीज साफ-सुथरा और संतुलित खाना खाना शुरू करते हैं, तो लिवर की स्थिति बेहतर हो जाती है, शरीर में ऊर्जा लौट आती है और लंबे समय तक अच्छा स्वास्थ्य बना रहता है। इसके लिए जरूरी है कि हम खाने के पैकेट की जानकारी पढ़ें और प्रोसेस्ड फूड कम खाएं।' अगर हम ताजे फल-सब्जी, घर का खाना, भरपूर पानी और सोच-समझ कर भोजन अपनाएं, तो लिवर की बीमारी से बचे रह सकते हैं। पर चीनी से भरे पेय, जंक फूड और फास्ट फूड लिवर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। 'न्यूट्रिएंट्स' नाम की पत्रिका में छपी एक और रिसर्च बताती है कि जो मोटे बच्चे बहुत ज्यादा मीठे और प्रोसेस्ड फूड खाते हैं, उन्हें 'एमएएसएलडी' नामक लिवर की बीमारी हो रही है।

इन बच्चों के शरीर में बहुत ज्यादा 'फ्रुक्टोज' (जो मीठे ड्रिंक्स और स्नैक्स में होता है) जमा हो जाता है, जिससे लिवर में चर्बी और इन्सुलिन की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए बच्चों के खाने में से अतिरिक्त चीनी को कम करना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि लिवर की बीमारियों को रोका जा सके।

63 वर्ष की हुई पूनम ढिल्लों

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री आज 63 वर्ष की हो गई। पूनम ढिल्लों का जन्म 18 अप्रैल 1962 को उत्तरप्रदेश के कानपुर में हुआ था। उनके पिता अमरीक सिंह भारतीय वायु सेना में विमान इंजीनियर थे। पूनम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा चंडीगढ़ कार्मेल कान्वेंट हाई स्कूल से पूरी की। 1977 में पूनम ढिल्लो को अखिल भारतीय सौन्दर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का अवसर मिला, जिसमें वह पहले स्थान पर आईं। इस बीच पूनम की खूबसूरती से प्रभावित होकर निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा ने अपनी फिल्म त्रिशूल में उनसे काम करने की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इस पेशकश को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी में कार्यरत उनके करीबी दोस्त गार्गी ने उन्हें समझाया कि फिल्मों में काम करना कोई बुरी बात नहीं है। पूनम ढिल्लो के परिजनों ने उन्हें इस शर्त पर फिल्मों में काम करने की इजाजत दी कि वह स्कूल की छुट्टियों के दौरान ही फिल्मों में एक्टिंग करेंगी।

> पूनम ढिल्लों का जन्म 18 अप्रैल 1962 को उत्तरप्रदेश के कानपुर में हुआ था

फिल्म त्रिशूल में पूनम को संजीव कुमार, शशि कपूर और अमिताभ बच्चन जैसे धुरंधर सितारों के साथ काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में उन्होंने संजीव कुमार की बेटी की भूमिका निभाई, जो अभिनेता सचिन से प्रेम करती है। फिल्म में उन पर फिल्माया गया गाना गप्पूजी उन दिनों युवाओं के बीच क्रेज बन गया था। फिल्म त्रिशूल ..टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी इसके बाद कई फिल्मकारों ने पूनम ढिल्लों से अपनी फिल्म में काम करने कीपेशकश की लेकिन उन्होंने उन सारे प्रस्तावों को ठुकरा दिया क्योंकि वह अभिनेत्री नहीं बनना चाहती थी इस बीच उन्होंने मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेना चाहा लेकिन उनके बड़े भाई ने उन्हें हतोत्साहित कर दिया इसके बाद पूनम ढिल्लो की तमन्ना भारतीय विदेश सेवा में काम करने की हो गयी और वह परीक्षा की तैयारी में जुट गयी। वर्ष 1979 में यश चोपड़ा के ही बैनर तले बनी फिल्म नूरी में पूनम को काम करने का अवसर मिला। बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की कामयाबी ने न सिर्फ उन्हें बल्कि एक्टर फारूख शेख को भी स्टार के रूप में स्थापित कर दिया। फिल्म नूरी की सफलता के बाद पूनम ने यह निश्चय किया कि वह फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेस के रूप में ही अब अपनी पहचान बनाएंगी।

पूनम ढ़िल्लों ने इसके बाद राजेश खन्ना के साथ 'रेड रोज', जितेन्द्र के साथ 'निशाना' और राजकपूर के बैनर तले बनी फिल्म बीबी और बीबी में काम किया लेकिन ये फिल्में असफल हो गईं। पूनम का करियर डूबने लगा लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपना संघर्ष जारी रखा।

गुरु रंधावा ने एल्बम 'विदाउट प्रेजुडिस' से रिलीज किया 'कतल' का वीडियो

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। रैपर-सिंगर गुरु रंधावा ने अपने एल्बम 'विदाउट प्रेजुडिस' के नौ गानों के ऑडियो वर्जन को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बीच 'कतल' का ऑफिशियल वीडियो रिलीज कर दिया है। इस वीडियो में उनके साथ साउंडूस मौफकिर भी हैं। रंधावा ने इसे वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के सहयोग से तैयार किया है। इस गाने को गुरु रंधावा ने खुद गाया है, जबकि इसके बोल उन्होंने गिल मछराई के साथ मिलकर लिखे हैं।

'कतल' की थीम पर नजर डालें तो यह एक महिला की खूबसूरती की झलक को बयां करती है, जिसे गुरु रंधावा ने अपनी आवाज में पेश किया है। इसमें एक महिला की खूबसूरती की तुलना एक हथियार की धार से की गई है। इस वीडियो का निर्देशन मशहूर कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने किया है। 'विदाउट प्रेजुडिस' को गुरु रंधावा का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है। पंजाबी म्यूजिक को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाले गुरु इस एल्बम में पारंपरिक रंगों को आधुनिक संगीत के साथ मिलाकर पेश करते हैं। गुरु रंधावा ने हाल ही में अपना पहला एल्बम 'विदाउट प्रेजुडिस' लॉन्च किया है। रंधावा ने बताया कि 'विदाउट प्रेजुडिस' भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ गीत बनाने का उनका पहला प्रयास है, जिसे लेकर वह रोमांचित हैं।

> 'कतल' की थीम पर नजर डालें तो यह एक महिला की खूबसूरती की झलक को बयां करती है

उन्होंने वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर भारतीय संगीत और वैश्विक संगीत के बीच की खाई को पाटने का काम किया है। अपने एल्बम पर प्रकाश डालते हुए रंधावा ने कहा कि यह नए अंदाज में एक भारतीय गीत है और इसे हर कोई पसंद करेगा। नौ ट्रैक वाले एल्बम के बारे में उन्होंने बताया, 'इस बार मेरे गायन में बहुत कुछ नया है और यह कह सकते हैं कि मेरे गायन का प्रवाह बदल चुका है। गीत में इस्तेमाल होने वाले कंटेंट यूनिवर्सल हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर हरी मिर्च

भोजन का बढ़ाए स्वाद तो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अपने निबंध 'अशोक के फूल' में कहा है, 'मिर्च बिना, जिंदगी में स्वाद नहीं' वहीं, आयुर्वेद कहता है कि औषधीय गुणों से भरपूर मिर्च केवल भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी उत्तम है। मिर्च के सेवन से अनेकों लाभ मिलते हैं।

> मिर्च में विटामिन ए, सी, के और फीटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। हरी मिर्च में बीटा कैरोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं। इसके सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है। हृदय रोगों, सिरदर्द, थकान, अनिद्रा के साथ शरीर को डिटॉक्स करने का भी काम करता है : डॉ. प्रमोद आनंद तिवारी

मिर्च का तीखापन न हो तो खाने से चटपटापन ही खत्म हो जाएगा। हालांकि, आयुर्वेद में मिर्च का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। आयुर्वेदाचार्य बताते हैं कि हरी मिर्च में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। यदि एक हरी मिर्च का सेवन नियमित रूप से किया जाए तो यह काफी फायदेमंद होता है।

हरी मिर्च के औषधीय गुणों को गिनाते हुए पंजाब स्थित 'बाबे के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल' के डॉ. प्रमोद आनंद तिवारी ने बताया कि इसमें विटामिन ए, सी, के और फीटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। हरी मिर्च में बीटा कैरोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं। इसके सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है। हृदय रोगों, सिरदर्द, थकान, अनिद्रा के साथ शरीर को डिटॉक्स करने का भी काम करता है। डॉक्टर तिवारी ने मिर्च के सेवन से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देते हुए बताया, 'मिर्च को आयुर्वेद में 'कुमऋचा' के नाम से जाना जाता है। इसका सेवन स्वास्थ्य को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। हरी मिर्च के सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है। पाचन तंत्र दुरुस्त होता है और इससे आंतों में जमने वाले बैक्टीरिया भी दूर होते हैं। हरी मिर्च में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो संक्रमण को भी दूर करते हैं। हरी मिर्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करती है।' उन्होंने आगे बताया, 'रोजाना हरी मिर्च के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और कैप्सैसिन नामक तत्व की वजह से शरीर का तापमान सामान्य रहता है। मिर्च हृदय रोगों में भी फायदेमंद है।'

डॉक्टर तिवारी ने बताया कि मिर्च का सेवन ज्यादा नहीं करना चाहिए, अन्यथा पेट में जलन की शिकायत हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि बवासीर के मरीजों को लाल मिर्च के सेवन से बचना चाहिए। हालांकि, हरी मिर्च के सेवन से कोई समस्या नहीं होती।

'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ फिल्म नहीं, एक अधूरा हिसाब और इंसाफ है : अक्षय कुमार

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक जालियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में वकील सी. शंकरन नायर की भूमिका निभा रहे अभिनेता अक्षय कुमार ने एक पोस्ट में बताया कि 'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ फिल्म नहीं, यह एक अधूरा हिसाब और इंसाफ है।

इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेता ने बताया कि 'केसरी चैप्टर 2' की कहानी एक तूफान है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'कहानियां बहुत सुनी होंगी आपने, पर यह एक तूफान है। सी. शंकरन नायर की इस कहानी ने मुझे झकझोर दिया क्योंकि हम नहीं जानते थे कि जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद किसी एक व्यक्ति ने पूरे ब्रिटिश अंपायर को अदालत में घसीट कर घुटनों पर ला दिया था।'

> 'मैं 'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय के तौर पर कर रहा हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, यह एक अधूरा हिसाब है, यह एक दर्दनाक याद है और आखिरकार हमें मिला इंसाफ है : अक्षय कुमार

अभिनेता ने बताया कि वह 'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय की हैसियत से कर रहे हैं। अभिनेता ने आगे बताया, 'मैं 'केसरी चैप्टर 2' सिर्फ एक कलाकार की हैसियत से नहीं, बल्कि एक भारतीय के तौर पर कर रहा हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, यह एक अधूरा हिसाब है, यह एक दर्दनाक याद है और आखिरकार हमें मिला इंसाफ है।' 13 अप्रैल 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड पर बनी फिल्म में अक्षय कुमार सी. शंकरन नायर की भूमिका में हैं, जो कोर्ट रूम में जलियांवाला का सच दुनिया के सामने लाने और ब्रिटिश राज के खिलाफ दहाड़ते नजर आएंगे। वहीं, आर माधवन वकील नविल मेककिनले के किरदार में हैं, जो ब्रिटिश राज की ओर से कोर्ट में अक्षय का सामना करते हैं। अनन्या पांडे अपने करियर में निभाए गए अब तक निभाए किरदार से अलग नजर आएंगी।

सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए एनएचएम और आईएमए की ऐतिहासिक साझेदारी

रांची, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड देश का पहला राज्य बन गया है, जहां इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की किसी शाखा—वीमेन डॉक्टर्स विंग—को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का आधिकारिक भागीदार बनाया गया है। यह साझेदारी विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन अभियान के लिए की गई है। आईएमए झारखंड की वूमेन डॉक्टर्स विंग 2014 से राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में कैंसर जागरूकता और स्क्रीनिंग के लिए लगातार काम कर रही है। इस अभियान का नेतृत्व राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ. भारती कश्यप कर रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बने 'झारखंड मॉडल' को लक्ष्य से अधिक सफलता मिली है।

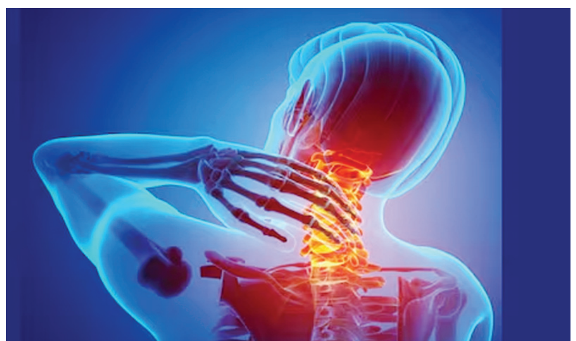

> भारत में हर साल करीब 67,000 महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से जान गंवाती हैं। यह न केवल दूसरा सबसे आम कैंसर है, बल्कि पूरी तरह रोके जा सकने वाला और प्रभावी रूप से इलाज़ योग्य भी है।

भारत में हर साल करीब 67,000 महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से जान गंवाती हैं। यह न केवल दूसरा सबसे आम कैंसर है, बल्कि पूरी तरह रोके जा सकने वाला और प्रभावी रूप से इलाज़ योग्य भी है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे 'मील का पत्थर' बताते हुए कहा कि सभी जिलों में इस स्क्रीनिंग अभियान को और तेज़ किया जाएगा। डॉ. कश्यप ने आज बताया कि अब तक राज्य में 5 लाख से अधिक महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, और 2792 महिलाओं का सफल क्रायो उपचार कर उन्हें नया जीवन दिया गया। राज्य के 14 प्रमुख सरकारी अस्पतालों में डिजिटल कोलपोस्कोप और क्रायो मशीनें लगाई गई हैं। इसके अलावा, स्त्री रोग विशेषज्ञों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. भारती कश्यप अप्रैल 2025 में लॉस एंजेलिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में अपने दो रिसर्च पेपर्स पर व्याख्यान देंगी।

भारत के हस्तशिल्प उद्यमी को मिल रही है वैश्विक पहचान

■ विशाल धर दुबे

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) की इंडिया एक्सपोमार्ट में 59वें आईएचजीएफ दिल्ली मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में पूरे देश से बड़े-बड़े हस्तशिल्प निर्यातक शामिल हुए हैं तो वहीं उभरते हुए सस्टनेबल उत्पाद बनाने वाले छोटे हस्तशिल्पकार को शामिल किया गया है, जिनकी पहचान सिर्फ एक क्षेत्र विशेष तक है या कहें उनको अपने उत्पाद का कारोबार नहीं मिल पा रहा है। ईपीसीएच मैनेजमेन्ट देशभर से करीब 50 हस्तशिल्पकारों को उनकी कला की पहचान वैश्विक स्तर पहुंचाने के लिए निःशुल्क स्टाल भारतीय हस्तशिल्प उपहार मेले में उपलब्ध कराया है। कई हस्तशिल्पकार पहली बार शामिल हुए हैं, जिनके उत्पाद को वैश्विक स्तर पर सराहना मिल रही है।

प्रकृति के साथ जुड़कर भारतीय कला एवं संस्कृति का संदेश

भारतीय हस्तशिल्प उपहार मेले में दिल्ली के रहने वाले पंकज नारायन नेचर हेरिटेज को केन्द्रित करते हुए हस्तशिल्प आर्ट पर काम कर रहे हैं, जिनके उत्पाद को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। पंकज नारायण एनआईडी अहमदाबाद से फर्नीचर डिजाइन की डिग्री लेकर प्रकृति को फोकस करते हुए देश के 18 राज्यों में काम किया,

जिनके काम को लोग सराह रहे हैं। पंकज ने बताया कि भारत में बहुत सी लकड़ियां पायी जाती है, जिसमें अलग अलग रंग समाहित है, बिना किसी रंग के इस्तेमाल किए बहुत अच्छा आर्ट बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मैं भारतीय पक्षियों पर अध्ययन करके आर्ट तैयार किया है, मैसूर इन्ले जिसे मार्केटरी आर्ट कहते हैं, इसमें नेचुरल लड़की को जोड़कर काम किया जाता है, हमने कुतुबमीनार पर कंघी के डिजाइन पर आर्ट, सहारनपुर फुलकारी आर्ट, तारकसी क्राफ्ट, पंजाब के एग्रीकल्चर को फोकस किया है। उन्होंने बताया कि हमारे आर्ट का मकशद डिजाइन बनाकर पैसे कमाना नहीं है, हमारा मकशद है कि प्रकृति के सौंदर्य को लोगों को तक पहुंचाना है, गौरैया पक्षी विलुप्त प्राय होती जा रही है, उसके प्रति लोगों में प्रेम पैदा करना है। इस आर्ट एवं क्राफ्ट में जामुन, रबड़, शीशम, नींम बांस, बबूल आदि का प्रयोग करके एक डिजाइन तैयार करते हैं। इनके उत्पाद को यूएसए में एक्सपोर्ट हो रहा है, विदेशियों ने भारत के आर्ट को जाना है। भारत में बहुत अधिक सम्भावना है। उन्होंने बताया कि भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति जागरुक करना है।

> गांव की कला शहर से विदेश तक, प्रकृति व भारतीय कलाकृतियां विदेशियों को किया आकर्षित

सिक्की ग्रास क्राफ्ट से राज्य व नेशनल मिला

बिहार के मधीपुरा, जिला मुधबनी की सिक्की ग्रास का क्राफ्ट एक क्षेत्र विशेष में न रहकर वैश्विक स्तर पर पहचान बना रही है। हस्तशिल्प दिल्ली मेले में बिहार की रहने वाली रूबी देवी ने अपना स्टाल लगाया है। रुबी देवी सिक्सी घास पर आर्ट बनाती है, जिन्होंने इस आर्ट को अपनी मां गुच्ची देवी से सीखा है, ये चार बहने हैं जो इसी आर्ट पर काम कर रही हैं। रुबी देवी ने बताया कि उन्हें इस कला से राज्य स्तरीय पुरस्कार मिला है और उनकी बहन मीरा ठाकुर को नेशनल नारी शक्ति पुरस्कार मिल चुका है। रूबी देवी के सात 60 महिलाएं सिक्की ग्रास क्राफ्ट का काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इस क्राफ्ट की पहचान बढ़ने के साथ यूएसए, श्रीलंका, सिंगापुर के साथ देश में दिल्ली एमिटी कॉलेज, आईटी कॉलेज, देहरादून, महाराष्ट्र में लोगों सिखाने का भी अवसर मिल रहा है। इनके उत्पाद का यूएसए में एक्सपोर्ट हो रहा है। रूपी देबी ने बताया कि आत्मनिर्भर महिलाओं को जागरुक कर रही है। रुबी देवी सिक्की ग्रास से पर्स, बैंगल्स, जेम्स सेट, गमला, गणेश लक्ष्मी, टेबल मैट, चपाती बाक्स, ईयररिंग आदि बनाती है। इंडिया एक्सपोमार्ट दिल्ली फेयर में चूड़ी व चपाती बाक्स का आर्डर मिल चुका है।

ऊन व लेदर से डिजाइन कर चरवाहे व पशुपालकों को मिला रोजगार

डेक्कन इंडिया में ऊन से जीआई टैग लेदर पर काम करने वाले मनमथ सेट्टी, जो कर्नाटक के रहने वाले हैं। जिनका स्टाल लगा हुआ है। उन्होंने बताया कि ऊन की मांग पूरे वर्ष में दो-ढाई माह प्रयोग किया जाता है। गांव में रहने वाले लोगों को पूरे वर्ष कैसे रोजगार मिले उसके लिए जागरुक किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को जागरुक करने के साथ नए डिजाइन तैयार करने के साथ प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब ग्रामीण लोग काटन व जूट के साथ मिलाकर सस्टनेबल उत्पाद बना रहे हैं। फैशन और विरासत संरक्षण के बीच तालमेल बिठाने के दशकों के अनुभव के साथ, डिजाइनर मनमथ मैनमेड और उनकी टीम डेक्कन इंडिया में चरवाहों और पशुपालन को समझने के लिए काम कर रहे हैं।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

इटर्नल	4.37 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	3.68 प्रतिशत
भारती एयरटेल	3.63 प्रतिशत
सन फार्मा	3.50 प्रतिशत
एसबीआई	3.28 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

थ्री एम इंडिया	1.10 प्रतिशत
एस्ट्रल लिमिटेड	0.46 प्रतिशत
अलकेम लैब	0.41 प्रतिशत
एबॉट इंडिया	0.34 प्रतिशत
एसीसी	0.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	94,888
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	85.68	90.42
पौंड स्टर्लिंग	101.90	118.21
यूरो	85.13	98.74
चीन युआन	8.31	13.47

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5750-5850
दाल चना	6750-6850
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	8500-8600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

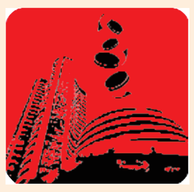

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

कांग्रेस ने मंडियों से गेहूं उठान न होने पर जताई चिंता

■ **कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लगाया किसानों की अनदेखी करने का आरोप**

चंडीगढ़, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में मंडियों से गेहूं का उठान नहीं हो रहा है, न ही तिरपाल या पॉलिथीन की व्यवस्था है और सरकार हाथ पर हाथ रखकर किसान की बर्बादी देख रही है। मीडिया को जारी बयान में सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार ने एक अप्रैल से मंडियों में गेहूं की खरीद शुरू की। 417 मंडियों में 38.93 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) गेहूं पहुंच गया जिसमें से केवल 8.59 एलएमटी (22 फीसदी) टन की ही उठान हो पाई है।

हालांकि 31.52 एलएमटी गेहूं खरीदा तो जा चुका है पर उसे बोरियों में भरकर गोदामों में भेजने की प्रक्रिया धीमी है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार दावे कर रही थी कि मंडियों और खरीद केंद्रों में इस बार समुचित प्रबंध किए गए है पर मंडियां इस बात की गवाही दे रही है कि खरीद और उठान की व्यवस्था सही न होने पर मंडी के अंदर और मंडी के बाहर सड़कों पर गेहूं की ढेरियां लगी हुई है। मंडियों में अभी

मंडियों में न ही तिरपाल या पॉलिथीन की व्यवस्था है व सरकार हाथ पर हाथ रखकर किसान की बर्बादी देख रही है : कुमारी सैलजा

तय लक्ष्य 75 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले में आधा गेहूं ही पहुंचा है। उठान समय पर न होने के कारण कई मंडियों में शेड और खाली जमीन पर फसल रखने की जगह तक नहीं बची और आवक लगातार जारी है। प्रदेश की अधिकतर मंडियों के बाहर सड़कों पर ढेरियां लगाने को किसान मजबूर हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि मंडी सचिवों को निर्देश दे दिया जाता है कि मौसम को देखते हुए तिरपाल व पॉलीथिन की व्यवस्था खरीद एजेंसियों के पास होनी चाहिए। पर आज तक कोई भी खरीद एजेंसी ऐसी व्यवस्था नहीं करती। सरकार के सारे काम घोषणाओं और दिशा निर्देश तक ही सीमित होते हैं। उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसियों की लापरवाही का खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है। एक अप्रैल से खरीद शुरू होने के बावजूद उठान के लिए एमएलसी और मंडी ट्रांसपोर्ट कांट्रेक्टर (एमटीसी) की व्यवस्था नहीं हुई थी। बहाना बनाया गया कि एमएलसी और एमटीसी की दरें ज्यादा थी। इस वजह से भंडारण होता गया। उन्होंने कहा कि रोहतक और सोनीपत में तो अधिकतर गेहूं मंडियों में खुले में पड़ा हुआ है। यमुनानगर में पिछले दिनों खुले में पड़ा गेहूं बरसात में भीगा। सिरसा में आज भी 80 प्रतिशत गेहूं खुले में पड़ा है।

दूसरी तरफ रोहतक सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जिनको किसानों की चिंता नहीं है, वह कह रहे हैं कि किसान को चिंता की जरूरत नहीं। श्री हुड्डा ने यहां जारी बयान में आरोप लगाया कि हरियाणा की मंडियों में 12 लाख टन गेहूं खुले में पड़ा है, अगर बारिश से गेहूं खराब हुआ तो किसान नहीं सरकार जिम्मेदार होगी।

पंजाब की मंडियों में 125 लाख टन गेहूं आने की संभावना : कटारूचक्क

रूपनगर। पंजाब के खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोगता मामले के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने शुक्रवार को रूपनगर की अनाज मंडी में गेहूं की चल रही खरीद का जायजा लेते हुए कहा कि राज्य में इस बार गेहूं की बंपर फसल हुई है और इस सीजन के दौरान लगभग 125 लाख टन गेहूं आने की संभावना है। श्री कटारूचक्क ने कहा कि अब तक मंडियों में 13 लाख 16 हजार टन गेहूं की आमद हो चुकी है। इसमें से लगभग 11 लाख टन की खरीद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों के खातों में 703 करोड़ रुपए की अदायगी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जहां अदायगी खरीद होने के 24 घंटों में की जा रही है, वहीं लिफ्टिंग में भी कोई ढिलाई नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि मौसम अगर इसी तरह साथ देता रहे, तो इस बार गेहूं के दाने की गुणवत्ता भी बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि मंडियों में आए अनाज को मौसम की मार से बचाने के लिए सभी एजेंसियों और आढ़तियों को तरपालों और करेटों के सुरक्षित प्रबंध रखने के लिए कहा गया है। इसके अलावा बारदाने की भी कोई कमी नहीं है।

तीन वर्षों में जर्मनी व जापान से भी बड़ी बन जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नीति आयोग

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने कहा कि वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत आने वाले तीन वर्षों में जापान और जर्मनी से आगे निकलकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत का सपना पूरा होने के साथ ही देश 2047 में 30 ट्रिलियन डॉलर की विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जाएगा।

बी. वी. आर. सब्रह्मण्यम

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा का केंद्र बन सकता है, क्योंकि देश का लोकतांत्रिक होना इसे दूसरे देशों से कई मायनों में अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत अगले वर्ष के अंत तक पांचवीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और इसके बाद देश अपने विकास की गति को तेज करते हुए तीसरा और दूसरा स्थान भी पा लेगा।

आईएमएफ के ताजा अनुमानों के अनुसार, भारत की रियल जीडीपी 4.3 ट्रिलियन डॉलर की है, जो जापान के 4.4 ट्रिलियन डॉलर और जर्मनी के 4.9 ट्रिलियन डॉलर से कुछ ही मामूली अंतर को दर्शाती है। नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम ने लॉ और अकाउंटिंग फर्म सहित सभी भारतीय कंपनियों से दुनिया का नेतृत्व करने की आकांक्षा को जगाने का आग्रह किया।

उन्होंने मध्य-आय वाले देशों द्वारा झेली जाने वाली परेशानियों को कम-आय वाले देशों द्वारा झेली जाने वाली परेशानियों से अलग बताया। उन्होंने कहा कि यह गरीब को खाना खिलाने और निर्वस्त्र को कपड़े पहनाने से जुड़ा नहीं है, यह इस बारे में है कि आप किस तरह एक नॉलेज इकोनॉमी बनते हैं। सुब्रह्मण्यम ने बताया कि जापान 15,000 भारतीय नर्सों और जर्मनी 20,000 स्वास्थ्य कर्मियों को ले रहा है।

1.3 गीगावाट पीक वाले सौर साइट आत्मनिर्भर भारत में योगदान का उदाहरण : जोशी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रीन्यू ने राजस्थान के जैसलमेर में 1.3 गीगावाट पीक सोलर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया।

देश के 10 राज्यों में फैली 150 से अधिक परियोजनाओं का संचालन करने वाली रीन्यू ने इस परियोजना को शत-प्रतिशत मेड-बाय-रीन्यू सौर पैनलों का इस्तेमाल कर विकसित किया है, जिसमें से 90 प्रतिशत का निर्माण रीन्यू के जयपुर स्थित सौर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में किया गया है। रिन्यू के अनुसार, देश में पहली बार इतने बड़े पैमाने की परियोजना को पूरी तरह से स्वदेश निर्मित मॉड्यूल के साथ पूरा किया गया है। इसका अनावरण नवीन एवं

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि देश के लिए यह दिन ऐतिहासिक मील का पत्थर है और राजस्थान के लिए भी खास है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि जैसलमेर में लगभग 1.3 गीगावाट पीक के सौर साइट का उद्घाटन, आत्मनिर्भर भारत में योगदान का एक शानदार उदाहरण है, जो पूरी तरह से मेड-इन-इंडिया मॉड्यूल के साथ बनाया गया है।

भारत के वैज्ञानिक भविष्य का आधार बनेगा एएनआरएफ : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नया अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) सरकार के सभी विज्ञान मंत्रालयों और विभागों के लिए एक महत्वपूर्ण संगठन है। एएनआरएफ की जरूरत बेहतर सहयोग के लिए निजी कंपनियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समझी गई थी।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में सभी विज्ञान मंत्रालयों और विभागों की एक उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने अलग-अलग विभागों में जो भी रिसर्च हो रही है, उसे देश की जरूरतों, प्राइवेट कंपनियों की भागीदारी और बाजार की मांग के

हिसाब से किए जाने के लिए एक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस बदलाव का मुख्य कारण एक ऐसी साझा रिसर्च योजना बनाना है, जो अवरोधों को समाप्त करें, एक ही तरह का काम बार-बार न हो, और समाज को ऐसे फायदे मिलें जो ठोस और व्यापक हों।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सभी विज्ञान मंत्रालयों को मार्केट-रिलेवेंट

सभी विज्ञान मंत्रालयों को मार्केट-रिलेवेंट व पब्लिक-गुड प्रोडक्ट्स डिलीवर करने के इरादे से काम करना चाहिए : डॉ. सिंह

और पब्लिक-गुड प्रोडक्ट्स डिलीवर करने के इरादे से काम करना चाहिए। एएनआरएफ सिर्फ समन्वय का काम नहीं करेगा, बल्कि निजी क्षेत्र के निवेश और नए विचारों को बढ़ावा भी देगा।

एएनआरएफ के सीईओ डॉ. शिवकुमार कल्याणरमन ने एक बोल्ड रोडमैप की रूपरेखा तैयार की, जिसमें फंडिंग मॉडल, निजी क्षेत्र का इंटीग्रेशन और एआई-लेड वैज्ञानिक गति को शामिल किया गया है।

सार संक्षेप

गुड फ्राइडे पर शेयर व मुद्रा बाजार बंद

मुंबई। गुड फ्राइडे के उपलक्ष्य में शेयर बाजार और अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा, जिसके कारण कोई कामकाज नहीं हो सका। देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ ही अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार भी बंद रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब बाजार में अगले सप्ताह सोमवार से सामान्य कामकाज होगा।

इंफोसिस ने 370 प्रशिक्षुओं को निकाला

बेंगलुरु। नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस लिमिटेड पर राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत नामांकित 370 प्रशिक्षुओं को अवैध और अनैतिक तरीके से हटाने का आरोप लगाते हुए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अक्टूबर 2024 में 700 से अधिक प्रशिक्षुओं की छंटनी से जुड़ी सरकारी जांच अभी भी जारी है। वर्तमान में यह जांच बोर्ड ऑफ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (पूर्वी क्षेत्र) द्वारा की जा रही है, जहां प्रशिक्षु पहले ही दस्तावेजी सबूत सौंप चुके हैं। एनआईटीईएस के अध्यक्ष और अधिवक्ता हरप्रीत सिंह सलूजा ने आरोप लगाया कि इंफोसिस ने एक बार फिर वही गलती दोहराई है। उन्होंने कहा कि 370 और प्रशिक्षुओं को बिना किसी कानूनी औचित्य, पूर्व सूचना या उचित प्रक्रिया के निकाला गया, जिससे यह स्पष्ट है कि कंपनी भारत के कानूनी ढांचे की अनदेखी कर रही है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि प्रभावित प्रशिक्षुओं को 'आपसी अलगाव' समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य किया गया, जिससे अनैतिक बर्खास्तगी को वैध रूप देने की कोशिश की गई।

जाइडस मेडटेक और ब्रेल बायोमेडिका के बीच साझेदारी

मुंबई। औषधि निर्माता बहुराष्ट्रीय कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जाइडस मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड ने ब्राजील की अग्रणी हृदय उपकरण निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (ओईएवीआई) तकनीक का यूरोप, भारत और अन्य चुनिंदा बाजारों में विशेष रूप से व्यावसाय करेंगी। यह सहयोग जाइडस मेडटेक के तेजी से विस्तार कर रहे इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी पोर्टफोलियो को मजबूती प्रदान करेगा। टीएवीआई एक मिनिमली इनवेसिव हृदय प्रक्रिया है, जो विशेषकर उच्च शल्य जोखिम वाले या वृद्ध मरीजों के लिए प्रभावी विकल्प मानी जाती है। जाइडस लाइफसाइंसेज के प्रबंध निदेशक डॉ. शार्विल पटेल ने इस साझेदारी को उन्नत और जीवन-रक्षक हृदय देखभाल को वैश्विक स्तर पर अधिक सुलभ बनाने की दिशा में निर्णायक कदम बताया।

भारत एआई पेशेवरों के लिए प्रमुख रिसोर्स टैलेंट हब : जयंत

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा है कि भारत एआई पेशेवरों के लिए एक प्रमुख रिसोर्स टैलेंट हब है। उन्होंने कहा कि एआई को अपनाने के लिए एनवायरमेंट को तैयार करने में सरकार और उद्योगों ने कई प्रयास किए हैं, जो अपने आप में स्पष्ट दिखाई देते हैं। अफ्रीका के सबसे बड़े टेक और स्टार्टअप शो जीआईटीएक्स अफ्रीका 2025 में राज्य मंत्री ने कहा कि भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) ने विशेष रूप से डिजिटल पहचान (आधार), डिजिटल पेमेंट (यूपीआई), ई-कॉमर्स (ओएनडीसी) और स्वास्थ्य सेवा के विकास के माध्यम से कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव पेश किए हैं।

राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने मोरक्को की राजधानी मारकेश में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से कहा कि हम एडवांस टेक्नोलॉजी को अपने स्किलिंग इकोसिस्टम में इंटीग्रेट करने पर तेजी से काम कर रहे हैं, जिनमें एआई, साइबर सिक्योरिटी, फिनटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्किलिंग इकोसिस्टम के लिए एक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के तहत महज डेढ़ वर्ष में 1 करोड़ से ज्यादा यूजर्स को जोड़ा गया है। ये वे क्षेत्र हैं, जो हमारे अफ्रीकन पार्टनर से जुड़ने को लेकर अहम हैं और हम निरंतर साझेदारी के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को सामूहिक रूप से विकसित कर सकते हैं।

हम एडवांस टेक्नोलॉजी को अपने स्किलिंग इकोसिस्टम में इंटीग्रेट करने पर तेजी से काम कर रहे हैं : जयंत चौधरी

तीन दिवसीय कार्यक्रम ने नीति निर्माताओं, परिवर्तनकर्ताओं और दूरदर्शी लोगों को सामूहिक रूप से चर्चा और सहयोग करने के अवसरों पर विचार-विमर्श करने के लिए मंच प्रदान किया। उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटलीकरण की गति दूसरे विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले कहीं अधिक है और देश में ओपन-सोर्स डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम भी हैं। इसी के साथ देश सहयोग और ज्ञान साझा करने के साथ विकासशील देशों की मदद डिजिटलीकरण को गति देने में कर सकता है। सम्मेलन के दौरान, राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने द्विपक्षीय बैठकें कीं। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अनुसार, अपनी चर्चाओं में चौधरी ने एआई, रिसर्च और क्षमता में तालमेल पर व्यापक रूप से चर्चा की।

भारतीय फार्मा कंपनियां अमेरिकी बाजारों में तेजी से कर रही विस्तार : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय फार्मा कंपनियां वर्तमान में 145 अरब डॉलर वैल्यू के अमेरिकी ऑन्कोलॉजी जेनेरिक्स बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। यह बाजार सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। यह जानकारी नई रिपोर्ट में दी गई। हाल के महीनों में कई भारतीय दवा कंपनियों ने कैंसर दवाओं के जेनेरिक वर्जन के लिए यूएस एफडीए से एप्रूवल प्राप्त किया है, जिससे अमेरिकी बाजार में कॉम्पलेक्स जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं की एंट्री में लगातार वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऑन्कोलॉजी वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते सेगमेंटों में से एक है और भारतीय कंपनियां किफायती मैन्युफैक्चरिंग, तकनीकी विशेषज्ञता और बढ़ती नियामक मंजूरी के जरिए इस उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र में प्रवेश करने की तैयारी कर रही हैं। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह पारंपरिक जेनेरिक दवाओं से अधिक कॉम्पलेक्स फॉर्मूलेशन की ओर बदलाव और भारतीय फार्मा कंपनियों की विकसित होती क्षमताओं को दिखाता है।

हैदराबाद हवाईअड्डा को एसीआई से मिली स्तर पांच मान्यता

हैदराबाद, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (जीएचआईएएल) से संचालित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को एसीआई के हवाईअड्डा कार्बन मान्यता (एसीए) कार्यक्रम के सबसे ऊंचे स्तर पांच की मान्यता प्राप्त हुई है, जो इसे एशिया-प्रशांत और मध्य पूर्व क्षेत्र के उन चार अग्रणी हवाईअड्डों में शामिल करती है, जिन्होंने कार्बन प्रबंधन के इस उच्चतम स्तर को हासिल किया है।

एसीए कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर हवाईअड्डों द्वारा कार्बन उत्सर्जन को मापने, कम करने और प्रबंधित करने के प्रयासों का आकलन करता है। इसमें कुल सात स्तर होते हैं, जिनमें स्तर पांच ट्रांसफॉर्मेशन को सबसे ऊंचा

स्थान प्राप्त है। इस मान्यता के लिए आरजीआईए ने स्कोप एक और दो उत्सर्जनों के लिए शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन बनाए रखा है और वर्ष 2050 या उससे पहले स्कोप तीन उत्सर्जन को शुद्ध शून्य करने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। जीएसआर हवाईअड्डा के कार्यकारी निदेशक और मुख्य नवाचार अधिकारी एस. जी. के. किशोर ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आरजीआईए जलवायु परिवर्तन से निपटने और वर्ष 2015 के यूएनएफसीसीसी पेरिस समझौते के तापमान लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने भागीदारों के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजार में गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 52 रिंगिट गिरकर 4132 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। हालांकि गुड फ्राइडे पर अवकाश के कारण अमेरिकी सोया तेल का वायदा बाजार में कारोबार नहीं हुआ।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5750-5850, दाल चना 6750-6850, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3450-3550 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

सस्टेनेबल खनन के लिए एसईसीएल ने टीएमसी मिनरल के साथ किया समझौता

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल खनन प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने शुक्रवार को टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 7,040 करोड़ रुपए का एग्रीमेंट साइन किया है। यह एग्रीमेंट कोयला खनन में पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी को लागू करने के लिए किया गया है। एसईसीएल, टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट करने वाली पहली सरकारी कंपनी है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक, यह देश में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल खनन प्रैक्टिस की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस एग्रीमेंट के तहत, एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र में स्थित सिंघाली भूमिगत कोयला खदान में पेस्ट फिल तकनीक का उपयोग करके बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन किया जाएगा। 25 वर्षों की अवधि में, इस प्रोजेक्ट से लगभग

8.4 मिलियन टन (84.5 लाख टन) कोयले का उत्पादन होने की उम्मीद है।

पेस्ट फिलिंग एक आधुनिक भूमिगत खनन टेक्नोलॉजी है जिसमें सतही भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होती है। कोयला निकालने के बाद, खनन के कारण बने खाली स्थान को फ्लाई ऐश, ओपनकास्ट खदानों से क्रश किए गए ओवरबर्डन, सीमेंट, पानी और केमिकल्स से बने विशेष रूप से तैयार पेस्ट से भर दिया जाता है। यह प्रक्रिया भूमि के धंसने को रोकती है और खदान की

■ **25 वर्षों में इस प्रोजेक्ट से लगभग 8.4 मिलियन टन कोयले का उत्पादन होने की उम्मीद**

संरचनात्मक स्थिरता सुनिश्चित करती है।

यह पेस्ट इंडस्ट्रियल वेस्ट का उपयोग करती है, जिससे यह प्रक्रिया पर्यावरण अनुकूल मानी जाती है और वेस्ट रिसाइकलिंग को बढ़ावा मिलता है।

सिंघाली भूमिगत खदान को 1989 में 0.24 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता के लिए मंजूरी दी गई थी और 1993 में इसका संचालन शुरू हुआ था। वर्तमान में, खदान में जी-7 ग्रेड नॉन-कोकिंग कोयले के 8.45 मिलियन टन निकालने योग्य भंडार हैं। इसे बोर्ड और पिलर पद्धति का उपयोग करके विकसित किया गया था, जिसमें भूमिगत संचालन के लिए लोड हॉल डंपर्स (एलएचडी) और यूनिवर्सल ड्रिलिंग मशीन (यूडीएम) का उपयोग किया गया था।

खेल जगत

श्रीयंका पहली बार विश्व कप फाइनलिस्ट की सूची में

लीमा। पेरिस ओलंपियन श्रीयंका सदांगी इस दोहरे चरण वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल के लिए कट बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गईं, उन्होंने चल रहे अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन (3पी) स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीयंका अंततः आठवें स्थान पर रहीं, स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। पेरिस रजत पदक विजेता यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता। सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन के अंत में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर था।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली जीत का 'चौका' जड़ने उतरेगी

- दिल्ली की उम्मीदें केएल राहुल व मिचेल स्टार्क पर
- गुजरात के शुभमन, सुदर्शन व बटलर से दिल्ली को चौकस रहने की जरूरत

■सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (देशबन्धु)। भारत के धुरंधर बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल की अनुकरणीय कप्तानी और बतौर टीम छह में पांच मैच जीत दस अंकों के साथ शीर्ष पर चल रही दिल्ली कैपिटल्स अब अपने छह मैचों में चार जीत के साथ अपनी बेहतर नेट रन रेट के आधार रन आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर चल रही शुभमन गिल की कप्तानी में उतरने वाली गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2025 में उसके अहमदाबाद में शनिवार को जीत के साथ शीर्ष पर बरकरार रहने के मकसद से उतरेगी। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस पिछले मैच में बीते हफ्ते लखनउ सुपर जायंटस से 12 रन से हार गई थी। दिल्ली कैपिटल्स अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रायल्स को सुपर ओवर में हराकर जीत की राह पर वापस लौट आई है। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन के तेज अर्द्धशतकों और पहले विकेट की 120 रन की भागीदारी के बाद दोनों के दो ओवर में आउट होने से 20 ओवर में छह विकेट पर 180 रन ही बनाने के बाद गुजरात टाइटंस की टीम लखनउ सुपर जायंटस से तीन गेंद के बाकी रहते छह विकेट से हार गई थी। दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात टाइटंस से अपने पिछले पांच में लगातार तीन मैच जीते और दो हारे हैं। दिल्ली कैपिटल्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले तीन में से दो में जीत दिलाने वाले बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज मैन ऑफ द' मैच रहे ऋषभ पंत अब उसे छोड़ कर लखनउ सुपर जायंटस से जुड़ चुके हैं। दिल्ली कैपिटल्स को यदि गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल में जीत का 'चौका' लगाना है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि ऋषभ पंत की भूमिका उसके लिए कौन निभाएगा।

जिस तरह गेंदबाजी करना चाहता वैसी गेंदबाजी नहीं कर पाया : अक्षर पटेल

अंत भला तो सब भला। हमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जिस तरह की शुरुआत मिली और हमारे लिए पॉवरपले जितना बढ़िया गया मेरा मानना है कि हम और तेज बल्लेबाजी कर सकते थे। टाइमआउट के दौरान केएल राहुल और अभिषेक पोरेल ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं है। हमने 12वें और 13 वे ओवर में लय मिली और फिर हिमने अच्छे स्कोर के साथ अपनी पारी समाप्त की। दिल्ली की पिच पर गेंद रुक कर आ रही थी और नए बल्लेबाज के लिए इस पर तेजी से रन बनाना मुमकिन नहीं था। राजस्थान रॉयल्स ने जब पॉवरप्ले के बाद रन बनाए तो तो बैचनी स्वाभाविक थी और हमने तब टाइमआउट लिया। मैंने मैच शुरू होने से पहले ही कहा था कि इस पिच पर बाउंड्री जड़ना आसान नहीं होगा हमने खुद पर भरोसा कायम रखा और विकेट चटकाने की कोशिश की। जब जमे हुए बल्लेबाज आउट हुए तो कई विकेट गले। नए बल्लेबाज तेजी से रन बनाने की कोशिश की। जहां तक मेरे इस साल 2025 में आईपीएल में प्रदर्शन की बात है तो मैं जिस तरह गेंदबाजी करना चाहता वैसी गेंदबाजी नहीं कर पाया। मेरे जेहन में यह था कि मुझे मिसाल पेश कर योगदान करना है। मैंने प्रोसेस पर ध्यान दिया और बल्ले और गेंद से मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाया, मैने सोचा यदि स्टार्क रणनीति को अमली जामा पहनाते हैं तो वह हमें मैच में वापस ला सकते हैं। स्टार्क ने 20 वां और सुपर ओवर किया। 12 गेंदों में 12 यार्कर स्टार्क ने फेंकी और और स्टार्क इसी लिए ऑस्ट्रेलिया के धुरंधर गेंदबाज हैं।

पिच ऐसी नहीं थी कि आते ही गेंदों पर प्रहार किया जा सके : गिल

हमारी आपस में यही बात हुई कि पिच ऐसी नहीं थी कि आते ही गेंदों पर प्रहार किया जा सके। हमारा कोई बल्लेबाज यदि 17 वें और 18 वे ओवर तक खेले तो फिर 200-210 रन के स्कार तक पहुंच चुके थे। बदकिस्मती से हमने लगातार विकेट खोए ।जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो तब गेंद रुक कर आ रही थी। पहली गेंद से पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी ।हमने उम्मीदों के मुताबिक स्ट्राइकर रोटेट नहीं किया और हमें इस पर मेहनत करने की जरूरत है। हमारी आपस में चर्चा यही हुई कि हमें बराबर विकेट चटकाने है। हम मैच मे पिछ़ गए और हमें यदि जल्द कुछ विकेट मिल जाते तो हम मैच को आगे तक ले जा सकते है लेकिन हम ऐसा कर नहीं पाए। हमें दसवें ओवर के बाद कुछ विकेट मिले लेकिन गेंद उतना रुक कर नहीं आई जैसा हमने सोचा था। आखिर तक मैच में संघर्ष करना हमारे लिए अच्छा संकेत है। दूसरे टाइमआउट मे यही बात हुई कि हमें मैच को जितना आखिर तक ले जा सके उतना अच्छा है।

पूरन को रोकना राजस्थान के लिए सबसे बड़ी चुनौती

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करने वाली है। यह मुकाबला ताक़तवर बल्लेबाजों और चालाक गेंदबाजों के बीच एक टक्कर होगा। निकोलस पूरन की विस्फोटक बल्लेबाजी, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई की स्पिन जोड़ी, एलएसजी की पावरप्ले में कमजोर गेंदबाजी और आरआर का जोफ्रा आर्चर पर निर्भर रहना-ये सभी फैक्टर इस मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना रहे हैं। आइए कुछ ऐसे आंकड़ों पर नज़र डालते हैं, जो इस मैच में अपनी गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

डियर पूरन भाई - गेंदें खो जाती हैं, कभी चौका भी मार लो

इस मैच में सिक्सर्स की बारिश देखने को मिल सकती है। आईपीएल 2024 से अब तक, सबसे ज्यादा सिक्सर्स का रिकॉर्ड पूरन के नाम है, जिनके खाते में 67 सिक्सेस हैं। आईपीएल 2025 की पहली 10 गेंदों में सबसे अधिक सिक्सर पूरन के नाम हैं, जिन्होंने 10 सिक्सेस लगाए हैं। आईपीएल 2025 में अब तक सबसे ज्यादा सिक्सर का रिकॉर्ड भी पूरन के नाम हैं। उन्होंने 33 सिक्सर लगाए हैं। टीमों के लिहाज से आईपीएल 2025 में सबसे अधिक सिक्सर लगाने का रिकॉर्ड एलएसजी के पास है, जिन्होंने 77 सिक्सर लगाए, इसके बाद आरआर और पंजाब किंग्स के 68 सिक्सर हैं।

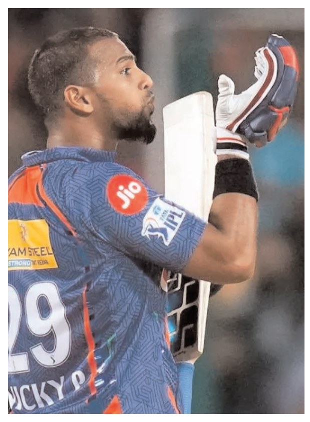

दिग्वेश और बिश्नोई की जोड़ी से आरआर को बचकर रहना होगा

दिग्वेश लगातार अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित कर रहे हैं। आईपीएल 2025 में वह अब तक हर मैच में कम से कम एक विकेट लेने में सफल रहे हैं। वहीं, बिश्नोई भी अपनी फॉर्म में वापसी कर रहे हैं। सीएसके के खिलाफ उन्होंने 3 ओवरों में 2 विकेट लिए। पहले चार मैचों में धीमी शुरुआत के बाद बिश्नोई ने आखिरी तीन मैचों में पांच विकेट झटके हैं, और उनका औसत और इकॉनमी रेट बेहतर हो रहा है, जो एलएसजी के लिए शुभ संकेत है। आईपीएल 2025 में एलएसजी का स्पिन विभाग 20 विकेटों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि सीएसके सबसे अधिक 21 विकेटों के साथ पहले स्थान पर है।

पावरप्ले में एलएसजी के गेंदबाज पावर नहीं दिखा पा रहे हैं

एलएसजी की गेंदबाजी पावरप्ले में रन लीक करने की समस्या का सामना कर रही है। शार्दुल ठाकुर ने पावरप्ले में पांच विकेट तो लिए हैं, लेकिन उन्होंने 10.5 की इकॉनमी रेट से रन भी खर्च किए हैं। आईपीएल 2025 में एलएसजी पावरप्ले में सबसे ज्यादा 60+ रन देने वाली टीमों में से एक हैं, और पावरप्ले के पहले छह ओवरों में उनका इकॉनमी रेट 10.7 रहा है, जो एमआई और एसआरएच के बराबर है ।एलएसजी ने पावरप्ले में कुल 69 बाउंड्री दी हैं, जो सबसे अधिक है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तो उनके गेंदबाजों ने 90 रन दिए थे। आरआर इस सीजन पावरप्ले में जोफ्रा आर्चर पर पूरी तरह निर्भर नजर आ रही है। नई गेंद से अकेले आर्चर ने 14 ओवर में पांच विकेट झटके हैं, उनका स्ट्राइक रेट 16.8 और इकॉनमी 8.1 रही है। दूसरी ओर, बाकी गेंदबाजों ने मिलकर 28 ओवर में सिर्फ दो विकेट लिए हैं, और उनका स्ट्राइक रेट 84 रहा है, जो टीम की चिंता का विषय है।

रोहित जल्दी ही एक बड़ा स्कोर बनाएंगे : मार्क

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। इस जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मार्क बाउचर का मानना है कि रोहित शर्मा जल्दी ही एक बड़ा स्कोर बनाएंगे। उनका कहना है कि रोहित अब मैच जिताने वाले अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं। वानखेड़े स्टेडियम में 163 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने 16 गेंदों पर 26 रन बनाए और तीन शानदार छक्के लगाए। इससे साफ लगा कि वह लंबी पारी खेलने के मूड में थे। लेकिन पैट कमिंस की गेंद पर उन्होंने कवर पर कैच दे दिया और पावरप्ले में ही आउट हो गए। अंत में मुंबई इंडियंस ने यह मैच 19वें ओवर में जीत लिया और लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मार्क बाउचर ने जियोहॉटस्टार पर कहाकि रोहित ने गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। उनके पुराने अंदाज के बड़े-बड़े छक्के देखने को मिले। उनका रवैया बहुत अच्छा था कि गेंदबाजों पर दबाव बनाकर रन बनाने के मौके बनाए। वह अभी 30 रन के आस-पास हैं और जल्द ही एक बड़ी पारी देखने को मिल सकती है। वह फिर से अच्छे लय में दिख रहे हैं। मुंबई इंडियंस की इस जीत के हीरो रहे ऑलराउंडर विल जैक्स, जिन्होंने तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए और 26 गेंदों पर 36 रन बनाए।

पांड्या कभी हार नहीं मानते : अजय जडेजा

- पिछले हफ्ते तक एमआई की स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन पांड्या की कप्तानी में टीम ने लगातार दो मैच जीते

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा कि उन्हें मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पांड्या की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि वह कभी हार नहीं मानते और हर मौके पर टीम की अगुवाई आगे बढ़कर करते हैं। पिछले हफ्ते तक एमआई की स्थिति बहुत खराब थी,

आईपीएल 2025

लेकिन हार्दिक पांड्या की कप्तानी में टीम ने लगातार दो मैच जीत लिए। पहले दिल्ली कैपिटल्स को हराया, फिर सनराइजर्स हैदराबाद को मात दी। हार्दिक खुद अब आईपीएल 2025 में 6 मैचों में 11 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके साथ कुलदीप यादव, खलील अहमद और शार्दुल ठाकुर भी हैं। जडेजा ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि हार्दिक पंड्या एक अलग ही शख्सियत हैं। चाहे बल्लेबाज़ी हो, गेंदबाजी हो, फील्डिंग हो या मैदान के बाहर का माहौल, वह हर जगह टीम का नेतृत्व करते हैं और हमेशा मुस्कुराते रहते हैं।

हमें फाइनल में पहुंचने के लिए घर से बाहर भी अच्छा खेलना होगा: पांड्या

__मुम्बई।__ मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि हमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलु मैदान के अलावा बाहर भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स हैदराबाद पर मिली जीत के बाद हार्दिक ने कहा कि यह एक मुश्किल विकेट था। इस पर 160 का स्कोर थोड़ा कम था। यहां गेंदें रूक कर आ रही थीं। हमने अच्छी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी के दौरान अच्छा प्रयास किया। हमें विकेटों की आवश्यकता थी। ईशान, हर्षल और मैं अंतिम ओवरों के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। हमें एक या दो अच्छे ओवर चाहिए थे। इसलिए हमने राहुल चहर को अवसर दिया था। हमें फाइनल में जाने के लिए घर से बाहर अच्छा खेलना पड़ेगा। लेकिन हम अब तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि हम पूरी समझदारी के साथ सटीक गेंदबाजी कर रहे थे। कुछ गेंदों पर शॉट खेलना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसका श्रेय काफी हद तक गेंदबाजो जाता है कि हमने उन्हें कुछ अच्छे शॉट्स खेलने लिए मजबूर किया। हम लगातार उन्हें दबाव में रखने का प्रयास कर रहे थे। दीपक ने जो पहले कुछ ओवर किए, उन में से कुछ गेंदें रूक कर भी आईं।

सार संक्षेप

चोटिल फिलिप्स की जगह शनाका हुए जीटी में शामिल

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के शेष सीजन के लिए गुजरात टाइटंस (जीटी) ने चोटिल ग्लेन फिलिप्स के रिप्लेसमेंट के तौर पर दासुन शनाका को अपने दल में शामिल किया है। शनाका पहले भी जीटी के लिए खेल चुके हैं और इस सीजन फ्रेंचाइजी ने उन्हें 75 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ मैच में फील्डिंग के दौरान फिलिप्स को ग्रोइन इंजरी हो गई थी और इसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर होने के साथ ही स्वदेश वापस लौट गए। जीटी के एक अन्य खिलाड़ी कैगिसो रबाडा भी 3 अप्रैल को व्यक्तिगत कारणों से स्वदेश लौट गए थे। रबाडा के वापस लौटने को लेकर इस समय कोई स्पष्टता नहीं है। छह मुकाबलों में से चार जीत के साथ जीटी इस समय अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और शनिवार को उनकी भिड़ंत इस समय अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ है।

पाक महिला टीम ने थाईलैंड को 87 रनों से हराया

लाहौर। सिदारा अमीन (80), कप्तान फतीमा सना (नाबाद 62/तीन विकेट), रमीन शमीम और नशरा संधू (तीन-तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान की महिला टीम ने विश्वकप क्वालीफायर मुकाबले में गुरुवार को थाइलैंड को 87 रनों से हरा दिया। आज यहां पाकिस्तान की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिदारा अमीन (80), कप्तान फतीमा सना (नाबाद 62), मुनीबा अली (17) और सिदरा नवाज (11) रनों के योगदान से निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 205 रनों का स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान के 205 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी थाईलैंड की टीम पाकिस्तान महिला टीम के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सकी और पूरी टीम 34.4 ओवर में 118 रन के स्कोर पर सिमट गई। थाइलैंड की बल्लेबाजी का आलम यह था कि उसका कोई भी बल्लेबाज 20 के स्कोर तक भी नहीं पहुंच सका।

भारतीय एथलीटों ने वियतनाम पिकलबॉल ओपन कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 पदक जीते

- टूर्नामेंट में भारत की शीर्ष पिकलबॉल प्रतिभाओं ने शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ (एआईपीए) ने शुक्रवार को बताया कि हो ची मिन्ह सिटी में खेले जा रहे वियतनाम पिकलबॉल ओपन कप में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते। भारतीय टीम ने गुरुवार को ओपन कैटेगरी में अपने सभी पदक जीते। यह आयोजन रविवार तक जारी रहेगा, जिसमें इंटरमीडिएट और शुरुआती स्तर की प्रतियोगिताएं होंगी। शीर्ष-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए, भारतीय खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया, जिससे वैश्विक पिकलबॉल सर्किट में भारत का बढ़ता प्रभुत्व सुनिश्चित हुआ और इसकी पुष्टि हुई। टूर्नामेंट में भारत की शीर्ष पिकलबॉल प्रतिभाओं ने शानदार प्रदर्शन किया। वृषाली ठाकरे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए त्याक करीना के साथ ओपन महिला डबल्स में स्वर्ण पदक जीता और वंशिक कपाड़िया के साथ ओपन मिक्स्ड डबल्स प्रो श्रेणी में रजत और कांस्य पदक जीता। मयूर पाटिल ने भी उतना ही प्रभावशाली प्रदर्शन किया और पुरुष ओपन डबल्स में स्वर्ण और मिक्स्ड ओपन डबल्स में रजत पदक जीता।

सीएसके ने घायल गुरजपनीत सिंह की जगह डेवाल्ड ब्रेविस को शामिल किया

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को मौजूदा 2025 सीजन के लिए अनुबंधित किया है। ब्रेविस ने 81 टी20 मैच खेले हैं और 162 के उच्चतम स्कोर के साथ 1787 रन बनाए हैं। उन्होंने 2023 में दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना टी20 डेब्यू किया और अब तक दो मैच खेले हैं। ब्रेविस पहले मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे और अब वे 2.2 करोड़ रुपये में सीएसके से जुड़ेंगे। इससे सीएसके को भी मदद मिलती है कि उनके पास आईपीएल 2025 टीम में भरने के लिए एक विदेशी स्थान अभी भी बचा हुआ है। सीएसके ने पहले मुंबई और भारत के अंडर-19 बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को चोटिल कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की जगह पर अनुबंधित किया था, जो कोहनी के फ्रैक्चर के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे। ब्रेविस ने शुक्रवार दोपहर को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक रहस्यमयी पीली तस्वीर पोस्ट करने के बाद आईपीएल 2025 में सीएसके के लिए मिड-सीजन एंट्री की अटकलों को हवा दे दी थी।

मैं हमेशा विकेट लेने और आक्रामक होने की कोशिश करता हूं : विल जैक्स

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस (एमआई) के ऑलराउंडर विल जैक्स, जिन्होंने तीन ओवरों में 2-14 विकेट लिए और बल्ले से 26 गेंदों पर 36 रन बनाकर टीम को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को चार विकेट से हराने में मदद की, ने कहा कि उनका गेंदबाजी दृष्टिकोण हमेशा विकेट लेने की कोशिश करना और आक्रामक होना है।

वानखेड़े स्टेडियम में, अपनी तेज ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से, जैक्स ने ईशान किशन को स्टंप आउट किया, इससे पहले ट्रैविस हेड को लॉन्ग-ऑफ पर आउट किया, जिससे एसआरएच की मुश्किल पिच पर बड़ा स्कोर बनाने की योजना पटरी से उतर गई। मैं वास्तव में खुश हूं। मुझे पता था कि मैं गेंद के साथ भूमिका निभाने वाला हूं। उनके पास शीर्ष क्रम में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। और मुझे लगता है कि हमें पता था कि इसमें थोड़ी सहायता मिलेगी। कभी-कभी, मुझे लगता है कि मैं जो अच्छा हूं उसका उपयोग करने के बजाय बहुत रक्षात्मक हो सकता हूं। बल्लेबाजों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत आसान है, लेकिन आपको यह याद रखना होगा कि आपके पास भी अपना कौशल है - और आप उन्हें आउट करने के लिए हैं। मैच के बाद जैक्स ने कहा कि मुझे पता था कि स्पिन को थोड़ी सहायता मिलने वाली है, इसलिए जब तक मैं गेंद को ऊपर नहीं उछाल रहा था और आक्रामक तरीके से गेंदबाजी नहीं कर रहा था... यही मैं करने की कोशिश कर रहा था, उन्हें आउट करने की कोशिश कर रहा था। जैक्स ने कहा कि दो बाएं हाथ के गेंदबाजों के लिए एक ऑफ स्पिनर के रूप में, मैं हमेशा विकेट लेने और आक्रामक होने की कोशिश करता हूं: मुझे पता है कि वे हमेशा मेरे पीछे आएंगे, क्योंकि मैं छठा गेंदबाज हूं।

> मैं वास्तव में खुश हूं। मुझे पता था कि मैं गेंद के साथ भूमिका निभाने वाला हूं: जैक्स

स्पर्स ने फ्रैंकफर्ट को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

बर्लिन, 18 अप्रैल (एजेंसियां। डोमिनिक सोलंके की पहली हाफ की पेनल्टी निर्णायक साबित हुई, क्योंकि टोटेनहम हॉटस्पर ने इंट्राच फ्रैंकफर्ट पर 1-0 (कुल 2-1) की जीत के साथ यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बनाई। ह्यूगो एकिटिके ने शुरुआत में ही गोल करने का प्रयास किया, जबकि मारियो गोट्ज ने एक आशाजनक प्रयास किया, जो चूक गया। हालांकि, मेजबान टीम को 17वें मिनट में झटका लगा, जब गोट्ज जांघ की समस्या के कारण लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए, जिससे उन्हें जल्दी ही रणनीति बदलनी पड़ी।

- स्पर्स के खेल में आगे बढ़ने के साथ ही वह बढ़त हासिल करने में विफल रहा

फ्रैंकफर्ट ने नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन स्पर्स के खेल में आगे बढ़ने के साथ ही वह बढ़त हासिल करने में विफल रहा। जेम्स मैडिसन ने एक शॉट बचाया, लेकिन कुछ मिनट बाद गोलकीपर कौआ सैंटोस द्वारा गिराए जाने पर पेनल्टी जीत ली। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोलनके ने ब्रेक से ठीक पहले स्पॉट से गोल किया। फ्रैंकफर्ट ने खेल फिर से शुरू होने के बाद बढ़त हासिल की। फेरेस चाइबी ने गुग्लिल्मो विकारियो को एक शक्तिशाली फ्री-किक से परखा और गोलकीपर को फिर से अल्जीरियाई खिलाड़ी को नजदीकी रेंज से रोकने के लिए एक्शन में आना पड़ा। रिबाउंड रासमस क्रिस्टेंसन के पास गिरा, लेकिन राइट-बैक शॉट वाइड रहा। क्रिस्टेंसन के पास देर से दो और मौके आए, लेकिन वे नेट के पीछे नहीं पहुंच पाए, जबकि एकिटिके का कॉर्नर से हेडर वाइड रहा। दूसरे हाफ में जोशपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद, फ्रैंकफर्ट अनुशासित स्पर्स बैकलाइन को भेद नहीं सका। इस परिणाम के साथ फ्रैंकफर्ट का यूरोपीय अभियान समाप्त हो गया, क्योंकि इस सीजन में महाद्वीपीय प्रतियोगिता में कोई भी जर्मन टीम नहीं बची है। फ्रैंकफर्ट के कोच डिनो टॉपमोलर ने कहा कि मुझे खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है और आज रात उन्होंने जो किया, उस पर भी। उन्होंने मैदान पर अपना दिल लगा दिया और संघर्ष किया।

> कोच, खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है और आज रात उन्होंने जो किया, उस पर भी। उन्होंने मैदान पर अपना दिल लगा दिया और संघर्ष किया : **फ्रैंकफर्ट डिनो टॉपमोलर मुझे**

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	दिल्ली कैपिटल	6	5	1	10	+0.744
2-	गुजरात टाइटंस	6	4	2	8	+1.081
3-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	8	+0.672
4-	पंजाब किंग्स	6	4	2	8	+0.172
5-	लखनऊ सुपर जायंट्स	7	4	3	8	+0.086
6-	कोलकाता नाइट राइडर	7	3	4	6	-0.547
7-	मुंबई इंडियंस	7	3	4	4	-0.239
8-	राजस्थान रॉयल्स	7	2	5	4	-0.714
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	7	2	5	4	-1.217
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	7	2	5	4	-1.276